रांची, शुक्रवार
21.06.2024
वर्ष : 9, अंक : 200 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री केजरीवाल को मिली जमानत

नई दिल्ली : दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के आरोप में 21 मार्च को गिरफ्तार और तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज यहां एक विशेष अदालत ने बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी। राऊज एवेन्यू स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदू ने श्री केजरीवाल और ईडी की दलीलें दो दिनों तक सुनने के बाद गुरुवार देर शाम जमानत संबंधी अपना आदेश पारित किया। अदालत ने उन्हें एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। आदेश पारित होने के बाद ईडी ने जमानत को उच्च न्यायालय में चुनौती देने की दलील देते हुए विशेष अदालत से अनुरोध किया कि जमानत बांड पर हस्ताक्षर को 48 घंटे के लिए टाला जा सकता है, लेकिन विशेष न्यायाधीश ने ईडी की इस गुहार को ठुकराते हुए आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि जमानत बांड कल ड्यूटी जज के समक्ष पेश किया जाना है। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक केजरीवाल की जमानत बांड संबंधी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को जेल से बाहर निकालने की संभावना है।

पटना हाईकोर्ट से नीतीश सरकार को झटका

पटना। पटना उच्च न्यायालय ने बिहार में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए आरक्षण का दायरा बढ़ाने संबंधी कानून को रद्द कर दिया है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति हरीश कुमार की खंडपीठ ने गौरव कुमार और अन्य की ओर से दायर याचिका पर गुरुवार को फैसला सुनाते हुए शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में एससी-एसटी, ईबीसी और अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण देने के नीतीश सरकार के फैसले को रद्द कर दिया। इस मामले पर लंबी सुनवाई के बाद 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति हरीश कुमार की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। गौरतलब है कि जाति आधारित सर्वे रिपोर्ट आने के बाद नीतीश सरकार ने आरक्षण का दायरा बढ़ाने का फैसला लिया ।

मुख्यमंत्री ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक, कहा

किसानों की समृद्धि से राज्य की अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने आज कहा कि किसानों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में कृषि और किसानों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं हैं। इन योजनाओं का लाभ अन्नदाताओं को मिले, इसे निश्चित तौर पर सुनिश्चित करें, क्योंकि किसानों की समृद्धि से राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री गुरुवार को उच्च स्तरीय बैठक में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को कृषि से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रगति से जुड़ी जानकारी से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत दो लाख रुपये तक का ऋण माफ करने की योजना है। इससे पहले किसानों के 50 हजार रुपये तक का लोन माफ किया गया था। ऐसे में जिन किसानों का कृषि ऋण बकाया है, उनके एनपीए माफी के लिए बैंकों से बातचीत करें, ताकि सरकार की इस योजना का ज्यादा से ज्यादा किसानों को लाभ मिल सके। इसके साथ मृतक लाभुकों का सही तरीके से सत्यापन करने के बाद ऋण माफी की राशि का भुगतान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि कार्यों में टाइम फैक्टर काफी मायने रखता है। ऐसे में किसानों के बीच समय पर खाद -बीज का वितरण करने के साथ अन्य कृषि से जुड़ी सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे इसका पूरा सदुपयोग कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अलग-अलग क्षेत्र में जल स्तर में काफी भिन्नताएं हैं। किसी इलाके में ग्राउंड वाटर लेवल काफी नीचे है तो कहीं यह थोड़ा ऊपर है। ऐसे में किसी भी क्षेत्र में बोरिंग वहां के भूमिगत जल स्तर को देखते हुए किया जाना चाहिए , ताकि यह असफल साबित नहीं हो। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश कृषि समृद्धि योजना की समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को दिया। इस योजना के तहत किसानों के बीच पंप सेट वितरित किया जाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लैम्प्स -पैक्स के माध्यम से किसानों को खाद- और बीज उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में सभी लैम्प्स -पैक्स के नोटिस बोर्ड पर खाद बीज की उपलब्धता की जानकारी डिस्प्ले होनी चाहिए, ताकि किसानों को सुलभता से इसकी जानकारी मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कृषि से जुड़ी योजनाएं तभी सफल होंगी, जब किसानों को उसका पूरा लाभ मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे योजनाओं को लेकर किसानों, कृषक समूहों और कृषक संगठनों से संवाद करें। उनसे उनकी समस्याओं की जानकारी लें। अगर सरकार की किसी योजना में कोई त्रुटि है तो उसे जानने का प्रयास करें, ताकि समय पर उन त्रुटियों को दूर कर किसानों तक उसका लाभ पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। ऐसे में ये योजना इस तरह से क्रियान्वित हो कि किसानों को सुलभता के साथ पशु धन मिल सके। इसके लिए जरूरी है कि पशु के साथ शेड और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए कृषि विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी निदेशालय समन्वय बनाकर कम करें। मुख्यमंत्री ने बकरी पालन पर भी विशेष जोर दिया। इसके लिए उन्होंने जिला स्तर पर बकरी फार्म बनाने का निर्देश दिया, जहां इसकी ब्रीडिंग की भी व्यवस्था हो।

बैठक में मुख्य सचिव एल खियांगते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीक, निबंधक, सहयोग समितियां सूरज कुमार, निदेशक कृषि कुमार ताराचंद, निदेशक पशुपालन किरण पासी, निदेशक, उद्यान फैज अक अहमद, निदेशक गव्य शाहनवाज अख्तर, निदेशक मत्स्य एचएन द्विवेदी, निदेशक भूमि संरक्षण अजय कुमार सिंह, निदेशक, समेति विकास कुमार, जेएसएलपीएस के सीईओ संदीप सिंह और कृषि विभाग के विशेष सचिव प्रदीप हजारी मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की दीवार अब गिर चुकी है : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर के पहले दौरे पर बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आज सही मायने में भारत का संविधान लागू हुआ है क्योंकि सबको बांटने वाली अनुच्छेद 370 की दीवार अब गिर चुकी है। यहां शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने यह बात कही। मोदी ने कहा, "जम्मू कश्मीर में आज सही मायने में भारत का संविधान लागू हुआ है और यह सबकुछ हो रहा है क्योंकि सबको बांटने वाली अनुच्छेद 370 की दीवार अब गिर चुकी है।"

दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे मोदी शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान 1,500 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कार्यक्रम में 1,800 करोड़ रुपये की कृषि और संबद्ध क्षेत्र की परियोजनाओं की भी शुरूआत की। इन परियोजनाओं को केंद्र शासित प्रदेश के 20 जिलों के 90 प्रखंडों में लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

मोदी ने लोकसभा चुनाव में केंद्र शासित प्रदेश में रिकॉर्ड मतदान का उल्लेख करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने इस लोकसभा चुनाव में लोकतंत्र की जीत सुनिश्चित की है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, भारत अब स्थिर सरकार के नए दौर में प्रवेश कर चुका है इससे हमारा लोकतंत्र और मजबूत हुआ है और इस लोकतंत्र की मजबूती में जम्मू कश्मीर की आवाम की बहुत बड़ी भूमिका रही है। आपने इस चुनाव में जम्हूरियत को जिताया है आपने पिछले 35-40 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है।

नैंसी पेलोसी ने दलाई लामा के बाद पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली: अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी तिब्बत में धर्मगुरु दलाई लामा से मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकाच की। इससे पहले गुरुवार को तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा अमेरिकी डेलीगेशन से मिले। पीएम मोदी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच इस मुलाकात के कई मायने समझे जा रहे हैं। ऐसा पहली बार है जब किसी विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने भारत में आकर तिब्बत के समर्थन में आवाज उठाई है। हालांकि नैंसी इससे पहले मई 2017 में भी दलाई लामा से मिलने भारत आई थीं। नैंसी पेलोसी किसी डेलीगेशन के साथ भारत दौरे पर नहीं आई थीं। बता दें कि भारत, तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है और इसे लेकर टिप्पणी करने से परहेज करता रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का ये दौरा आधिकारिक है या नहीं इसे लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

भर्तृहरि महताब होंगे प्रोटेम स्पीकर, लोकसभा के नए सांसदों को दिलाएंगे शपथ

नई दिल्ली : 18वीं लोकसभा का पहला सेशन 24 जून से शुरू होगा। लोकसभा में 24 और 25 जून को नए सांसद शपथ लेंगे। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भर्तृहरि महताब को लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत भर्तृहरि महताब, सदस्य, लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर को नियुक्त किया है। प्रोटेम स्पीकर की देखरेख में ही लोकसभा के स्पीकर का चुनाव होगा। बता दें कि 18वीं लोकसभा का पहला सेशन 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान 24 और 25 जून को नए सांसद शपथग्रहण करेंगे। इसके बाद 26 जून को लोकसभा के स्पीकर का चुनाव होगा। स्पीकर के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सरकार के मंत्रियों का परिचय सदन से कराएंगे। 27 जून को राज्यसभा और लोकसभा का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण होगा।

पंचायत सेवक पांच हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

लातेहार। जिले के बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत सेरेगड़ा पंचायत के पंचायत सेवक अर्जुन राम को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पलामू की टीम ने गुरुवार को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पंचायत सेवक सड़क निर्माण कार्य में भुगतान के लिए लाभुक से पांच हजार रुपए रिश्वत ले रहा था।

जानकारी के अनुसार मालूमात प्रखंड के सेरेगड़ा पंचायत के बुकरू गांव में ईट सोलिंग सड़क का निर्माण पंचायत स्तर पर कराया जा रहा था। काम पूरा होने के बाद लाभुक समिति के द्वारा जब पंचायत सेवक से पैसे भुगतान की मांग की जाने लगी तो पंचायत सेवक ने इसके बदले रिश्वत के रूप में पांच हजार रुपए की मांग की। लाभुक समिति के द्वारा पंचायत सेवक से काफी अनुरोध किया गया परंतु बिना रिश्वत लिए पंचायत सेवा के पैसे भुगतान करने को तैयार ही नहीं था।

अंत में लाभुक समिति के द्वारा मामले की शिकायत पलामू निगरानी की टीम से की गई। शिकायत मिलने के बाद निगरानी की टीम ने पूरे मामले की छानबीन की और जब यह बात स्पष्ट हो गया कि पंचायत सेवक रिश्वत मांग रहा है तो निगरानी की टीम ने लाभुक को पैसे देकर पंचायत सेवक के पास भेजा। पंचायत सेवक प्रखंड कार्यालय परिसर में ही रिश्वत के पैसे जैसे ही लाभुक कर दिया वैसे ही निगरानी की टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। नोटों की पहचान करने के बाद आरोपित पंचायत सेवक को निगरानी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

मक्का में गर्मी का कहर, 600 से ज्यादा हाजियों की मौत, पर्यावरण के मुद्दे पर दुनिया का खींचा ध्यान

एजेंसी

नई दिल्ली: दुनिया के कई देशों में भयंकर गर्मी से हाहाकर मचा है। सऊदी अरब में गर्मी का बड़ा कहर बरपा। सऊदी में हज अदा करने गए 600 से अधिक हाजियों की मौत हो गई है। मृतक हाजियों में करीब 68 हाजी भारतीय बताए जा रहे हैं।

मक्का में इतनी बड़ी संख्या में गर्मी के कारण हुई मौतों से हड़कंप मचा है। वहीं, जिन परिवार के हाजियों की मौत हुई है। उन्हें अपनों को खोने का गम जरूर है, लेकिन वह इस बात पर सब्र कर रहे हैं कि उनके घर के सदस्यों को मक्का में मौत नसीब हुई है।

हज इस्लाम के पांच फर्ज यानी कर्तव्यों में से एक है। हर साल दुनियाभर से लाखों मुस्लिम हज पर जाते हैं। इस साल 2024 में

करीब 20 लाख लोग हज यात्रा पर सऊदी पहुंचे हैं। लेकिन इस बार रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मक्का में औसत तामपान 52 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है। 20 लाख की भीड़ और उस पर 52 डिग्री टेम्परेचर ने हाजियों की ज़िंदगी दुश्वार कर दी। हालांकि हाजियों को गर्मी से बचाने के लिए भारी इंतजाम किए गए थे। जगह-जगह वॉलिंटियर्स खड़े थे, जो हाजियों पर पानी की फुहारे मार रहे थे। लेकिन हीट वेव पर इन पानी की बौछारें भी बेअसर रहीं और लगातार डेथ टोल बढ़ता रहा।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 600 ज्यादा लोगों की मौत हीट वेव के कारण हुई है। सैकड़ों मौतें ऐसी भी हुई हैं, जिनमें कोई पहले से बीमार थे, बुजुर्ग थे। हज के मृतकों में अलग-अलग देशों के नागरिक हैं। सर्वाधिक मौतें मिस्र के लोगों की हुई हैं। हज के दरम्यान मिस्र के करीब 323 हाजियों की मौत हुई है।

वहीं, बात करें पिछले वर्ष के मृतकों की तो हज यात्रा के दौरान 240 लोगों की मौत हुई थी। लेकिन इस बार हीट वेव यानी लू ने मृतकों की संख्या बढ़ा दी है। इतनी बड़ी संख्या में गर्मी की वजह से हुई मौतों ने दुनियाभर का ध्यान खींचा है। ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे, क्लाइमेंट चेंज और पर्यावरण के मुद्दे पर लोग बात करने लगे हैं।

सऊदी अरब के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 17 जून को मक्का की ग्रैंड मस्जिद के अंदर का टेम्परेचर 51.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, सऊदी के मीना शहर में हाजी गर्मी से बेहाल थे।

गर्मी से राहत पाने के लिए वे अपने सिर पर पानी डाल रहे थे। वॉलिंटियर्स उन्हें ठंडा रखने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स और आइसक्रीम दे रहे थे, ताकि किसी तरह से हाजियों को गर्मी से राहत मिलती रहे। हज यात्रा के दौरान की तमाम ऐसी तस्वीरें सामने आती रहीं, जिनमें हाजी गर्मी से बेहाल दिखे। लेकिन सिर पर कफन बांधकर मक्का की रस्म अदा करने पहुंचे हाजी मौत से बेफिक्र होकर कदम बढ़ाते रहे।

झारखंड विस में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में हाई कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले में दायर जनहित याचिका की सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को शनिवार तक लिखित बहस प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन में कोर्ट को बताया कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट कानूनी रूप से रिपोर्ट नहीं मानी जाएगी। रिपोर्ट को सरकार के समक्ष पेश किया जाना चाहिए था लेकिन इसे सीधे राज्यपाल को दे दिया गया। राज्यपाल ने जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट सरकार को नहीं दी, जिससे विधानसभा के सदन के पटल पर एक्शन रिपोर्ट के बाद छह माह के भीतर इसे नहीं रखा जा सका।

जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में कई त्रुटियां भी थी एवं उस कमीशन की कई अनुशंसा भी अस्पष्ट थी इन त्रुटियों को देखने के लिए जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की एक कमीशन बनानी पड़ी। जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट को राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया है और उसे विधानसभा के सदन पटल पर रखा जा चुका है। जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट की फाइनल रिपोर्ट है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने कोर्ट को बताया कि झारखंड विधानसभा के वर्तमान स्पीकर विधानसभा कमेटी के सदस्य थे, इस कमेटी ने विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले की जांच का रिपोर्ट दिया था की कार्रवाई होनी चाहिए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें केवल जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट ही दी गई थी, रिपोर्ट के साथ कोई दस्तावेज (एनेक्सचर) नहीं दी गई थी।

पूर्व में ही सरकार की ओर से एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत की जा चुकी थी। झारखंड विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार और झारखंड विधानसभा से पूछा था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में क्या त्रुटियां थी जिसके कारण दूसरी आयोग बनानी पड़ी थी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी, जिसने मामले की जांच कर राज्यपाल को वर्ष 2018 में रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को एक्शन लेने का निर्देश दिया था। वर्ष 2021 के बाद से अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। राज्यपाल के दिशा-निर्देश के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष इस मामले को लंबा खींच रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने स्कूल प्रबंधन समिति के साथ की बैठक

चान्हो (बिभा): प्रखंड स्थित चोरेया पंचायत स्थित देवेंद्र नाथ सिंह उच्च विद्यालय में गुरूवार को प्रबंधन समिति की बैठक विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के अध्यक्षता में की गई। बैठक मे स्कूली शिक्षा को और बेहतर करने, स्कूल मे बच्चों को शिक्षा के अलावा आने वाली अन्य और कमियों को दूर करने, स्कूल का रंग-रोगन एवं सुंदरीकरण के विषय मे चर्चा किया गया। बैठक के पश्चात विधायक ने इस साल स्कूल से मैट्रिक में अव्वल आये छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन सम्मान राशि का भी वितरण किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि दिनेश राम स्कूल पूर्व प्राचार्य अरूण कुमार सिंह , शिक्षक राकेश शर्मा ,भुनेश्वर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चान्हो पुलिस ने दो किलो गांजा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

चान्हो(बिभा)। सोंस निवासी अफरोज आलम के दुकान से चान्हो पुलिस ने छापेमारी कर दो किलो से अधिक मात्रा में गांजा बरामद किया है। गुरुवार को चान्हो थाना प्रभारी अजीम अंसारी के नेतृत्व में चान्हो, सोस, बिजुपाड़ा,चोरिया मोड़ समेत कई जगहों पर गांजा ,डेंड्राइट ,कोरेक्स और व्हाइटनर बेचने वालों पर कारवाई की गई। डेंड्राइट ,कोरेक्स आदि बेचनेवाले को थाने बुलाकर उन्हें हिदायत दी गई और कहा गया कि आगे से अगर उन्हें डेंड्राइट ,कोरेक्स और व्हाइटनर बेचते हुए पकड़ा गया तो उनके खिलाफ सख्त कारवाई करते हुए जेल भेज दिया जायेगा। इसी क्रम में अफरोज आलम से गांजे की बरामदगी हुई। मौके पर युवक को गिरफ्तार कर पुलिस थाने ले गई और संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने की तैयारी में है। गांजा के धंधे से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बिजली की समस्या को लेकर चेंबर ने बिजली विभाग के पदाधिकारी के साथ की बैठक।

रामगढ़(बिभा)। विगत कुछ दिनों से रामगढ़ शहर के चट्टी बाजार, गोला रोड बाजार समिति एवं पूरे शहर एवम भुरकुंडा में व्याप्त बिजली समस्याओं को लेकर आज रामगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधि मंडल विनय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में बिजली विभाग के अधीक्षन अभियंता के साथ वार्ता की। जिसमें बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता कन्य अभियंता, कार्यपालक अभियंता तकनीकी एवं अन्य पदाधिकारी में उपस्थित थे। इस बैठक में चैंबर ने रामगढ़ शहर एवं खासकर भुरकुंडा में हो रही बिजली समस्या के बारे में विस्तृत से प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य अधीक्षक अभियंता विद्युत आपूर्ति अंचल रामगढ़ से बात करते हुए बताया कि भुरकुंडा में व्यापारियों का विद्युत कनेक्शन कैंप के माध्यम से हुआ था जिस पर अभी तक भी पत्र गठित नहीं हुआ है, पत्र पारित करने की दिशा में पहल करने का आग्रह प्रतिनिधि मंडल द्वारा अधीक्षण अभियंता को किया गया। अधीक्षन अभियंता ने प्रतिनिधिमंडल का आश्वासन दिया है कि 15 दिनों के अंदर में सभी व्यापारियों का जिनका विपत्र अभी तक पारित नहीं हुआ है पारित हो जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिद्धो कान्हू मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन आज

रामगढ़(बिभा)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को रामगढ़ शहर के सिदो कान्हू मैदान में प्रातः 6:00 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार ने सभी जिले वासियों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिदो कान्हू, मैदान रामगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने एवं योग अभ्यास करने की अपील की है। गौरतलब हो कि भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के निदेशानुसार 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के तत्वाधान में जिला आयुष समिति, रामगढ़ के द्वारा सिदो कान्हू, मैदान रामगढ़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है वहीं जिला आयुष समिति रामगढ़ द्वारा जिलेवासियों, मीडिया प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों सहित अन्य सभी को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची : मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा ने रक्तदान पखवाड़ा के अन्तर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया । यह आयोजन विकास भवन ऑफिस ऑफ डेप्यूटी कमिश्नर राँची में किया गया । झारखंड प्रांतीय रक्तदान सयोजक पिंकेश खंडेलवाल जी मोके पर मोजूद थे , शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने अंगवस्त्र देकर उनका सम्मान किया । रक्तदान प्रभारी रोजी खंडेलवाल ने पूरे कार्यक्रम को लाइनअप किया , शिविर में 16 यूनिट रक्त संग्रह किया गया । इसके अलावा सभी को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया , एवं रक्तदान के महत्व को समझाया गया । सचिव शुभा अग्रवाल ने बताया , रक्तदाताओं को संस्था की तरफ से सर्टिफिकेट दिया गया , सबको जूस भी दिया गया । यह शिविर का कार्य रिम्स के चिकिस्को के सहयोग से सम्पन्न हुआ । मौके पर अध्यक्ष विनीता सिंघानिया , सचिव शुभा अग्रवाल , निवर्तमान अध्यक्ष स्वेता भाला , रोजी खंडेलवाल , कोमल पोद्दार , कविता जालान , पायल जैन मोजूद थी । यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी

चार डीएसपी का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने चार डीएसपी का तबादला किया है। रांची में विशेष शाखा में पदस्थापित डीएसपी समीर कुमार सवैया को लोहरदगा जिले के किस्को का डीएसपी बनाया गया है। इसीप्रकार सीटीसी मुसाबनी में पदस्थापित डीएसपी अनिमेष गुप्ता को बोकारो का डीएसपी मुख्यालय, पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत मुजीबुर रहमान को विशेष शाखा रांची का डीएसपी और पलामू आईआरबी-10 में पदस्थापित डीएसपी बेनेडिक्ट मरांडी को गिरिडीह आईआरबी- 9 का डीएसपी बनाया गया है। इस संबंध में बुधवार देर रात गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

हमारा हर एजेंडा राज्यवासियों के प्रति समर्पित है: सुदेश महतो

बिभा संवाददाता

रांची/ गिरिडीह : राज्य की उन्नति के प्रति हमारी सोच और हमारा ध्येय व्यापक है। हमारा हर एजेंडा राज्य और राज्यवासियों के प्रति समर्पित है। लोकसभा चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने वाले सभी लोगों के प्रति हम अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। सुदूर गांवों में बसने वाले ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इससे लोकतंत्र को बल मिला है।शहर हो या गांव हमें सभी जगह के मतदाताओं ने अपना प्यार और आशीर्वाद दिया है। उनकी सेवा और क्षेत्र का विकास हमारा दायित्व। हम इस दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे।

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष श्री सुदेश कुमार महतो ने डुमरी और गिरिडीह विधानसभा में आयोजित आभार यात्रा के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने डुमरी और गिरिडीह विधानसभा की जनता का लोकसभा चुनाव में चंद्र प्रकाश चौधरी के पक्ष में दिए जनादेश के लिए आभार प्रकट किया।

हमारी कोशिश लोगों को सकारात्मक धारा से जोड़ने की है। राज्य को विकास के हर मापदंड पर आगे ले जाने की हमारी तैयारी है। जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को दूर करने की दिशा में हम काम करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर विस्थापन और भूमि अधिग्रहण के मुद्दों पर हमारे सांसद मुखरता के साथ जनता की आवाज बनेंगे।

स्व. बिनोद बिहारी महतो को सुदेश महतो ने अर्पित की श्रद्धांजलि

पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने स्व. बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिनोद बाबू की हमेशा से यही सोच रही थी कि विकास की किरण जब तक अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचती है, तब तक इसके लिए लड़ाई लड़नी होगी और इस लड़ाई को लड़ने के लिए आजसू पार्टी का हर एक कार्यकर्ता तैयार है। उनके सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी राज्य के युवाओं पर है। युवा शक्ति के साथ मिलकर हम आंदोलनकारियों के सपनों का झारखंड बनाएंगे।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व विधायक निर्भय शहबादी, महासचिव यशोदा देवी, गिरिडीह जिलाध्यक्ष गुड्डू यादव, बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन महतो, सचिव संतोष महतो, अलाउद्दीन अंसारी, टिकैत महतो, जयलाल महतो, बिगन महतो, सुरेश महतो, लखन महतो, संजय साहू, कम्पू यादव, छक्कन महतो इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झारखण्ड में जातीय जनगणना और जनजातीय भाषा एवं साहित्य अकादमी की स्थापना का निर्णय क्रांतिकारी : बंधु

बिभा संवाददाता

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखण्ड में जातीय जनगणना करवाने का सरकार का निर्णय सराहनीय है और इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये कम है. श्री तिर्की ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कार्यान्वित की जानेवाली इस जनगणना से प्राप्त होनेवाले निष्कर्ष के आधार पर सरकार के द्वारा प्रभावी नीति-निर्धारण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी. इससे सामाजिक न्याय एवं अधिकार से वंचित झारखण्ड की जाति विशेष को विशिष्ट सुविधा उपलब्ध होगी जिससे उसका शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास संभव हो सकेगा. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को भेजे गये एक पत्र में श्री तिर्की ने सरकार के इस बहुप्रतीक्षित निर्णय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके पश्चात न केवल किसी भी दृष्टि से वंचित एवं उपेक्षित जातियों के लोगों का शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास संभव हो सकेगा बल्कि हमें झारखण्ड में एक वैसे समाज के निर्माण में सहायता मिलेगी जहाँ सभी के मध्य परस्पर सामंजस्य हो और सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ें एवं झारखण्ड के समग्र विकास में अपना योगदान दें. श्री तिर्की ने कहा कि इस निर्णय के साथ ही झारखण्ड में जनजातीय भाषा एवं साहित्य अकादमी की स्थापना का निर्णय भी बहुप्रतीक्षित है और इसका इंतजार अलग प्रदेश के रूप में झारखण्ड की स्थापना के बाद से ही था. लेकिन अफसोस की बात है कि 23 साल के बाद सरकार ने एक वैसे निर्णय को जमीन पर कार्यान्वित करने का फैसला किया है जिससे न केवल झारखण्ड की भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि झारखण्ड को एक वैसी नवीन पहचान मिलेगी जिसके लिये झारखण्ड का गठन किया गया था. श्री तिर्की ने भरोसा जताया कि आगामी सप्ताहों में सरकार वैसे अनेक निर्णय लेगी जिसकी प्रतीक्षा झारखण्ड को लंबे समय से है और जिसकी जरूरत भी इस प्रदेश को बहुत अधिक है.

झारखंड में जेपीएससी की परीक्षा का रास्ता साफ, हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने गुरुवार को 11वीं जेपीएससी परीक्षा पीटी के मॉडल आंसर को चुनौती देने वाली याचिका पर सभी पक्षों को सुनने के बाद जेपीएससी की दलील को सही मानते हुए याचिका खारिज कर दी। 22 जून से 11वीं जेपीएससी की परीक्षा शुरू हो रही है। ऐसे में अब इस परीक्षा का रास्ता साफ हो गया। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ एस एन पाठक की कोर्ट में हुई।

इस मामले में प्रियंका अनुज, जया कुमारी, सिद्धार्थ सौरभ सहित पांच छात्रों ने याचिका दाखिल की थी।जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल एवं प्रिंस कुमार ने कोर्ट को बताया कि पीटी परीक्षा के बाद जेपीएससी ने 11वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का मॉडल आंसर प्रकाशित किया था, जिसके बाद जेपीएससी ने मॉडल आंसर को लेकर अभ्यार्थियों से आपत्ति भी मांगी थी। आपत्ति मिलने के बाद जेपीएससी ने सुधार कर संशोधित मॉडल आंसर निकाला था।

इस संशोधित मॉडल आंसर में एक और बार सुधार किया गया था। परीक्षा में असफल याचिकाकर्ता संशोधित मॉडल आंसर पर बेबुनियाद बात उठा रहे हैं, इसलिए उनकी याचिका खारिज की गई।

चैनपुर पुलिस ने सड़क सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण को लेकर चलाया वाहन जांच अभियान

बिभा संवाददाता

चैनपुर: चैनपुर पुलिस ने गुरुवार को थाना के समीप सड़क सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण को लेकर सघन वाहन जांच अभियान चलाया।जिसमें सभी दो पहिया चार पहिया वाहनों की गहनता से जांच की गई। वहीं बड़े गाड़ियों के डिक्की की जांच की जा रही थी वहीं दो पहिया वाहन के हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, पॉल्यूशन तथा कागजों का जांच की गई वहीं बिना हेलमेट के चलने वाले लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई। थाना प्रभारी अजय यादव ने बताया की वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलता रहेगा। सभी वाहन चालक जब घरों से निकले तो हेलमेट का प्रयोग करें एवं गाड़ी से संबंधित सभी कागजात अपने साथ रखें नशापान कर गाड़ी नं चलाएं। इधर वाहन जांच होता देख कुछ लोग दूसरे रास्ते से भागते हुए नजर आए मौके पर थाना के एस आई मदन शर्मा सहित थाना के जवान मौजूद थे।

22 जून को आजसू स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जायेगा : बोनीफास

बिभा संवाददाता

चैनपुर: 22 जून को आजसू स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसमे मुख्यातिथि के रूप में झारखंड आंदोलनकरी नेता सह आजसू पार्टी के केन्द्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ.देवशरण भगत जी, और विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय सचिव सह गुमला विधानसभा प्रभारी बोनीफास कुजूर रहेंगे । वहीं गुमला विधानसभा क्षेत्र से एक हजार नए युवाओं को आजसू पार्टी के विचारों से जोड़ने का लक्ष्य लिया गया है साथ ही साथ युवा सम्मेलन के रूप में सभी युवाओं भाग लेना अनिवार्य है ।।सभी प्रखंडों से सभी हजारों की संख्या में रायडीह प्रखंड के पतराटोली स्टेडियम एक नए यूथ के साथ बैठक रखा गया है, और उसमें झारखंड को किस-किस ने बलिदान दिया है उसका विजुअल वीडियो जारी किया जाएगा।जिसमें झारखंड को अलग राज्य बनाने में , झारखंड की आबरू को बचाने में , झारखंड के किसानों के लिए अलग लड़ाई लड़ना विद्यार्थियों के लिए आवाज उठाना और मुंहतोड़ जवाब देना । आजसू पार्टी किस तरह संघर्ष और बलिदान करते हुए आज पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाया। इन सब मुद्दों पर आवाज उठाने वाली पार्टी आज किस मुकाम पर पहुंच चुका है । उसको बताने के लिए और वर्तमान दौर में झारखंड में गर्मी का जो डिग्री प्रतिशत जिस तरह से बढ़ रहा है उसको देखते हुए हर विधानसभा में 100 पौधा लगाने का निर्णय आजसू पार्टी ने लिया हैं।

समर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार, चलाये जाएंगे और 13 फेरे

बिभा संवाददाता

हाजीपुर/रांची: ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कटिहार-बरौनी-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-सिवान-गोरखपुर-अयोध्याधाम-कानपुर-मथुरा-जयपुर के रास्ते गुवाहाटी से श्रीगंगानगर के लिए चलाये जा रहे स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है । अब इस स्पेशल के गुवाहाटी एवं श्रीगंगानगर से और 13 फेरे निम्नानुसार चलाये जाएंगे है -

1. गाड़ी संख्या 05636 गुवाहाटी-श्रीगंगानगर समर स्पेशल वर्तमान में 26.06.2024 तक प्रत्येक बुधवार को गुवाहाटी से परिचालित की जा रही है। इस स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे दिनांक 03.07.2024 से 25.09.2024 तक प्रत्येक बुधवार को चलाने का निर्णय लिया गया है । यह स्पेशल गुवाहाटी से बुधवार को 18.15 बजे खुलकर गुरूवार को 13.37 बजे हाजीपुर रूकते हुए शनिवार को 03.30 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी ।

2. गाड़ी संख्या 05635 श्रीगंगानगर-गुवाहाटी समर स्पेशल वर्तमान में 30.06.2024 तक प्रत्येक रविवार को श्रीगंगानगर से परिचालित की जा रही है। इस स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे दिनांक 07.07.2024 से 29.09.2024 तक प्रत्येक रविवार को चलाने का निर्णय लिया गया है । यह स्पेशल श्रीगंगानगर से रविवार को 13.20 बजे खुलकर मंगलवार को 02.05 बजे हाजीपुर रूकते हुए बुधवार को 00.25 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी ।

02 जोड़ी और परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर : डिप्लोमा सर्टिफिकेट एंट्रेस कंपीटिटिव एक्जाम 2024 के परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पटना-रांची एवं पटना-टाटा के मध्य परीक्षा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा जिनका विवरण निम्नानुसार है -

गाड़ी सं. 08639/08640 रांची-पटना-रांची परीक्षा स्पेशल (बोकारो-गोमो-गया के रास्ते) - गाड़ी सं. 08639 रांची-पटना परीक्षा स्पेशल दिनांक 22.06.2024 को रांची से 14.10 बजे खुलकर उसी दिन 23.00 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 08640 पटना-रांची परीक्षा स्पेशल दिनांक 23.06.2024 को पटना से 21.00 बजे खुलकर अगले दिन 05.30 बजे रांची पहुंचेगी । इस स्पेशल में प्रथम सह द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 04 तथा साधारण श्रेणी के 05 कोच होंगे । अप एवं डाउन दिशा में परीक्षा स्पेशल जहानाबाद, गया, कोडरमा, गोमो, बोकारो स्टील सिटी एवं मूरी स्टेशनों पर रूकेगी ।

गाड़ी सं. 08109/08110 टाटा-पटना-टाटा परीक्षा स्पेशल (पुरूलिया-गोमो-गया के रास्ते) - गाड़ी सं. 08109 टाटा-पटना परीक्षा स्पेशल दिनांक 22.06.2024 को टाटा से 16.15 बजे खुलकर अगले दिन 03.00 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 08110 पटना-टाटा परीक्षा स्पेशल दिनांक 23.06.2024 को पटना से 21.15 बजे खुलकर अगले दिन 07.15 बजे टाटा पहुंचेगी । इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 12 तथा साधारण श्रेणी के 03 कोच होंगे । अप एवं डाउन दिशा में परीक्षा स्पेशल जहानाबाद, गया, कोडरमा, गोमो, महूदा, भोजूडीह, पुरूलिया एवं चांडिल स्टेशनों पर रूकेगी ।

इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 12 कोच हैं।

लोहरदगा लोकसभा मे बड़ी जीत को लेकर सांसद ने निकाली आभार यात्रा

बिभा संवाददाता

जारी/डुमरी/चैनपुर-लोहरदगा लोकसभा मे बड़ी जीत हासिल के बाद आज जारी में सांसद सुखदेव भगत ने अपने कार्यकताओं के साथ निकाली आभार यात्रा। आभार यात्रा मेराल,बारडीह,भिखमपुर ,रुद्रपुर,गोबिन्दपुर पारसा मे निकाला गया।वहीं आभार यात्रा जारी पहुँचा जहाँ नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत एव उनके कार्यकताओं के द्वारा परमबीर अल्बर्ट एक्का के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।एवं ग्रामीणों के साथ रूबरू हुए।वहीं श्री भगत गोबिन्दपुर मे अपने कार्यकताओं एवं ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहा कि जो भी कमी जारी प्रखंड मे है मै उसे पूरा करने का कोशिश करूँगा।वही जारी के सभी मीडिया कर्मियों से भी प्रखंड के साथ साथ उन सभी का हाल चाल के बारे में पूछा।साथ ही कहा आगे कहा कि किसी प्रकार को भी दिक्कत हो तो निःसंकोच हमे फोन करें।मै समस्या का समाधान करने का हर सम्भव प्रयास करूँगा।आभार यात्रा डुमरी के रजावल पारिस पहुंचा जहां सांसद सुखदेव भगत ने पारिस फादर से मुलाकात किया।जिसके बाद चैनपुर के अल्बर्ट एक्का के स्मृति पर माल्यार्पण करते हुए।आभार यात्रा चैनपुर से रवाना हुआ।मौके पर फादर ललित मिंज,फादर प्रेम, इन्दवार,फादर फिलमोन एक्का, आलोक साहू, राजेश टोप्पो,जाकिर खान,मोती चौधरी, रिजवान अन्सारी, अर्जून लकड़ा, भालेन मिंज,चाजरेण मिंज, माईकल कुजूर,शुशील दीपक मिंज,अल्बर्ट तिग्गा,रघुनंदन प्रसाद,सहित आभार यात्रा मे कंग्रेस एवं जेएमएम के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कल्पना सोरेन से झामुमो कार्यकर्ताओं ने की शिष्टाचार मुलाकात

रांची : काँके रोड राँची स्थित आवास पर कल्पना सोरेन जी से विभिन्न ज़िलों से आये हुए पार्टी के कार्यकताओं नें शिष्टाचार मुलाकात की ।

मुख्यमंत्री से मिले राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और विधायक प्रदीप यादव

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से गुरुवार झारखंड मंत्रालय में राज्य के दर्जा प्राप्त मंत्री-सह-राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद महतो एवं विधायक प्रदीप यादव ने मुलाकात की। इस अवसर पर संयुक्त रूप से इन्होंने झारखंड सरकार द्वारा 19 जून 2024 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के भीतर जाति आधारित जनगणना कराए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दिए जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री को बधाई दी तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने पहाड़ी मंदिर का सर्वे किया

रांची : मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन जी के आदेश के बाद पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने पहाड़ी मंदिर का निरिक्षण किया एवं राँची पहाड़ी मंदिर विकाश समिति के सचिव राकेश सिन्हा, राजेश साहू , बादल सिंह एवं तमाम सदस्यों के साथ बैठक किया , पर्यटन विभाग के जिला पर्यटन पदाधिकारी शिवेन्द्रा सिंह , जिला पर्यटन विशेषज्ञ रोशन कुमार एवं ३+२ङ्क आर्किटेक्ट के प्रिंसिपल आर्किटेक्ट एवं अर्बन प्लानर गौतम कुमार मोदी ने पूरे पहाड़ी मंदिर का सर्वे किया एवं बहुत जल्द पहाड़ी मंदिर का सौंदर्यीकरण , विवाह मंडप , सभी दर्शनार्थियों के लिए आरामशाला , पहाड़ी कॉरिडोर एवं युवाओं के लिए सेल्फी पॉइंट , ध्यान केंद्र बनाया जाएगा । राँची पहाड़ी विकाश समिति के सचिव राकेश सिन्हा , राजेश साहू , बादल सिंह , राजेन्द्र सिंह एवं मंदिर के पुजारी पिंटू बाबा , मनोज बाबा, कर्मचारी शेरू , प्रदिप , बेबी , मोहन आदि लोग उपस्थित थे । मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन का बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद ,अगले माह से सावन शुरू होने वाला हैं पहाड़ी मंदिर में पूरे देश से शिव भक्त बाबा के दर्शन करने आते हैं। इस साल राँची पहाड़ी मंदिर विकाश समिति सावन महोत्सव के रूप में मनायेगा एवं सभी शिव भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था रहेगा । ये जानकारी बादल सिंह ने दिया ।

कल्पना सोरेन आज गाण्डेय में

रांची : गाण्डेय की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन दिनांक 21 जून 2024 से गाण्डेय विधानसभा के प्रवास पर रहेंगी। इस दौरान वो अपने क्षेत्र के लोगों से प्रतिदिन मुलाकात करेंगी अथवा गाण्डेय विधानसभा अंतर्गत चल रही है सरकारी योजनाओं का जायजा लेंगी व उसकी समीक्षा करेंगी ।

नीट परीक्षा के बाद नेट परीक्षा का पेपर लीक होना मोदी सरकार का निकम्मेपन को दशार्ता है : अनिता यादव

रांची : प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव ने केंद्र सरकार पर के कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा यूजीसी/नेट परीक्षा के एक दिन पूर्व पेपर लीक हो गया जिसके कारण तैयारी कर रहे लाखों छात्रों पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा है । अभी नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी का मामला शांत भी नहीं हुआ कि नेट परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया । यह सरकार के निकम्मेपन की निशानी है। केन्द्र सरकार देश के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। एक तो केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रही दूसरी ओर परीक्षा लेने में भी असफल साबित हो रही है। नीट परीक्षा में भी गड़बड़ी का मामला सामने आने पर केंद्र सरकार के द्वारा कोई कठोर कदम नहीं उठाया गया जब तक सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप नहीं किया। राष्ट्रीय जनता दल देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देगी। राष्ट्रीय जनता दल युवाओं के साथ है। अगर केंद्र सरकार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं करती है तो हम सड़क से संसद तक इसका विरोध करेंगे।

पौराणिक श्री शिवजी मंदिर परिसर से सटे भवन में बार संचालन से पहुंच रही धार्मिक आस्था को ठेस :युवा आजसू

रांची। युवा आजसू के प्रदेश संयोजक गौतम सिंह और वेदांत कौस्तव के नेतृत्व में एजी कॉलोनी, कडरू स्थित पौराणिक श्री शिवाजी मंदिर परिसर से सटे भवन में संचालित हो रहे ओना बार एंड रेस्टोरेंट में बार संचालन के खिलाफ आवाज उठाई है। युवा आजसू ने आज आयुक्त, उत्पाद एवम मद्द निषेध विभाग और उपायुक्त, रांची के नामित ज्ञापन सौप अविलंब ओना बार को बंद कराने का आग्रह किया है। युवा आजसू ने संबंधित पदाधिकारियों को सूचित कराया है कि ओना बार और रेस्टोरेंट में मदिरा परोसे जाने की वजह से धार्मिक स्थल का पवित्र वातावरण बाधित हो रहा है और स्थानीय श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। प्रदेश संयोजक गौतम सिंह ने कहा ओना में बार संचालन को लेकर दिए गए लाइसेंस की उच्च स्तरीय जांच की जाए और सुनिश्चित किया जाए कि लाइसेंस देने की प्रक्रिया में कोई नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है। युवा नेता वेदांत कौस्तव ने कहा अगर 10 दिनों के भीतर इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की जाती है तो युवा आजसू चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से गौतम सिंह, नीरज वर्मा, नीतीश सिंह, वेदांत कौस्तव, अभिषेक झा, अभिषेक शुक्ला, विशाल यादव आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की

राज्य में शीघ्र होगी मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना की शुरूआत : चम्पाई सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने गुरुवार झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में शीघ्र ₹मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना₹ की शुरूआत करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस योजना के तहत 25 वर्ष से ऊपर तथा 50 वर्ष से कम उम्र की सभी वर्ग समुदाय की गरीब जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार झारखंड प्रदेश की महिलाओं के बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार, महिला सशक्तिकरण, परिवार में महिलाओं की निर्णायक भूमिका सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ₹मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना₹ का लाभ निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत सभी वर्ग समुदाय के पात्र महिलाओं को मिलना प्रारंभ हो, इस निमित्त विभाग अपनी पूरी तैयारी युद्धस्तर पर करना सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस महत्वपूर्ण योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना भी अतिआवश्यक है अतएव विभाग व्यापक प्रचार-प्रसार करने की कार्ययोजना जल्द बनाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस योजना से संबंधित सभी प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो यह सुनिश्चित करें। आईटी विभाग का पूरा सहयोग लें। बैठक में मुख्यमंत्री ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द इस योजना का एक बेहतर पोर्टल तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के सफल संचालन के लिए जरूरी है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एक बेहतर तालमेल और समन्वय के साथ योजना के संचालन को मूर्त रूप दें।

सर्वजन पेंशन योजना से आच्छादित सभी पेंशनधारियों को ससमय भुगतान सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री ने सर्वजन पेंशन योजना के तहत सभी प्रकार की पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वजन पेंशन योजना से आच्छादित पेंशनधारियों को पेंशन राशि का भुगतान निर्धारित समय पर करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले एक सप्ताह के भीतर लम्बित बकाया पेंशन राशि का भुगतान लाभुकों के खाते में हस्तांतरित करना सुनिश्चित करें।

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल०खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, विशेष कार्य पदाधिकारी जैपआईटी राजकुमार गुप्ता सहित संबंधित विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नशा मुक्ति को लेकर जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित, हेल्पलाइन नंबर जारी

नशा के खिलाफ जनजागरण की आवश्यकता :एसएसपी

बिभा संवाददाता

रांची। मादक पदार्थों पर रोक को लेकर गुरुवार को मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान एसपी एनसीबी सारिक उमर की ओर से विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों और उनके प्रभाव के बारे में पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गयी। उपस्थित लोगों विशेषकर छात्रों को मादक पदार्थों की पहचान, सेवन से होने वाले प्रभाव और बचाव के बारे में विस्तार से बताया गया। नशे के सेवन से किस तरह युवा पीढ़ी और समाज प्रभावित हो रहे हैं इससे संबंधित एनसीबी का वीडियो भी सभी को दिखाया गया।

कार्यशाला में संबोधित करते हुए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि नशा के खिलाफ जनजागरण की आवश्यकता है। माता-पिता सहित अन्य अभिभावक बच्चों के क्रियाकलापों पर नजर रखें, उनसे बातचीत करें, साथ में लंच या डिनर करें। बच्चों की आंखों, चलने और बोलने के तरीके से पहचानें, कहीं वो नशा तो नहीं कर रहा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सिगरेट क्या है?, तंबाकू की डंडी, जिसके एक सिरे में धुआं है और दूसरे सिरे पर एक मूर्ख।

उन्होंने बताया कि इसके लिए रांची पुलिस ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। जिस पर व्हाट्सऐप के माध्यम से रांची में चल रहे नशे के कारोबार, मादक पदार्थों की बिक्री एवं इसमें संलिप्त व्यक्ति की जानकारी दी जा सकती है। कार्यशाला के दौरान सभी को ये वीडियो दिखाया गया। कार्यशाला के दौरान उपस्थित लोगों को हेल्पलाइन नंबर 9153886238 नोट कराया गया एवं सभी से दूसरे लोगों से साझा करने की अपील की गयी। कार्यशाला में न्यूरो फिजिशियन, रिनपास सजल अशीष नाग ने मादक पदार्थों के आदि हो चुके व्यक्ति के उपचार के संबंधित आवश्यक जानकारी दी।

छात्रवृत्ति का भुगतान लम्बित ना रहे :बिरूआ

बिभा संवाददाता

रांची : छात्रवृत्ति भुगतान किसी प्रकार से लम्बित ना रहे, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें साथ ही जिला स्तर पर समन्वय स्थापित कर छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ दें। ये बातें मंत्री दीपक बिरूआ ने कही। मंत्री गुरुवार को आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा को निर्देश दे रहे थे।

मंत्री के आदेश के बाद जिला स्तर पर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आदिवासी कल्याण आयुक्त ने उपायुक्तों को कहा है कि वे प्रत्येक जिला के सभी संकुल स्तर पर कैम्प लगाकर मिशन मोड़ में सभी छात्र छात्राओं का आधार कार्ड बनाने, आधार कार्ड को बैंक खाता से जोड़ने, केवाईसी कराने, ऑनलाइन जाति और आय प्रमाण पत्र बनाने का कार्य करायें। उपयुक्तों को बताएं गए उपरोक्त कार्य की जानकारी दीपक बिरुआ को आदिवासी कल्याण आयुक्त ने दी है।

मंत्री के आदेश पर प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के वितरण को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत वितरित करने के लिए सभी उपायुक्तों को आदिवासी कल्याण आयुक्त ने पत्र लिखा है। साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2023-24 एवं पूर्व के सभी लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान 15 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश मंत्री ने दिया है। वहीं, 31 अक्टूबर 2024 तक शैक्षणिक सत्र 2024-25 का भुगतान भी पूरा करने के प्रति गंभीरता से कार्य करने की बात दीपक बिरुआ ने कही है। इसके अतिरिक्त मंत्री ने उपायुक्तों से यह भी अपील की है कि सभी विद्यालयों के बाल संसद में एक छात्रवृत्ति मन्त्री बनाया जाए, जिससे छात्र छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति की जानकारी के साथ, अपने छात्रवृति विषयक अधिकारों के प्रति भी जागरूक हो सकें।

नीट पेपर लीक मामले की जांच करें सीबीआईः सुप्रियो भट्टाचार्य

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी की ओर से मांग करते हुए कहा कि नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई करे। साथ ही उन्होंने इस मामले में एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के चेयरमैन और मानव संसाधन मंत्री की गिरफ्तारी की मांग की। २उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में होने वाले इस तरह के सारे फजीवाड़े भाजपा के शासन काल में हुए हैं। सुप्रियो ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के नालंदा आये थे। वहां उन्होंने कहा कि भारत को आगे ले जाना है। विश्व गुरु बनाना है। उन्होंने कहा कि लगता है मोदी अभी भी चुनावी मोड में हैं।

उन्होंने कहा कि तय तारीख को परीक्षा होती है और दूसरे दिन मोदी शिक्षा पर बड़ी-बड़ी बातें कहते हैं। लेकिन रात को परीक्षा रद्द हो जाती है। उन्होंने कहा नीट परीक्षा मामला सीधे तौर पर देश में शिक्षा से जुड़ा मामला है।

रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में झारखंड हाई कोर्ट से शेषनाथ सिंह खरवार की जमानत मंजूर

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में मुख्य साजिशकर्ता गोपाल कृष्ण पातर उर्फ.राजा पीटर के अंगरक्षक शेषनाथ सिंह खरवार को जमानत दे दी है। कोर्ट ने शेषनाथ सिंह खरवार को राहत देते हुए उन्हें जमानत प्रदान कर दी। शेषनाथ सिंह खरवार को सात अक्टूबर, 2017 को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। नौ जुलाई, 2008 को बुंडू के एसएस हाई स्कूल में एक समारोह के दौरान रमेश सिंह मुंडा सहित चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रांची पुलिस के अलावा सीआईडी भी इस हत्याकांड का खुलासा नहीं कर सकी थी। घटना के नौ साल बाद एनआईए ने 28 जून, 2017 को इस मामले की जांच शुरू की। इस मामले में पूर्व मंत्री गोपाल सिंह पातर उर्फ राजा पीटर एवं उसके अंगरक्षक शेषनाथ सिंह खरवार, नक्सली कुंदन पाहन समेत करीब 15 आरोपित जेल में है।

सरकार के पास पैसों की कमी सिर्फ गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के लिए रहती है : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं ,महिलाओं ,किसानों ,गरीबों की योजनाएं चलाने के लिए पैसे का रोना रोती है।

उन्होंने कहा कि जहां गठबंधन सरकार के पास महिलाओं को चूल्हा खर्च देने के नाम पर 2000 रुपए तक नहीं हैं, जहां बेरोजगारी भत्ता देने में सरकार की रूह कांप उठती है, जहां किसानों की 2 लाख तक कर्ज माफी करने में सरकार के पास पैसे नहीं बचते है, जहां गरीबों की थाली में 2 वक्त की रोटी मुहैया कराने में पैसे की कमी हो जाती है, उसी गठबंधन सरकार के लिए खुद के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। कहा कि जहां मुख्यमंत्री जी को महीने के 80,000 रुपए, मंत्री और राज्यमंत्री को 65,000 रुपए तथा विधायकों को 40,000 रुपए कम पड़ जाते हों वहीं झारखंड की आम जनता के भविष्य और जीवन यापन के लिए सरकार के पास 2 आना भी नहीं है।

कहा कि ये कैसी सरकार है जिसकी, बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में सांसें फूलने लगती हो, छात्रों के लिए नौकरी का विज्ञापन निकलाने में हाथ थरथराने लगते हों, मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने में जिनकी इंसानियत मर जाती हो, महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में जिनके पैरों के नीचेकी जमीन खिसक जाती हो, गरीबों के बेहतर जीवन यापन की गारंटी देने में जिनकी कलम चलनी बंद हो जाती है,किसानों के साथ न्याय करने में जिनके पसीने छूटने लगते हों, ।झारखंड की जनता जानना चाहती है कि जब बात खुद के इंतजाम की आती है तो इतने पैसे सरकार के किस बटुए में आ जाते हैं, सरकार के आंगन में लगा वो कौन सा पैसों का पेड़ है जो सत्ताधारियों/जन प्रतिनिधियों के लिए ही धन की वर्षा करता है कि सभी के वेतन में 20,000 रुपए का इजाफा कर दिया जाता है।

मानसून के मद्देनजर नाले नालियों की सफाई कराना प्राथमिकता होगीः नगर विकास सचिव

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य के सभी शहरी निकायों में मानसून के मद्देनजर नाले नालियों की सफाई कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाना प्राथमिकता होगी। साथ ही सभी निकायों में जलजमाव की समस्या के रोकथाम के उपाय किये जायेंगे । इसके लिए निकायों के अधिकारियों को प्रभार ग्रहण करने के साथ ही निर्देष भी जारी कर दिया गया है। गुरूवार को नगर विकास सचिव अरवा राजकमल ने चंद्रशेखर से प्रभार ग्रहण करने के पष्चात यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि पेयजलापूर्ति एवं सिवरेज संबंधी चालू योजनाओं को गति प्रदान कर उसका लाभ आमजनता को दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। इसकी जल्द ही समीक्षा की जायेगी। राजकमल ने कहा कि नगर विकास से संबंधित दीर्धावधि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सुधारात्मक निर्णय लेकर साकारात्मक पहल की जायेगी।

सचिव ने कहा कि विभाग को नये कनीय अभियंताओं के पदास्थापन से विकास कार्यों के लिए बल मिला है। उन्हें प्रशिक्षित कर नगर स्तर पर होने वाले कार्यों की जवाबदेही सौंपी जायेगी। इससे स्थानीय स्तर के कामों में तेजी आयेगी। नगर विकास विभाग के कार्यों में अन्य विभागों के साथ संबंध रहता है। इसके लिए दूसरे विभागों के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं में तेजी लायी जायेगी। रांची पेयजलापूर्ति योजना फेज -एक के तहत राइजिंग पाइप बिछाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की तलाश का काम चल रहा है।

निकायों के अधीन जो भी पोखर तालाब हैं उनकी सफाई और सुरक्षा का निर्देश जारी कर दिया गया है। साथ ही अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का भी निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि निकायों में स्ट्रीट लाइट के काम की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाये जायेंगे।

हॉकी इंडिया सब जूनियर ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप के लिए हुआ ट्रायल

बिभा संवाददाता

रांची। असम के गुवाहाटी में 24 जुलाई से 31 जुलाई तक हॉकी इंडिया सब जूनियर ईस्ट जॉन महिला और पुरुष हॉकी चैंपियनशिप आयोजित किया गया है।

इसके लिए हॉकी झारखंड टीम गठन के लिए गुरुवार को पुरुष खिलाड़ियों का चयन ट्रायल किया गया। ट्रायल का आयोजन मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित हुई । पुरुष वर्ग का चयन ट्रायल में सिमडेगा, खूंटी, गुमला, लातेहार ,रांची , हजारीबाग सहित झारखंड के अन्य जिला से कुल 135 हॉकी खिलाड़ी ट्रायल में शामिल हुए। इन खिलाड़ियों में से 25 खिलाड़ी को चयन किया गया है ,जिनका विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर उनमें से बेहतर 18 खिलाड़ियों को चयनित कर उक्त प्रतियोगिता में भेजा जायेगा।

वहीं दूसरी और महिला खिलाड़ियों का ट्रायल 21 जून को होगा। हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस चयन ट्रायल में हॉकी झारखंड के कई लोग उपस्थित थे। यह जानकारी हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने दी।

संक्षिप्त खबरें

सेल ने नेशन बिल्डर्स 2024 के बीच भारत के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं में जगह बनाई

बोकारो(बिभा) : देश की महारत्न सार्वजनिक इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने नेशन बिल्डर्स झ 2024 के बीच भारत के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं में अपनी जगह बनाई है। सेल को यह मान्यता ह्यग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट झ इंडियाह्व द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सेल की राष्ट्र-निर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की विरासत और मजबूत भरोसे की कार्यसंस्कृति बनाने के प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है। इससे पहले, सेल ने दिसंबर 2023 में ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट, इंडिया द्वारा दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाणन हासिल किया था। आजादी के बाद, एक देश के तौर पर उभरने के शुरूआती सालों में सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सेल के इस्पात संयंत्र राष्ट्र निमार्ता रहे। देश को आत्मनिर्भर बनाने और तीव्रगति से औद्योगिकीकरण के लिए बुनियादी ढाँचा बनाने के लिए 50 और 60 के दशक में भारी पूंजीगत व्यय के साथ इस्पात संयंत्र स्थापित किए गए थे। इसके बाद, सेल और भारत में इस्पात क्षेत्र, लगातार आगे बढ़ते हुए दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बन गया है। भारत की राष्ट्र निर्माण विकास गाथा में, सेल का स्थान गौरवपूर्ण है। ग्रेट प्लेस टू वर्क - इंडिया ने कठोर मानदंडों को पूरा करने वाले संगठनों को सम्मानित करने के लिए इस महत्वपूर्ण पुरस्कार की स्थापना की है, जिनका मूल्यांकन स्वतंत्र तरीके से किया जाता है। सेल की ओर से यह पुरस्कार सेल के निदेशक (कार्मिक) श्री के के सिंह ने 19 जून, 2024 को मुंबई में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में ग्रहण किया। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए सेल के अध्यक्ष श्री अमरेंदु प्रकाश ने कहा, ₹ग्रेट प्लेस टू वर्क -इंडिया द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान हमारे लिए बेहद खुशी और गौरव की बात है। यह पुरस्कार सेल के कार्मिकों की वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। यह सम्मान हमें और भी बेहतर करने का आत्मविश्वास देता है।₹

चास प्रखंड का प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

बोकारो (बिभा): चास प्रखंड का दोदिवसीय प्रखंड स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन बीपीओ रंजन कुमार ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता का उदघाटन मैच अंडर 17 आयु वर्ग में राजकीय हाई स्कूल लकड़ाखंदा बनाम हाई स्कूल चिकसिया टीम के बीच खेला गया। जिसमें हाई स्कूल लकड़ाखंदा की टीम ने हाई स्कूल चिकसिया टीम को शून्य के मुकाबले चार गोल से पराजित किया । अंडर 17 बालक आयु वर्ग में कुल 6 स्कूल की टीमों ने हिस्सा लिया 'अंडर 17 आयु वर्ग के दूसरे मैच में सर्वोदय हाई स्कूल पिंड्राजोरा ने हाई स्कूल सोनाबाद को शून्य के मुकाबले 2 गोल से हराया। तीसरे मैच में बीएसएल प्लस टू हाई स्कूल 2 डी की टीम ने सर्वोदय हाई स्कूल पिंड्राजोरा की टीम को कुल 4 गोल से पराजित कर प्रतियोगिता के फाईनल में प्रवेश किया। एक अन्य मैच में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पूरी टीम के नहीं पहुंचने पर विपक्षी टीम राजकीय हाई स्कूल लकड़ाखंदा की टीम फाईनल में स्थान बनाया। इस प्रतियोगिता के फाईनल मैच में बीएसएल प्लस टू हाई स्कूल 2 डी की टीम ने राजकीय हाई स्कूल लकड़ाखंदा की टीम को शुन्य के मुकाबले 5 गोल से पराजित कर अंडर 17 आयु वर्ग का विजेता बना। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रतिमा दास ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मौके पर बोकारो जिला फुटबॉल संघ के सचिव महेन्द्र प्रसाद, सुभाष रजक, रिवभूषण, अरूण श्रीवास्तव, आशुताश राय आदि शामिल रहे। मैच का संचालन रेफरी मनोज कुमार महतो, रमेश महतो, डॉली कुमारी ने किया।

राकोमयू द्वारा अनुपमा सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर हर्ष

बोकारो(बिभा) : धनबाद लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस की महिला नेत्री अनुपमा सिंह को इंटक से संबद्ध राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। अनुपमा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर राकोमयू कार्यकताओं में हर्ष देखा जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए राकोमयू सीसीएल सचिव अजय कुमार सिंह ने 19 जून को बताया कि कोल इंडिया में इंटक से संबद्ध राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन सीसीए, बीसीसीएल, सीएमपीडीआई, ईसीएल झारखंड शाखा तथा घाटो डिवीजन में संचालित है। यूनियन की केंद्रीय समिति तथा रीजनल समिति संचालित है। अनुपमा सिंह लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी के रूप में धनबाद लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ी थी। यूनियन के केंद्रीय महामंत्री ने चुनाव के समय फेडरेशन तथा केंद्रीय समिति की बैठक में लिए गए फैसले के आलोक में अनुपमा को राकोमयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने का मनोयन पत्र जारी किया है। कहा कि अनुपमा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर सीसीएल रीजन में हर्ष का माहौल है। अनुपमा के राकोमयू कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर कथारा क्षेत्र के मजदूरों ने हर्ष प्रकट करते हुए बधाई प्रेषित की है। जिसमें मुख्य रूप से अजय कुमार सिंह, वेदव्यास चौबे, दयाल यादव, राजेश शर्मा, आशीष चक्रवर्ती, धनेश्वर यादव, उत्तम कुमार, अर्जुन रविदास, राजेंद्र दास, रंजय कुमार सिंह, मोहम्मद आशिक, इस्लाम अंसारी, नसीम अख्तर, मंसूर खान, सी एस प्रसाद, एच अधिकारी, आदि। मोहम्मद सनाउल्लाह, जितेंद्र पासवान, रंजीत सिंह, शहादत हुसैन, संतोष सिंह, अमनदीप सिंह, सुजीत मिश्रा, देवाशीष आस, तुलसी निषाद, नरेश रविदास, बलराम गोप, सुरेश महतो, सुरेश ठाकुर, संजय गिरी, अजय कुमार, अर्जुन चौहान, भीखम, पिंटू राय, संतोष राम गौड़, पंचराम आदि शामिल हैं।

डीपीएस बोकारो में 11वीं के विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित, किए गए प्रेरित

अपने लक्ष्य के प्रति रखें दीवानगी, कामयाबी जरूर कदम चूमेगी : डीआईजी

बिभा संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में 11वीं कक्षा (सत्र 2024-25) के नामांकित विद्यार्थियों की कक्षाएं गुरुवार को प्रारंभ हुईं। पहले दिन प्रेरणा से ओत-प्रोत उन्मुखीकरण कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) का आयोजन किया गया। विद्यालय के कालिदास कला भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में दो अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को पढ़ाई व जीवन में आगे बढ़ने के लिए जरूरी बातें बताई गईं। कार्यक्रम के अतिथि वक्ता कोयला क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुरेन्द्र कुमार झा थे। अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जब हमारे भीतर अपने लक्ष्य के प्रति एक जुनून और दीवानापन होगा, तो निश्चय ही कामयाबी हमारे कदम चूमेगी। योजनाबद्ध तरीके से अपने ध्येय को पाने का अनवरत प्रयास करते रहें। अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी पास कर आईपीएस अफसर बनने वाले श्री झा ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए। कहा कि जब वह छठी कक्षा में थे, उसी समय गंगाजल फिल्म देखकर वह काफी प्रभावित हुए थे। इस फिल्म ने उनका पूरा जीवन बदल दिया। उनके माता-पिता चाहते थे कि वह एक इंजीनियर बनें, लेकिन फिल्म देखने के बाद उनमें एक बड़ा पुलिस अधिकारी बनने, वर्दी पहनने और यूपीएससी के भवन तक पहुंचने की जो दीवानगी जगी, उसी ने आज उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह एकलव्य के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से डीपीएस बोकारो से प्रेरित रहे हैं। यहां की शैक्षणिक गरिमा जगजाहिर है और इस स्कूल से निकले विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि एक अच्छा इंसान ही अच्छा विद्यार्थी और अच्छा नागरिक बन सकता है। व्यक्तित्व विकास पर बल देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को आलोचनाओं को सकारात्मक रूप में लेने, नैतिक व भावनात्मक मूल्य बनाए रखने तथा अपने

कामयाबी के लिए खुद पर रखें भरोसा : प्राचार्य डॉ. गंगवार

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने अतिथि वक्ता डीआईजी श्री झा का स्वागत किया तथा विद्यालय की ओर से स्मृति-चिह्न भेंट किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. गंगवार ने कहा कि कक्षा 11 उच्च शिक्षा और भविष्य के करियर की दिशा में पहला कदम है। यह अपनी बुद्धिमत्ता, कौशल और क्षमता को विस्तारित करने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहने तथा अपना रास्ता स्वयं तय करने की प्रेरणा दी। यह भी कहा कि यह समय उनके लिए काफी महत्वपूर्ण है, जिसे सोशल मीडिया के चक्कर में पड़कर वे नष्ट न करें। इस दौरान प्राचार्य ने विद्यालय की विश्वस्तरीय शैक्षणिक सुविधाओं तथा उत्कृष्टता की कड़ी में 10वीं-12वीं बोर्ड, नीट, जेईई एडवांस्ड, एनआईडी, एनडीए सहित विभिन्न परीक्षाओं की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

टॉपरों ने भी किया प्रेरित

इसके पूर्व, प्रथम सत्र में ओरिएंटेशन प्रोग्राम को इस वर्ष की सीबीएसई 12वीं बोर्ड जिला साइंस टॉपर विद्यालय की छात्रा साक्षी प्रिया, कॉमर्स संकाय की स्कूल टॉपर श्रीकृति केडिया, जेईई एडवांस्ड में कैटेगरी रैंक 516 पानेवाले छात्र स्पर्श राज एवं रिम्स में अध्ययनरत मेडिकल की छात्रा अस्मिता ने भी संबोधित किया। उन्होंने 11वीं के विद्यार्थियों को सफलता के गुर सिखाए। इस अवसर पर संबंधित शिक्षकों ने विद्यार्थियों को विद्यालय के नियम-कायदों, अनुशासन, शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी

शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज में सभी तबके के लोगों का सदैव सम्मान करने की भी प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे अपना दीपक स्वयं बनें। कुछ ऐसा करें कि समाज के लिए वे प्रेरणा बन सकें, क्योंकि वो ही समाज व राष्ट्र के भविष्य-निमार्ता हैं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के बीच जाकर उनके कई प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाएं शांत कीं और उनका मार्गदर्शन किया। इसके पूर्व, श्री झा का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया।

रेलवे किनारे झाड़ियों से बरामद हुआ युवक का शव, हत्या की आशंका

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला के फुसरो मे सुबह रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों से पुलिस द्वारा एक युवक का शव बरामद किया गया। मौके पर मृतक के परिजन पहुंच शव की पेहचान उम्र 36 वर्षीय मोहन रजक के रूप में किया। शव मिलते ही आसपास के रहिवासियों की काफी भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार मृतक के परिजनों द्वारा बेरमो थाना को सूचित किया गया। सूचना पाकर बेरमो थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार दलबल के साथ पहुंचे। मृतक के पिता अमृत रजक ने पुलिस को बताया कि मृतक के दो पुत्र है। जिसकी उम्र 7 वर्ष तथा 5 वर्ष है। उन्होंने बताया कि बीते 17 जून को रात्रि लगभग 10:30 बजे मेरे पुत्र को फोन कर बुलाया गया। उसके बाद से वह वापस नहीं आया। इसे लेकर थाना में आवेदन भी दिया गया। उसने बताया कि वह गिरिडीह जिला के हद में इसरी चौधरी बांध का रहने वाला है। दिवंगत पुत्र मोहन रजक करगली बाजार बंगाली पाड़ा में परिवार के साथ रहता था।
मृतक की पत्नी सुनीता देवी ने कहा कि उसके पति वाहन चालक था। उसने आशंका जतायी कि उसके पति की हत्या कर झाड़ियों में फेंक दिया गया। साथ हीं उसका मोबाइल भी अभी तक नहीं मिला है। बीच में एक बार ऑन भी हुआ, फिर स्विच ऑफ बता रहा है। खबर मिलते ही घटना स्थल पर आसपास के रहिवासियों की भीड़ लग गई। मौके पर बेरमो पुलिस पहुंचकर शव को थाने लाई और पोस्टमार्टम के लिए बोकारो भेज दिया। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर कर अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की है। घटना के बाद से मृतक के परिजनो का रो -रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी दो पुत्र छोड़ गया। मृतक के बच्चों ने भी कहा कि मेरे पिता को किसी ने रात्रि में फोन करके बुलाया और मेरे पिता की हत्या कर दी। बच्चों द्वारा चार संदिग्ध का नाम बताया गया है। इस संबंध में बेरमो थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने कहा यह हत्या का मामला है। इसकी जांच की जा रही है। जिसने भी इस तरह का हरकत किया होगा वैसे अपराधियों को किसी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा। कहा कि अपराधियों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई करते हुए जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

कार ऑटो के आमने-सामने की टक्कर में एक महिला की मौत दो की हालत गंभीर

बिभा संवाददाता

बोकारो : चंद्रपुर से बोकारो आने के क्रम में टेंपो और स्विफ्ट डिजायर कार संख्या जेएच 10 बीएल 1585 की आमने-सामने की टक्कर हो गई जिसमें स्वर तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई या घटना चंद्रपुरा बोकारो मुख मार्ग पर घाटी स्विफ्ट डिजायर बड़वा घाट के तरफ से पूरे पिकअप से आ रही थी उसी दरमियान एक ऑटो जिसमें एक ही परिवार के कुल तीन महिलाएं सवार थी उसे रास्ते के जाने के क्रम में कार और ने ऑटो की इतनी जोरदार टक्कर हुई की ऑटो पलटी हो गया और उसमें सवार तीनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई घटना वास्ते जी पुल पाचोरा बस्ती के समीप हुई है स्थानीय लोगों को इसकी सूचना मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और देखा कि तीन ऑन

घायल रोड पर बुरी तरह से चटपटा रहे हैं स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दिया देखा कि लेट हो रहा है इसी क्रम में एक भाड़े की गाड़ी को रोक कर बेहतर इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल लाया गया जिसमें से एक उम्र दराज महिला जो एक की मां और दूसरे की सस्ती उसका निधन हो चुका था ननद और भाभी का इलाज चल रहा है स्थानीय लोगों ने कर चला रहे तीनों लोगों को पकड़ा जो की पुरे नशे की हालत में थे जिसमें से दो जान भागने में सफल हुआ और एक जान को ग्रामीण स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया इसकी सूचना तुरंत सेक्टर 9 हरला थाना को दी सूचना पाते ही थाना तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे जप्त किए हुए युवक को गिरफ्तार कर खाना ले गई वहीं इसकी सूचना परिजनों को दे दी गई है परिजनों ने बताया कि महिला अपने ननदोई के यहां महुदा कल्याणपुर शादी में गई हुई थी और शादी के बाद वह अपने घर वापस लौट रही थी इस समय यह घटना घटी करने वाली मृतिका पचौरी के गोस्वामी टोला की है जिनके पति का नाम संजय गोस्वामी है।

चास की समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

बोकारो : बोकारो जिला कमिटी की ओर से गुरुवार को चास की जनसमस्याओं को लेकर नगर-निगम आयुक्त को 19 सूत्री ज्ञापन सौंपा गया। जिला संयोजक विधान चंद्र राय के नेतृत्व में आप प्रतिनिधिमंडल से नगर निगम आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया व अन्य उपस्थित अधिकारियों से सकारात्मक बातचीत में समस्याएँ हल करने का भरोसा मिला। ज्ञापन सौंपने वाले नेताओं में आप झारखंड के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश, जिला संगठन प्रभारी मो मेहबूब आलम और जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ संयोजक मनौवर अंसारी शामिल थे। साथ ही अन्य पार्टी पदाधिकारियों में बोकारो जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, मीडिया प्रभारी अशोक कुमार, किसान प्रकोष्ठ संयोजक आनंद कुमार मंडल, मजदूर प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष गयासुद्दीन, युवा प्रकोष्ठ संयोजक प्रदीप कुमार झा, मनौवर अली, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, विवेक कुमार आदि उपस्थित रहे।

एक पक्षिय कार्यवाई न करे पुलिस प्रशासनः बिरंची नारायण

बिभा संवाददाता

बोकारो : विगत दिनों विकास नगर में हुई घटना के पीड़ितों से बोकारो विधायक बिरंची नारायण मिले। पीड़ितों ने पूरी घटना विधायक के समक्ष रखी। पीड़ित परिवार ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने हमारे दो लोगो को उठाकर ले गया जबकि मुस्लिम समुदाय के लोगो को आजाद छोड़ दिया। वे सब आकर कभि रात मे धमकी दे रहे हैं ।
बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि यह घटना सरकार के संरक्षण का प्रतीक होता है जब पुलिस प्रशासन दोषियों को जेल भेज रही तो मुस्लिम समुदाय के लोगो को क्यो जेल नहीं भेज रही। इस तरह से विशेष समुदाय का मनोबल बढ़ाने का काम कर रही है पुलिस प्रशासन। दोषी दोनों पक्ष है तो दोनो तरफ से गिरफ्तारी हुई चाहिए । प्रशासन एक तरफा करवाई न करें। अगर पुलिस मुस्लिम समुदाय के दोषी लोगो को

भी जेल नही भेजती है तो विकास नगर की जनता के मन में क्षोभ और आक्रोश पनपेगा और ऐसी स्थिति में मैं भी सड़क पर उतरकर सरकार और प्रसाशन के विरुद्ध सड़क पर उतरने को बाध्य होऊंगा । पक्षपात का आरोप लगाते हुए बोकारो विधायक ने कहा कि इस तरह एक पक्षिय कार्रवाई से जनता का पुलिस प्रशासन पर भरोसा उठ जायेगा।
साथ मे विश्व हिंदू परिषद के बोकारो महानगर अध्यक्ष संतोष कुमार,जिला महामंत्री संजय त्यागी ,महेंद्र राय,बोकारो नगर अध्यक्ष अनिल सिंह,अमित सिंह, मंजीत सिंह,गोलू उपाध्याय, अजय रजक आदि मौजूद रहे।

आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के सभी सीएचओ को योग प्रशिक्षण दिया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व संध्या में बोकारो जिला के आयुमान आरोग्य मन्दिर के नोडल पदाधिकारी डा सेलिना टूडू के अध्यक्षता में सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के सभी सीएचओ को योगासन के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया जिसमें सभी सीएचओ को मानसिक स्वास्थ्य एंव तनाव मुक्ति से सम्बन्धित योग के बारे में बताया गया।
योग प्रशिक्षक स्वपन कुमार, पूनम कुमारी एवं धरनीधर साहिस के द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि योग का मतलब जोडना है। योग मनुष्य को दीघार्यु बनाता है। सभी प्रशिक्षको द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के आसन के बारे में बताया गया जैसे वज्रासन, सिद्धासन, वक्रासन, गौमुखासन, हलासन, नौकासन, मकरासन एवं सवासन आदि के बारे में बताया गया। योगासन प्रशिक्षण के पश्चात जिलापरामर्शी मो असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो के द्वारा सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू निषेध पर सामूहिक शपथ दिलाया गया ।

हिंसा का समाज में कोई स्थान नहीं : कुमार अमित

बिभा संवाददाता

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने सेक्टर वन स्थित विकास नगर में वहाँ के लोगों के साथ बैठक कर दोनो पक्षों से शांति की अपील की। दो दिन पूर्व भर्रा बस्ती और विकास नगर के निवासियों के बीच हुए हिंसक झड़प को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए बैठक में कुमार अमित ने कहा कि किसी को भी किसी से डरने की जरूरत नहीं है। हर हाल में समाज में कानून का ही शासन होना चाहिए। दोनो पक्षों के आपस में शान्ति पूर्वक बैठने से

हीं उनके समस्याओं का समाधान सम्भव है। हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता और न समाज में उसका कोई स्थान होना चाहिए। कुमार अमित ने बैठक स्थल से पुलिस पदाधिकारियों को फोन कर तटस्तता पूर्वक इस मामले का निपटारा करने को भी कहा। अमित ने कहा पुलिस प्रशासन को भी तटस्थता पूर्वक दोनो पक्षों के बातों को सहृदयता से सुनकर उनके मध्य शांति बहाल करने का प्रयास करना चाहिए। एकतरफा कार्रवाई से समाज में पुलिस प्रशासन के प्रति असंतोष का भाव उत्पन्न होगा। कुमार अमित ने दोनो पक्षो से समाज में शांति बहाल करने हेतु पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की भी अपील की है। इस बैठक में सुमित कुमार, लालबाबू, भोलन शाह, कमलेश राम, कंचन गुप्ता, जीतेन्द्र राम, अमरेश सिंह, राम स्वरूप, छोटू राय, सच्चिदानंद सिंह, संजय यादव, दीपक, सत्येन्द्र गुप्ता, लक्ष्मण पाल, सीताराम यादव, विषराजन प्रसाद, शिवलाल प्रसाद आदि सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

ग्रामीण इलाके में रोजगार मुहैया करने को लेकर ह्यूमैनिटी प्रोग्रेसिव हैंडस फाउंडेशन ने किया इंडक्शन प्रोग्राम

बिभा संवाददाता

बोकारो : ह्यूमैनिटी प्रोग्रेसिव हैंडस फाउंडेशन, बोकारो, झारखंड के द्वारा ट्रेनर ट्रेनिंग प्रोग्राम तथा इंडक्शन प्रोग्राम सेक्टर चार स्थित बुध विहार में रखा गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को रोजगार के प्रति जागरूक करना है साथ ही लोगों को उनके गांव गांव तक रोजगार मुहैया करवाना है । कार्य के रूप में पापड़ बनाना, सेनेटरी पैड का पैकिंग करना, होम केयर प्रोडक्ट बनाना, मुर्गी पालन, बकरी पालन, एवं सूअर पालन जैसे अन्य रोजगार मुहैया करवा रही है। इस कार्यक्रम मे आई महिलाओं के 10 ग्रुपों को रोजगार का शपथ पत्र दिलाया गया जिसके द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के राह में अग्रसर रहेंगी। कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में सुनीता देवी ने कहा कि आज हमारा देश विकासशील और अग्रसर होते जा रहा है इसको लेकर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी महिलाओं को आप निर्भर बनाने के लिए रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है ह्यूमैनिटी प्रोग्रेसिव हैंड्स फाउंडेशन ने जो रोजगार के साधन ग्रामीण सुदूरवर्ती इलाके में रह रही महिलाओं के लिए लेकर आया है वह बहुत ही सराहनीय है इससे महिलाएं लोग आत्मनिर्भरता होगी और महिलाएं सशक्त होंगी तो हमारा देश मजबूत होगा।
कंपनी के डायरेक्टर सत्यनारायण मिश्रा ने कहा कि हमारी संस्था ऐसे महिलाओं के लिए है जो ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर रोजगार के लिए दूर दराज इलाके मे जाना पड़ता था इसी को लेकर हमारी संस्था ने हर तरह से छोटे बड़े काम उन महिलाओं के लिए उपलब्ध करवा रही है जिससे उन्हें अपने घर से दूर न जाकर घर पर ही रोजगार की सुविधा मिल सके गांव और शहर से जुड़ सके ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी, ? श्री चितरंजन जी एवं श्री राजीव जी उपस्थित रहे साथ ही संस्था के निर्देशक सत्या सर, निशा वर्मा, रवि मिश्रा, विश्वनाथ नायक, शीला देवी, ललिता देवी, रितेश कुमार, उषा वर्मा, विनीता पांडे, विश्वनाथ पांडे, अश्विनी कुमार एवं अन्य सदस्य गण मौजूद रहे। संस्था ने यह संकल्प लिया की लोगों को स्वास्थ्य एवं रोजगार के प्रति जागरूक करने का काम करते रहेगी।

अवैध क्वाटर को कब्जा से मुक्त कराया

बोकारो(बिभा) : बीएसएल के क्वार्टर पर अवैध कब्जा की सूचना मिलने पर बीएसएल के सिक्योरिटी विभाग के इंचार्ज एसएस शेखावत ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आवास को कब्जा मुक्त कराया। साथ ही अवैध रूप से क्वार्टर में कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के दिए निर्देश का भी निर्देश दिया। ममला गुरूवार सवेरे का है। क्वाटर संख्या 2148, सेक्टर 4एफ, सी टाईप में अवैध कब्जाधारी द्वारा क्वाटर कब्जा कर उसे रंग रोगन कराने हेतु मजदूर लगाने पर मुहल्ले के लोगों ने इसकी शिकायत बीएसएल सिक्योरिटी के इंचार्ज एसएस शेखावत को की। शिकायतकर्ता ने कब्जाधारी की तस्वीर, क्वाटर की तस्वीर और कब्जाधारी की वाहन जिससे वो आया था वो भी भेजा शेखावत को प्रेषित की। शेखावत ने त्वरित कार्यवाई करते हुए अविलंब सिक्योरिटी की टीम को वहां भेजा और क्वाटर को कब्जा मुक्त करा दिया। सिक्योरिटी की टीम के साथ टीए विभाग के एजीम जितेन्द्र कुमार व होमगार्ड की पूरी टीम ने मिलकर इस अभियान को पूर्ण किया। इस अभियान से कब्जाधारियों मे हड़कंप है।

संक्षिप्त खबरें

बकरी और मुर्गी चूजा का 90% अनुदान पर पशुपालकों को किया गया उपलब्ध

खूँटी (बिभा)। जिले के कर्रा मॉडल पशु चिकित्सालय के प्रांगण में गुरुवार को 24 यूनिट (4 बकरी+1 बकरा) बकरा विकास एवं 13 यूनिट ब्रायलर 500 चूजा का 90 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध किया गया। मौके पर कर्रा प्रखंड 20सूत्री अध्यक्ष ने कहा कि सरकार आप लोगों 90 प्रतिशत अनुदान राशि पर दे रही है। ताकि आप लोग इसका व्यवसाय करके आमदनी करें व स्वावलम्बी बन सके। जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ टेरेसा तिर्की ने कहा कि चूजा व बकरियों के बीमार हो जाने पर तत्काल पशुपालन डाक्टर से सम्पर्क कर उपचार करें। मौके पर कर्रा प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डाक्टर सौरभ आनन्द, पशुधन सहायक संजय कुमार और सभी कर्मचारी तथा एएल कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रनिया में सड़क दुर्घटना में दो युवती समेत तीन घायल

तोरपा (बिभा)। रनिया थाना क्षेत्र के रनिया उलूंग पथ पर स्कूटी से गिरकर दो युवती गंभीर रूप से घायल हो गयी। घायलों में हरासुकु (रनिया) की 22वर्षीय दिव्या कुमारी तथा बसिया की सीमा कुमारी शामिल है। दोनों ममेरी फुफेरी बहन है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को दिव्या कुमारी के घर में छेका कार्यक्रम था। जहाँ सीमा कुमारी व कंचन गोप छेका कार्यक्रम में हिस्सा लेने हारासुकू गाँव मेहमान आये थे। गुरुवार को दिव्या, सीमा व कंचन एक स्कूटी से उलूंग जलप्रपात घूमने चले गये। वापस लौटने के क्रम में सेमर टोली के पास स्कूटी अनियंत्रित होने से तीनों गिर गये। स्कूटी कंचन चला रहा था। सभी घायलों को तत्काल रनिया स्वस्थ्य केंद्र लाया गया। जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दिव्या व सीमा को रेफरल अस्पताल तोरपा भेज दिया गया। लेकिन दोनों युवतियों को चेहरे व सिर पर गम्भीर चोट लगने के कारण समुचित उपचार के लिए उन्हें रिम्स भेज दिया गया।

तोरपा में झामुमो व कांग्रेस किया कालीचरण मुण्डा का स्वागत

तोरपा(बिभा)। झामुमो और कांग्रेस के कार्यकताओं के द्वारा वृहस्पतिवार को खूँटी क्षेत्र के लोकसभा सदस्य के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि संसद सदस्य कालीचरण मुंडा को स्वागत किया गया। कालीचरण मुंडा संसद सदस्य निर्वाचन से जीत के बाद पहली बार तोरपा पहुँचे थे। उन्होंने एनएचपीसी परिसर में भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माला अर्पण कर नमन किया। कालीचरण मुंडा की जीत की खुशी पर तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे कार्यकताओं के मौजूदगी में एनएचपीसी परिसर से कच्छप पेट्रोल पंप तक विजय जुलूस गाजे बाजे के साथ नाचते गाते झूमते सैकड़ो लोगों की मौजूदगी में निकाला गया। मौके पर झामुमो रूबेन तोपनो, कुणाल कमल कच्छप, सुदीप गुडिया, प्रदीप केसरी, अजय गुप्ता, इमरान खान, तैयब अंसारी, रोशनी गुड़िया, पुष्पा गुड़िया, रोहित सुरीन, प्रेम प्रकाश तोपनो, जिब्राइल मियाँ, केसर खान, सिसिर तोपनो, सुशांति कोनगाड़ी, अख्तर अहमद सहित कांग्रेस व जेएमएम के अनेक लोग थे।

लक्ष्मीनारायण उच्च विद्यालय में अब बच्चियाँ भी कर सकेगी पढ़ाई

खूँटी(बिभा)। मुरहू स्थित लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय में लड़कियों का नामांकन नहीं होने से आगे की पढ़ाई करने में छात्राओं को समस्या हो जाती थी। जिसकी शिक्षा का अधिकार के प्रति पहल करने पर मुरहू उपप्रमुख अरुण साबू का मेहनत रंग लाया। अरुण साबू ने बताया कि अब छात्राओं का नामांकन भी होगा। उन्होंने बताया कि छात्राओं की शिक्षा के लिए प्रखण्ड क्षेत्र के कई पंचायत क्षेत्र के लोगों से सुझाव मांगा गया था। इस सम्बन्ध में उप प्रमुख अरुण ने बताया कि जिले के उपायुक्त , उप विकास आयुक्त व जिला शिक्षा पदाधिकारी को ज्ञापन दिया था। साथ ही, शिक्षा सचिव से भी टेलीफोन में बात किया गया था। जिसका नतीजा हुआ कि अब नामांकन हेतु लगभग 55 लड़कियाँ भी आएंगी जिनको यहाँ पढ़ाई कर सकती है। स्कूल के प्रधानाचार्या ने उप प्रमुख से कहा कि बहुत ही अच्छा पहल है। लड़कियों के लिये विद्यालय की कमी है। जिन विद्यालयों में बच्चियाँ पढ़ाई के लिए जाती थी वहाँ सीट कम थी। हमारे यहाँ भरपूर सीट है जरूरत होगी तो हमारे यहाँ महिलाओं का छात्रावास भी है। इस पहल से स्कूल में भयमुक्त वातावरण भी मिलेगा। बहुत जल्द हमारा स्कूल मॉडल स्कूल बनाया जायेगा। वहीं लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय में प्रवेश नामांकन आरम्भ होने से क्षेत्र की छात्राओं में काफी खुशी है। यह जानकारी उपप्रमुख अरुण साबू ने स्वयं दी।

चापाकल मरम्मती के बहाने केवल हो रही लिपापोती

खूँटी (बिभा)। जिले जरियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बकसपुर किनू टोली आवश्यक सुविधा से आज के दिनों भी वंचित हैं। जिसमें कीनूटोली गाँव तक गंतव्य का अभाव है। वहीं गर्मी में चापाकल भी खराब पड़ा है। जिसमें अमरेश बारला के घर बगल में खराब पड़ा नल को मरम्मत तो किया गया। लेकिन एक दिन भी यह चापाकल नहीं चला। और अब ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि जिस दिन चापाकल बना उस दिन कुछ समय के लिए पानी निकली पर मिस्त्री लोगों के जाने के बाद चापाकल से पानी नहीं निकली। अभी 18 दिन तक ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गाँव वालों के कहने पर मिस्त्री कहा कि मुखिया हमलोग को जो बोलेगी वही करेंगे। ऐसा बोलकर जैसे तैसे चापाकल बनाकर चला गया अभी 18दिन से चापाकल बेकार पड़ा है।

उपायुक्त ने कर्रा प्रखंड के मनरेगा पार्क एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण

कर्रा में मनोरंजन पार्क का किया गया उद्घाटन, निवासियों के लिए यह पार्क स्वास्थ्य व मनोरंजन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण

बिभा संवाददाता

खूँटी । उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कर्रा प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा पार्क, कर्रा एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कर्रा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कर्रा में जिला परिषद द्वारा निर्मित मनोरंजन पार्क का उद्घाटन भी किया गया। निवासियों के लिए यह पार्क स्वास्थ्य व मनोरंजन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। पार्क में सभी आधुनिक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। इस दौरान मनरेगा पार्क का निरीक्षण कर विभिन्न उन्नत कृषि गतिविधियों एवं क्रियान्वित योजनाओं के संचालन हेतु दिशा-निर्देश दिए। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कर्रा का निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की प्रधानाचार्य से विद्यालय में छात्राओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। कर्रा प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर मेडिकल की तैयारी कर रही छात्राओं से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही छात्राओं के पठन-पाठन, उनके आवासन, आधारभूत संरचना एवं शिक्षण प्रणाली से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा - निर्देश दिए। उन्होंने ऑन लाइन/ ऑफ लाइन मेडिकल परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग कर रही छात्राओं से मिलकर उनके उत्साह एवं मनोबल को बढ़ाया। उपायुक्त ने उक्त छात्राओं की मांग पर ऑफ लाइन कोचिंग की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। साथ ही छात्राओं की मांग के आलोक में विद्यालय में आवश्यक संख्या में शौचालय एवं खेल मैदान की व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्रवाई करने हेतु संबंधित अधिकारियों का निर्देश दिया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में पौधा रोपण भी किया गया।

आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत कर्रा प्रखंड में किया गया बैठक

आकांक्षी प्रखंड के मानकों में जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी करें कार्य :उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत कर्रा प्रखंड के सभागार में उपायुक्त ने अधिकारियों के संग बैठक किये। उन्होंने आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत संबंधित अधिकारियों को नीति आयोग द्वारा निर्धारित आकांक्षी प्रखंड, कर्रा के विभिन्न मानकों में उत्तरोत्तर सुधार के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले दो महीने के दौरान निर्धारित किये गये मानकों के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने हेतु जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि सहित विभिन्न विकास कार्यों के इंडिकेटर में सुधार के लिए लगातार प्रयास करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अंतर्गत क्रियान्वित जल जीवन मिशन योजना का उचित कार्यान्वयन एवं पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी शामिल थे।

बुंडू प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्राम प्रधानों के साथ की बैठक

विकास कार्य में ग्राम प्रधानों का सकारात्मकता आवश्यकः बीडीओ

बिभा संवाददाता

खूँटी । रांची जिले के बुंडू प्रखंड में वृहस्पतिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी ने राजस्व ग्राम के ग्राम प्रधानों के साथ बैठक ग्राम विकास एवं सरकारी योजनाओं की चर्चा की। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा ग्राम सभा में चयन नीति योजनाओं को कार्यान्वित करने एवं गांव के विकास हेतु सभी गांव में योजना आवंटित करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही, विभिन्न गांव में होने वाले विकास कार्य और सरकार के संचालित योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ सभी को मिले इस पर ग्राम प्रधान सहयोगी बने , जिस पर सहमति बनी। बैठक में सुमानडीह, बुढ़ाडीह, सलगाड़ीह, सिरकाडीह, लेपाडीह, पाँचा , गुटूहातु, बारुहातू सहित अनेक गाँव के ग्राम प्रधान उपस्थित थे। यह जानकारी पंचायत सेवक गोवर्धन सिंह मानकी ने दी।

कुपोषित परिवार का जानकारी देने पर मुरहू अस्पताल में उपचार शुरू

प्रखंड के कुपोषित लोगों की गणना कर सरकार की योजना से जोड़ा जाएगा : उपप्रमुख

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में कुपोषित बच्चे बच्चियों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुरहू के मारुंगटोली गाँव में एक ही परिवार के दो बच्चों के साथ उसकी माँ के कुपोषित स्थिति आने का प्रतीत हुआ। मौके पर मुरहू अस्पताल के प्रभारी डॉ आशुतोष तिग्गा तिग्गा को इसकी जानकारी दी गयी। तभी डॉ आशुतोष तिग्गा ने इसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए शिशु देखभाल केंद्र जच्चा बच्चा दोनों को मंगाया व अब उन्हें जाँच कर समुचित सुपोषित करने का प्रकिया शुरू हो गया है। इस विंदू पर प्रखण्ड क्षेत्र के उपप्रमुख अरुण साबू ने भी इन्हें देख चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जब सरकार कुपोषण को दूर करने के लिए योजना चलाने की बात कहती हैं तथा लाभान्वित करने की बात कहती हैं तो आखिर कुपोषण दूर क्यों नहीं होता है। यह जाँच का विषय है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कार्य करनेवाले कर्मचारी आखिर करते क्या हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रत्येक पंचायत क्षेत्र में कुपोषित लोगों को चिन्हित किया जाएगा। साथ ही, संख्या की गणना कर उन्हें सरकार की लाभकारी योजना से जोड़ा जाएगा। कुपोषित लोगों को उनका समुचित आहार उपलब्ध कराना आवश्यक है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गांव में लगाया गया चौपाल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला प्रशासन, डालसा और चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) के संयुक्त तत्वाधान में सिलादोन पंचायत भवन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने मादक पदार्थों से जुड़ी कानूनी पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम आयु को मादक पदार्थ की बिक्री गैरकानूनी है, मादक पदार्थों की खरीद बिक्री गैरकानूनी है। नशीले पदार्थ जैसे अफीम, गांजा की गैर कानूनी तरीके से खेती दंडनीय अपराध है, इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान है। दोषी पाए जाने पर 20 वर्ष तक की सजा और 2 लाख या उससे अधिक का जुमार्ना हो सकता है। हम सब का कर्तव्य बनता है कि भगवान बिरसा मुंडा की भूमि को नशा मुक्त बनाए। खूँटी प्रमुख छोटराय मुंडा ने ग्रामीण क्षेत्रों में नशापन से हो रहे दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए कहा कि नशापान के कारण लोगों को आर्थिक, समाजिक, शारीरिक, मानसिक रूप से परेशानियां उठानी पड़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले बाजार हाट, मेलों में भी नशापान के कारण व्यवधान उत्पन्न होता है, शांति व्यवस्था भंग होती है। नशे के कारण बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएँ हो रही है। नशा पान को खत्म करने के लिए ग्राम सभा को सशक्त होना होगा और इसके लिए महिलाओं को आगे आना होगा। मादक पदार्थों के खिलाफ सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहिम पर चर्चा करते हुए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने कहा कि अफीम की खेती गैरकानूनी है जो भी अफीम की खेती करेगा उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिस जमीन पर अफीम की खेती पाई जाएगी उसके जमीन मालिक पर भी केस दर्ज किया जाएगा। क्षेत्र में कहीं भी मादक पदार्थ या अफीम की खेती होती हो तो टोल फ्री नंबर 112 में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि खूँटी के कई किसान हैं जो टमाटर, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, लेमनग्रास की खेती कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रही है। ग्रामीणों को उनका लाभ लेना चाहिए। मादक पदार्थों के कारण बच्चों पर हो रहे दुष्प्रभाव पर चर्चा करते हुए जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो. अल्ताफ खान ने कहा कि नशा पान के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित बच्चे होते हैं, कुपोषण का एक बड़ा कारण मादक पदार्थों का सेवन और उसकी खेती है। हम सबकी जिम्मेवारी है कि हम बच्चों को सुरक्षित वातावरण दे, इसके लिए हमें नशा पान का त्याग करना होगा। इससे पूर्व विषय प्रवेश करते हुए सीनी संस्था के कुमार सौरभ ने नशे के दुरुपयोग और उसके दुष्प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। उपस्थित अतिथियों और ग्रामीणों ने अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाकर नशे के खिलाफ शपथ भी लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपमुखिया रीता देवी, पंचायत सचिव जस्टिन होरो, रोजगार सेवक मनोज कुमार, के रेयान, निर्मला देवी सहित सीनी संस्था के संजीव कुमार, रेणु टूटी, गौरामनी टूटी , माकिरण टूटी, सुषमा लकड़ा, दुर्गी कुजूर ने सहयोग किया।

विकास का बाट जोहता सुदूरवर्ती बुडुरमुण्डा गाँव

झारखण्ड को बने 24 वर्ष हो जाने के बाद भी आवश्यक सुविधा से वंचित हैं बुरुरमुण्डा

ब्रजेश कुमार / आशीष केशरी (बिभा)

खूँटी । जिले के बिहड़ इलाकों में से एक गाँव है बुडुरमुण्डा गाँव। जो जिला केन्द्र से 82 किमी दूर रनिया प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत सिंहभूम सीमा क्षेत्र से सटा गाँव बुडूरमुण्डा जंगल व पहाड़ी इलाका पर सदियों से बसा है। जो झारखण्ड के बने 24 वर्ष बाद भी आज के दिनों में विकास से कोसों दूर है। जहाँ के लोग जीवन को सुलभ बनाने के लिए आवश्यक संसाधन के लिए लगभग 24 घरों के लोग आशान्वित हैं। इस गाँव में न तो बिजली की सुविधा है और न ही पानी का। यही नहीं थोड़ी दूर पीसीसी के अलावे गाँव के अंदर सरकारी सुविधा के नाम पर एक पीसीसी भी नहीं है। ग्रामीणों को गाँव घुसने व निकलने के लिए ढलान वाली कच्ची सड़क पर से गुजरना पड़ता है। जो बरसात में फिसलन बन जाता है। वहीं भरे गर्मी में ग्रामीण एक सूखे कुएँ में से पानी निकालना पड़ रहा है। गाँव के सभी लोग इसी पुराने कुएँ से पानी पीते हैं। जिसमें पानी भरने के लिए एक व्यक्ति को कुएँ के अंदर उतरना पड़ता है। जो बाल्टी में पानी को भरता है जिसे उपर की ओर दुसरा व्यक्ति खींचता है। तभी पीने और खाना बनाने के लिए पानी मिल पाता है। गर्मी में ग्रामीण पानी के बिना कई दिनों तक नहा भी नहीं पाते हैं। गाँव के बाहर एक प्राथमिक विद्यालय है। जहाँ एक चापाकल है वो भी खराब पड़ा है। इस बिहड़ इलाके में बसा इस गाँव के लोग आज भी विकास का बाट जोह रहा है।

ग्रामीण शीतल सिंह ने बताया कि सड़क की दुर्दशा के कारण लोग दुर्घटना की सम्भावना रहती है। हाथी प्रभावित क्षेत्र होने से भय भी बना हुआ रहता है। गर्मी या जाड़ा में तो किसी तरह लोग आवागमन कर लेते हैं लेकिन बरसात में मिट्टी का या सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। धनेश्वर सिंह ने बताया कि गाँव में पानी व्यवस्था के लिए एक पुराना कुआँ है । जोकि पेयजल और खाना बनाने के लिए सहायता करता है लेकिन गर्मी के दिन में यह कुआँ भी सूख जाता है कभी पानी के लिए भी झंझट आपस में हो जाता है। सेफ्रेन बुढ़ ने बताया कि गाँव के बगल में एक विद्यालय है जहाँ घर से ही बच्चे पानी लेकर जाते हैं। क्योंकि विद्यालय में एक चापाकल है वह भी चार वर्षों से खराब है। बेलकीदुरा के सुकेल सिंह ने बताया कि बुडूरमुण्डा गाँव में आज तक बिजली नहीं पहुँची है। खूँटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बुडुरमुण्डा गाँव आज भी विकास का बाट जोह रहा है। 22-25 घरों का यह गाँव खूँटी जिला से लगभग 82 किलोमीटर दूर बिहड़ व दुर्गम इलाके के इस गाँव विकास का बाट जोह रहा है। सड़क, बिजली, पानी सभी का समस्या से जूझ रहा बुडुरमुण्डा गाँव के लोग परेशान हैं।

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव

डॉ. वंदना सेन

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। आज सबसे ज्यादा तनाव का जीवन मुस्लिम देशों में दिखाई देता है। वहां केवल मारकाट की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं है।

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव विश्व को कल्याण का मार्ग दिखाने के लिए भारत का चिंतन पुरातन काल से रहा है। विश्व का कल्याण करने का भाव भारतीय चिंतन में हमेशा से रहा है। वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षण प्रदान नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक पहल है।

देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत देने का संदेश दिया है। वास्तव में योग में राजनीति देखना संकुचित मानसिकता का परिचायक है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया है, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत तथा सामूहिक उत्थान से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग साधकों के साथ मिलकर योग विद्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जो पहल की थी, आज उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व

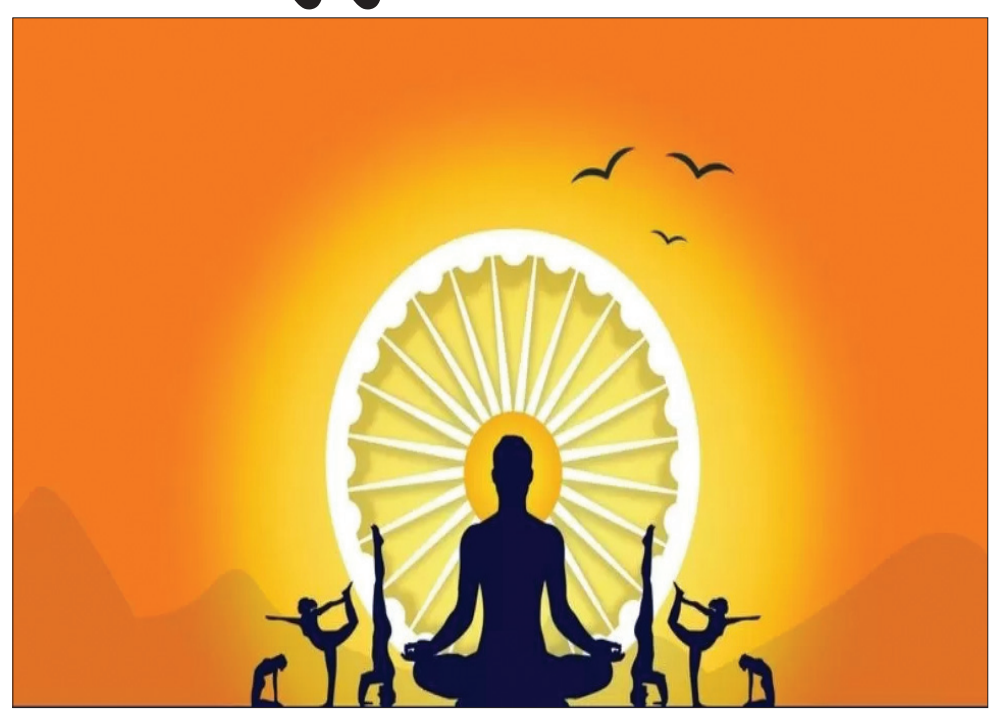

को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है। हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा था और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। योग दिवस को मिले भारी वैश्विक समर्थन के बाद यह तो तय हो गया है कि विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं। इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों एवं अप्रवासी भारतीयों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं। जैसे ही नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के मेडीसन एस्क्वायर में भारतीय शक्ति का प्रस्फुटन किया, वैसे ही भारत के नागरिकों के अंदर गौरव का अहसास तो हुआ ही साथ ही विश्व के विकसित देश भारत को अपना समकक्ष मानने लगे।

भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। आतंक फैलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करने वाला समाज मारकाट करने की मानसिकता के साथ जी रहा है। ऐसे लोगों का न तो काई अपना है, और न ही कोई परिवार। कई मुस्लिम देशों के नागरिक आज मुसलमानों के ही दुश्मन बनकर मारकाट का खेल खेल रहे हैं। ऐसे लोगों से शांति का बातें करना भी बेमानी है। हमारी सलाह है कि ऐसे लोग भी योग की क्रियाएं अपनाकर शांति के मार्ग पर चल सकते हैं। योग जहां स्वस्थ मानकिता का निर्माण करने में सहायक है वहीं शांति स्थापना का उचित मार्ग है।

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। आज सबसे ज्यादा तनाव का जीवन मुस्लिम देशों में दिखाई देता है। वहां केवल मारकाट की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं है। इन देशों में हमेशा अशांति का वातावरण दिखाई देता है और सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। यह इस बात का ध्यान रखना होगा कि आध्यात्मिकता और ध्यान योग के मामले में हम विश्व के सभी देशों से बहुत आगे हैं। इस बारे में दुनिया का ज्ञान भारत के समक्ष अधूरा ही है। भारत को जब तक इस बात का बोध था, तब तक विश्व का कोई भी देश भारत का मुकाबला करने का सामर्थ्य नहीं रखता था। आज इस शक्ति के प्रदर्शन की शुरूआत हो चुकी है, जरूरत इस बात की है कि हम सभी सरकार के कदम के साथ सहयोग का भाव अपनाकर अपना कार्य संपादित करें। आने वाले समय में भारत का भविष्य उज्जवल है।

संपादकीय

शीर्ष अदालत का सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की तरफ से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई हो, तब भी उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ मंगलवार को पांच मई को हुई परीक्षा में छात्रों को कृपांक दिए जाने समेत अन्य शिकायतों से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ अब 8 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाओं में परीक्षा में अनियमितता बरते जाने की सीबीआई जांच और नीट-यूजी परीक्षा नये सिरे कराने की मांग वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। अदालत ने एनटीए और केंद्र सरकार से याचिकाओं पर दो हफ्ते के भीतर अपने जवाब दाखिल करने को कहा है। लोक सभा चुनाव परिणाम आने की गहमागहमी के बीच ही नीट-यूजी 2024 परीक्षा के परिणाम भी घोषित किए गए थे। अनेक परीक्षार्थियों के टॉपर्स होने और खासी संख्या में परीक्षार्थियों को कृपांक दिए जाने की जानकारी होने के बाद लगा कि दाल में कुछ काला है। बाद के घटनाक्रम में कुछ गिरफ्तारियां हुई और पटना से लेकर गोधरा तक कई परीक्षा केंद्रों पर व्यापक स्तर पर अनियमितताएं बरती जाने की बातें सामने आने लगीं। परीक्षा में धांधली के संकेत मिलने लगे और परीक्षार्थियों के परिजनों के साथ ही अनेक संगठनों और राजनीतिक दलों ने विरोध प्रदर्शन करने शुरू कर दिए। कुछ परीक्षार्थियों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। मेडिकल की पढ़ाई पर अभिभावक खासा खर्च करते हैं। अभ्यर्थी छात्र सामाजिक जीवन से कटकर मेडिकल पाठयक्रम में प्रवेश परीक्षा की तैयारी में रात-दिन एक कर देते हैं। दरअसल, अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेजों में सीटें पर्याप्त नहीं हैं। जरूरी है कि सरकार सीटें बढ़ाने के लिए ढांचागत आधार को मजबूत करे। एनटीए के वजूद में आने से पहले सीबीएसई और राज्य शिक्षा बोर्ड पीएमटी की परीक्षा आयोजित करते थे जिसके आधार पर प्रवेश आसानी से मिल जाता था। लेकिन इस बीच अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने और एनटीए जैसे निकाय को मेडिकल के अलावा अन्य तमाम परीक्षाओं का आयोजन करने की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इतने बोझ से एनटीए का ढांचा कमजोर दिखलाई पड़ने लगा है, उसके सामने मैनपावर की समस्या भी है। बहरहाल, जरूरी हो गया है कि छात्रों के साथ न्याय हो और इसके लिए रि-नीट-यूजी के अलावा कोई रास्ता दिखाई नहीं पड़ता।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्ष्स्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

विश्व संगीत दिवस : संगीत है शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम

ललित गर्ग

संगीत मानव जगत को ईश्वर का एक अनुपम दैवीय वरदान है। यह न सरहदों में कैद होता है और न भाषा में बंधता है। माना हर देश की भाषा, पहनावा और खानपान भले ही अलग हों, लेकिन हर देश के संगीत में सभी सात सुर एक जैसे होते हैं और लय-ताल भी एक-सी होती है। संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। विशेषज्ञों की मानें, संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देती है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। रोज की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच संगीत आपको सुकून के पल बिताने का मौका देता है। साथ ही संगीत आपके अकेलेपन का एक बढ़िया साथी भी बन सकता है। संगीत की इसी खासियत को सभी तक पहुंचाने के लिये 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम है 'एक वैश्विक ध्वनि वाली दुनिया का सामना करना।'

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। विश्व संगीत दिवस कुल 17 देशों में ही मनाया जाता है इसमें भारत, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्रिटेन, लक्समवर्ग, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, कोस्टारीका, इजाराइल, चीन, लेबनाम, मलेशिया, मोरक्को, पाकिस्तान, फिलीपींस, रोमानिया और कोलम्बिया शामिल हैं। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में सपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य अलग-अलग तरीके से लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है ताकि लोगों का विश्वास संगीत से न उठे। लांगफेलों के अनुसार संगीत मानव की विश्वव्यापी भाषा है।ह्न विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसिक शांति के लिए संगीत को अहम माना गया है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत आपके मूड, भाव और विचारों पर असर डालने की ताकत रखता है। एक अध्ययन के अनुसार, जोशीला संगीत कुछ समय में ही मूड को तरोताजा कर देता है। संगीत के सात स्वर बीमारियों को छूमंतर कर सकते हैं। संगीत मन के भाव को बयां करने का बेहद सरल तरीका है। संगीत में लय, ताल का समावेश है तो संगीत थिरकने पर मजबूर कर देता है। लेकिन यही संगीत हमारे स्वास्थ्य को भी बेहतर कर सकता है। वैदिक काल में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जिनसे यह पूरी तरह से प्रमाणित होता है कि उस समय संगीत चिकित्सा शिखर पर रही होगी। ऊं का नाद स्वर इसी संगीत चिकित्सा का सर्वोपरि उदाहरण है। संगीत के हर राग में रोग निरोधक क्षमता है। राग पूरिया धनाश्री अनिद्रा दूर करता है, तो राग मालकौंस तनाव से निजात दिलाता है। राग शिवरंजिनी मन को सुखद अनुभूति देता है। राग मोहिनी आत्मविश्वास बढ़ाता है। राग भैरवी ब्लड प्रेशर और पूरे तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित रखता है। राग पहाड़ी स्नायु तंत्र को ठीक करता है। राग दरबारी कान्हड़ा तनाव दूर करता है तो राग अहीर भैरव व तोड़ी उच्च रक्तचाप के लिए कारगर है। दरबारी कान्हड़ा अस्थमा, भैरवी साइनस, राग तोड़ी सिरदर्द और क्रोध से निजात दिलाता है।

आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। महात्मा गांधी ने कहा भी है कि मधुर संगीत आत्मा के ताप का नाश कर सकता है। हमारे सुख-दुःख का साथी है संगीत, जो स्नेहसिक्त क्षणों में हमें अपनी बाहों में भर लेता है और पीड़ा के समय किसी अच्छे-सच्चे मित्र की तरह हाथ थामे साथ चलता है। आपका सबसे प्रिय गीत आपके एक खराब दिन और मूड को सामान्य कर देने की क्षमता रखता है और आपको विश्वास होने लगता है कि दुनिया उतनी भी बुरी नहीं जितना कि कुछ पल पहले आप महसूस कर रहे थे। स्मृतियों के सुनहरे पृष्ठ भी संगीत की धुन पर अपनी थाप देने लगते हैं। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

भीषण गर्मी में मजदूरों की फिक्र भी जरूरी

देश में पड़ रही भीषण गर्मी से डेली वर्कर्स, विशेषकर डिलीवरी कर्मियों, ईंट-भट्ठों पर काम करने वालों और दिहाड़ीदार मजदूरों के लिए कामकाजी परिस्थितियां गंभीर हो गई हैं। भीषण गर्मी ने खुला काम करने वाले वर्कर्स के लिए कठोर कार्य स्थितियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। इस भीषण गर्मी में कई लोग खुले वातावरण और गर्म मौसम में काम करने के लिए मजबूर हैं। अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अकसर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे प्रयासों और नई पहलों को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भारत में हाल ही में कई क्षेत्रों में तापमान को 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच दआ, जिससे डेली वर्कर्स, खासकर डिलीवरी कर्मियों और दिहाड़ीदार मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों में इजाफा हुआ है। इस प्रकार के खुला काम करने वाले इस दौरान श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य-सुरक्षा उपायों और न्यूनतम ब्रेक के बिना चरम मौसम की स्थिति के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण गर्मी से थकावट और निर्जलीकरण

से पीड़ित हुए हैं, जिससे पता नहीं कितनों की जान असमय गई है। दिहाड़ीदार मजदूर स्थायी नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध या फ्रीलांस काम करते है। इस में उबर, स्विगी और जोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए अस्थायी, लचीले और प्रोजेक्ट-आधारित काम करने वाले भी शामिल हैं । ये नौकरियां लचीलापन प्रदान करती हैं , लेकिन इन लोगों को पारंपरिक रोजगार से जुड़े लाभों और सुरक्षाओं का अभाव होता है।

अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अकसर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। ऐसे श्रमिकों को अक्सर स्वास्थ्य बीमा, सेवानिवृत्ति लाभ या सवेतन अवकाश की सुविधा नहीं मिलती, जिससे बीमारी या चोट के समय वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। श्रमिकों की आय अत्यधिक परिवर्तनशील और अप्रत्याशित होती है, जिससे वित्तीय योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों को कठोर कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें चरम मौसम का सामना करना भी शामिल है इनको आमतौर पर स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वगीर्कृत किया जाता है, जिससे उन्हें कई श्रम सुरक्षा से वंचित रखा जाता है जो औपचारिक कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं।

ऐसे विपरीतस मय में श्रमिकों को संरक्षण और निष्पक्ष व्यवहार के लिए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करनाबहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए: राजस्थान प्लेटफार्म आधारित वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक, 2023 का उद्देश्य वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल कायम करेगा।

- प्रियंका सौरभ

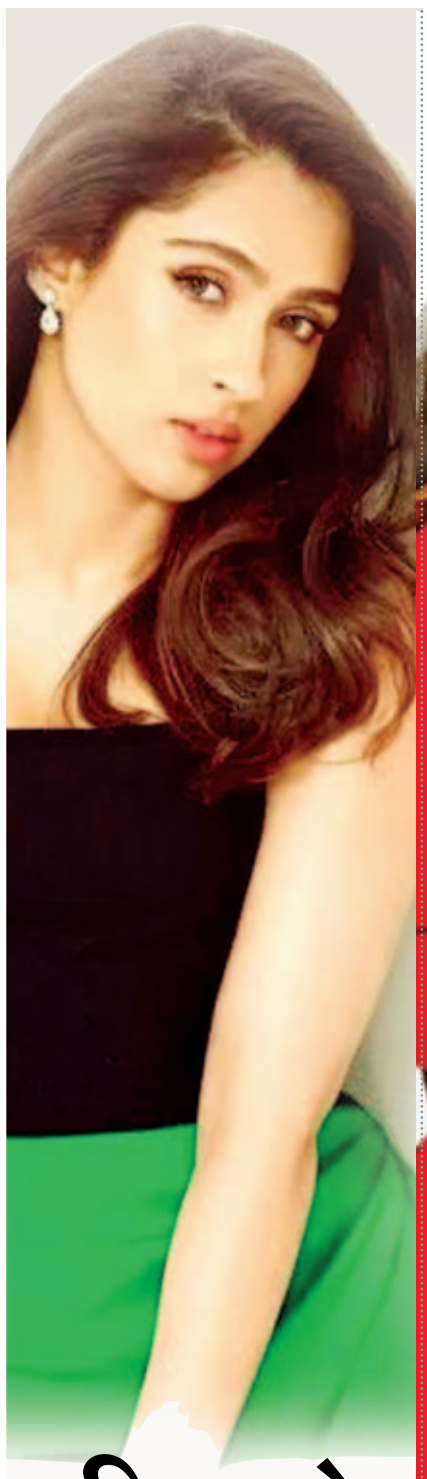

मैं कभी सही-गलत के दबाव में नहीं रही

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मोना सिंह आज करियर के बीस साल बाद अपने मनचाहे किरदारों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी में भी खुश हैं।

चालीस के पार आज आप दमदार भूमिकाओं में नजर आ रही हैं। 39 साल में आप शादी के बंधन में बंधीं। अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीने पर आपको गर्व जरूर होता होगा?

सच तो ये है कि मैंने कभी भी सोसायटी का प्रेशर नहीं लिया। मेरे साथ मेरे पैरेंट्स हमेशा सपोर्टिव रहे। जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तब लोग लगातार पूछा करते थे, कब शादी कर रही हो? मगर मैं कभी इस दबाव में नहीं आई की क्या सही है और क्या गलत? मैं अपनी जिंदगी जीती गई। मैंने अपनी गलतियों से खुद सीखा। मेरी चुनौतियां, रिस्क सभी कुछ मेरा अपना था। किसी ने मुझे गाइड नहीं किया। मेरे करियर की बात करूं तो आज ओटीटी ही नहीं बल्कि फिल्मों में भी एक ऐसा दौर आ गया है, जहां औरतों को सिर्फ फिलर्स के लिए कास्ट नहीं किया जा रहा कि यहां पर डांस घुसा दो या यहां पर इसे ग्लैमर ऐड करने के लिए रख दो। अब महिलाओं को अनगिनत रंग मिल रहे हैं निभाने के लिए। वो सिर्फ पॉजिटिव या नेगेटिव नहीं है।

आप तो एक बेहद मजबूत महिला हैं, मगर आम तौर पर आपको औरतों से जुड़ी किन बातों पर आपत्ति होती है?

मुझे सबसे ज्यादा आपत्ति इस बात पर होती है कि औरतों को हमेशा कहा जाता है कि क्या करो, क्या न करो। कहां जाओ, किससे शादी करो, कहां काम करो, सबकुछ बोलै जाता है। ये समझना बहुत जरूरी है कि ये हमारी जिंदगी है, हमें जीने दो। हमें अपनी गलतियां करने दो। हमारे पंख मत काटो। हमें उड़ने दो। अब आप हो देखिए, हम एयरक्राफ्ट्स भी उड़ा पा रही हैं। हम औरतें हर तरह से सक्षम हैं।

टीवी से शुरुआत करके आप फिल्मों और ओटीटी पर भी लगातार सक्रिय हैं। आपको सबसे ज्यादा मजा कहां आता है?

मुझे सबसे ज्यादा अभिनय पसंद है, अब वो माध्यम जो भी हो। एक एक्टर का ड्रीम होता है अलग-अलग रोल करना और मैं अपना वो ड्रीम जी रही हूं। मैं सालों पहले मुंबई आई ही इसलिए थी कि रोजाना एक्शन, कट सुन पाऊं। मेरे लिए माध्यम कभी ऐसा रहा ही नहीं कि मैं सिर्फ टीवी या ओटीटी अथवा फिल्म ही करूंगी। मेरी शुरुआत छोटे पर्दे से हुई थी। उसके बाद मैंने ब्रेक ले लिया था, क्योंकि मैं टीवी पर सब कुछ कर चुकी थी। मैंने रंगमंच में भी काम किया। फिर ओटीटी आ गया। मैं ओटीटी की शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस प्लैटफॉर्म में इतने दमदार किरदार निभा पा रही हूं। मूवीज मिल रही हैं। मुझे 20 साल हो गए हैं इंडस्ट्री में, तो अब मैं एक्सपेरिमेंट कर रही हूं।

आपकी फिल्म मुंज्या सुपर नेचुरल पर आधारित है। क्या आप भूत-प्रेत में यकीन करती हैं?

मुझे लगता,है जो हॉरर या डर होता है, वो आपके दिमाग में होता है। हालांकि मैं हॉरर फिल्मों से बहुत ज्यादा डरती हूं। मुझे याद है, हम जब छोटे थे और बचपन खेलने जाते थे, तो सात बजे तक हमारी सीढ़ियों की लाइट नहीं जलाई जाती थी। खेलकूद कर मुझे जब सीढ़ियों से अपने घर जाना होता था, तब हमेशा यही लगता था कि कोई मेरे पीछे आ रहा है। उस वक्त मैं डर को भगाने के लिए वाहे गुरु वाहे गुरु का नाम जप कर सीढ़ियां भागते हुए चढ़ा करती थी। अभी भी मैं हॉरर फिल्मों से बहुत डरती हूं। हमेशा इमेजिन करना शुरू कर देती हूं कि बेड के नीचे कोई है। परदे के पीछे कोई है। फिल्म की शूटिंग में तो हमने बहुत मजे किए। हम अपने सीजीआई (कंप्यूटर से बनाए गए) एक्टर को हर जगह इमेजिन कर रहे थे। मुझ जैसे दर्शक के लिए ये फिल्म इसलिए भी सही है कि इसमें हॉरर और कॉमिडी का अच्छा मिश्रण है। वरना मुझ जैसे लोग तो सिर्फ हॉरर देखने जाएं ही नहीं।

मेरे खिलाफ नफरत बहुत बढ़ गई है, लेकिन अब ज्यादा फर्क नहीं पड़ता

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में आलमजेब का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल को बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- मुझे केवल इतना पता है कि मैंने आलमजेब के किरदार में बहुत मेहनत की थी। बाकी पसंद करना न करना दर्शकों के ऊपर है। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे खिलाफ नफरत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। हालांकि मेरे साथ मेरा सपोर्ट सिस्टम है, जो हमेशा मेरे साथ खड़ा है। इसलिए मुझे किसी चीज से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। मीना कुमारी पर दिए बयान को लेकर शर्मिन का कहना है कि लोगों ने उनकी बात को गलत तरीके से लिया है। उन्होंने कभी अपनी तुलना मीना कुमारी से नहीं की। मेरे शब्दों का गलत मतलब निकाला गया है। मैंने ये बिल्कुल नहीं कहा था कि उनकी एक्टिंग में एफर्ट नहीं होते थे।

शर्मिन ने संजीदा को आउटसाइडर बताया था

एक इंटरव्यू के दौरान संजीदा शेख से पूछा गया था कि संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा? संजीदा ने कहा वो परफेक्शनिस्ट हैं। वो बहुत ज्यादा क्रिएटिव हैं। वो चाहते हैं कि कोई भी सीन साधारण न दिखे, वो जो भी करते हैं वो एक्सीलेंस से कम नहीं है। उनके शानदार क्रिएटिव दिमाग, आर्ट के लिए शार्प एडवोकेसी और ईमानदारी के लिए दुनिया भर में उनका सम्मान किया जाता है। इस पर शर्मिन ने संजीदा की बात को काटते हुए कहा था कि परफेक्शनिस्ट, भंसाली के बारे में बताने के लिए एक बेहद ही बेसिक सा वर्ड है। ये ऐसा शब्द है जिसका यूज एक आउटसाइडर इंसान ही कर सकता है, जिसने कभी उनके साथ काम नहीं किया या कभी सेट पर उनके डायरेक्शन को नहीं देखा। मुझे लगता है उनका काम इससे बहुत ज्यादा है। शर्मिन का बयान नेटिजन्स को पसंद नहीं आया। उनको एक्ट्रेस का ये रवैया सही नहीं लगा। यूजर्स का दावा है कि शर्मिन ने संजीदा को टोकते हुए उन्हें 'आउटसाइडर' कहा था।

पश्मिना ने बॉलीवुड में देर से डेब्यू करने की बताई वजह

ऋतिक रोशन की बहन पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में ऋतिक से मिली सलाह के बारे में साझा किया। अभिनेत्री यह भी बताया कि उन्होंने इतनी देर से फिल्मों में क्यों डेब्यू किया? अभिनेता ऋतिक रोशन की बहन और म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म में वह फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेता रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी मुख्य भूमिका में दिखेंगे। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बीच पश्मिना ने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन से मिली सलाह के बारे में साझा किया।

ऋतिक से मिली ये सलाह

साक्षात्कार के दौरान पश्मिना से जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें उनके भाई ऋतिक और चाचा राकेश रोशन से कोई सलाह मिली है। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, बिल्कुल, मुझे एक कलाकार के रूप में कैसे सुधार करना है और जीवन में कैसे खुद को बेहतर बनाना है, इसके लिए मुझे उनसे सलाह मिली है। एक फिल्म या एक फिल्म निर्माता को एक चरित्र की आवश्यकता होती है। इससे कम पर समझौता नहीं किया जा सकता। असली खेल तो अब शुरू हो रहा है। मैं शुक्रवार को 'इश्क विश्क रिबाउंड' से डेब्यू कर रही हूं। इस फिल्म के बाद मुझे एक फ्रीलांसर की तरह और काम ढूंढना होगा।

इसलिए देर से किया डेब्यू

अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उन्होंने इतनी देर से क्यों डेब्यू किया, तो उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में होना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। मुझे कैमरे के सामने तैयार रहना पड़ता था। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं अपने अभिनय और डांसिंग स्किल पर काम कर रही थी। यह केवल एक महीने का सफर नहीं है, इसमें लंबा समय लगता है। इसे बेहतर बनने में समय लगेगा।'

'इश्क विश्क रिबाउंड' के बारे में

'इश्क विश्क रिबाउंड' की घोषणा के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है। बता दें कि शाहिद कपूर की 'इश्क विश्क' दो दशक पहले अप्रैल 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म में प्रेम और मित्रता के बीच घटित होने वाली चीजों को उजागर किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शुरुआत पश्मिना के किरदार के जिब्रान को डेट करने से होती है। वहीं, रोहित का किरदार नैला ग्रेवाल के साथ रोमांस करते हुए दिखेगा।

काम करने का तरीका बदल गया है, हमें स्टैंड लेना चाहिए

काई पो चे, सुल्तान और गोल्ड जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके एक्टर अमित साध ने बॉलीवुड पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अच्छे रोल करने के बावजूद उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

बॉलीवुड में काम करने का तरीका एकदम बदल गया है। जिसकी वजह से वो काफी दुखी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अमित साध ने कहा- बॉलीवुड में जो हो रहा है, वह दुखद है। अच्छे काम करने के बाद भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। हमें एक दूसरे के लिए खड़े होने की जरूरत है। अगर किसी के साथ कुछ गलत हो रहा है तो मुझे लगता है कि स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन लोग एक दूसरे की आलोचना करते हैं। अमित साध ने कहा- अगर कोई अच्छा काम नहीं कर रहा है तो उसके काम की आलोचना करना एक सही तरीका होना चाहिए। चाहे वह उसके करियर की डेब्यू फिल्म हो या फिर पांचवी। मैं अपनी एक्टिंग की आलोचना न किए जाने के लिए आभारी हूं। मुझे हमेशा बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर ने यूट्यूब पर अपना बाइकिंग और ट्रैवल रिलेटेड शो शुरू किया है। इससे पहले वो पिछले मोटरसाइकिल से भारत भ्रमण पर निकले थे। मुंबई से शुरू हुई उनकी यात्रा लेह लद्दाख पर पहुंचकर पूरी हुई थी। अमित साध कहते हैं कि यात्रा करना उनको बहुत अच्छा लगता है। मोटरसाइकिल उनके जीवन का अभिन्न अंग रहा है। अमित आखिरी बार शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'सुखी' में नजर आए थे।

मेघना की अगली फिल्म में करीना के साथ नजर आएंगे आयुष्मान

हिन्दी सिनेमा को तलवार, छपाक, राजी और सैम बहादुर सरीखी फिल्में देने वाली निर्देशिका मेघना गुलजार एक बार फिर से दर्शकों के सामने वास्तविक घटना पर फिल्म देने की तैयारी में हैं। मेघना की यह फिल्म 2019 में पेशे से जानवरों की डॉक्टर की जिन्दगी पर आधारित है, जिसका चार लोगों ने मदद करने के बहाने से गैंग रेप किया और सबूत मिटाने के नाम पर उसे जलाकर मार डाला। उनकी इस फिल्म में पहली बार करीना कपूर और आयुष्मान खुराना एक साथ काम करते नजर आएंगे। मेघना गुलजार की इस फिल्म का नाम दायरा रखा गया है। लंबे समय से मेघना फिल्म की रिसर्च पर काम कर रही थीं। वो इस फिल्म की सही मायनों में पेश करना चाहती हैं जिससे कोई विवाद न हो। इसलिए लंबा समय लेने के बाद अब करीना और आयुष्मान के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार हैं। 2019 हैदराबाद रेप केस ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। मामला 27 नवंबर 2019 का है। एक 26 साल की जानवरों की डॉक्टर से रेप किया गया और फिर निर्मम तरह से उसे मार कर जला दिया गया। अगले दिन पुलिस को युवती का अध जला हुआ शरीर चटनपल्ली पुल के नीचे मिला।

पापा नवाजुद्दीन के नक्शेकदम पर चलने को तैयार शोरा सिद्दीकी

अक्सर स्टारकिड्स अपने माता-पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए फिल्मी दुनिया में पहचान बनाते हैं। तमाम उदाहरण इंडस्ट्री में हैं। अब अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा भी अपने पिता की तरह अभिनय की दुनिया में जादू बिखरने की तैयारी में हैं। स्टारकिड्स जब एक्टिंग की दुनिया में आते हैं तो नेपोटिज्म पर भी बहस होती है। बेटी को लेकर नवाज ने बताया है कि शोरा ने स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी से जुड़ने की पहल की है। इसके अलावा इंडस्ट्री में अपना भविष्य बनाने के लिए शोरा वर्ल्ड सिनेमा को भी एक्सप्लोर कर रही हैं। यहां तक कि उन्होंने पिता की मदद लेने से साफ इनकार कर दिया है। नवाजुद्दीन ने फिल्म कंपैनियन के साथ बातचीत में कहा कि उनकी बेटी फिलहाल ट्रेनिंग ले रही हैं। नवाज ने बताया कि उनकी बेटी ने परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी में एडमिशन लिया और अपने टीचर के आगे होथ जोड़कर कहा, मैं एक्टिंग सीखना चाहती हूं। अभिनेता ने शोरा के कोर्स और ट्रेनिंग से जुड़ी जानकारियां भी दीं। साल के आखिर में उनकी योजना एक प्ले में शामिल होने की भी है।

हर तरह से बेटी के पैशर को करते हैं सपोर्ट

नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने कभी शोरा को अभिनय के लिए प्रोत्साहित नहीं किया, लेकिन बेटी के पैशन को उन्होंने हर तरह से सपोर्ट किया है। एक्टर ने कहा कि अब जब उनकी बेटी एक्टिंग में इतनी दिलचस्पी लेती हैं तो और लोग भी उसे आगे बढ़ाते हैं। नवाज के मुताबिक, शोरा यह काम स्वतंत्र रूप से कर रही हैं। नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्हें तो लंबे समय तक बेटी के आर्ट फैकल्टी जाने की जानकारी ही नहीं थी। यह भी नहीं पता था कि कौन-सी वर्कशॉप करती हैं। शोरा खुद सबकुछ सर्च करती हैं, अपनी मां से बताती हैं और फीस के लिए फिर उनसे बात करती हैं।

ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन करने जा रही हैं निकाह!

ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि सुजैन खान अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। वहीं इन खबरों के बीच कल सुजैन खान अर्सलान गोनी के संग ईद मनाती नजर आईं। सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कई सारी तस्वीरों को एक साथ एक वीडियो के रूप में साझा किया है। सुजैन खान की इन तस्वीरों में अली गोनी, जैस्मिन भसीन और गोनी परिवार के कई सदस्य नजर आ रहे हैं। सुजैन खान की इस फोटो को देखकर एक यूजर ने लिखा है -अब तो निकाह कर ही लीजिए, वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, दोनों की जोड़ी कमाल लगती है।

नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामला : पेंडिंग केस की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली । नीट यूजी 2024 पेपर लीक से संबंधित मामले में अलग-अलग हाई कोर्ट में पेंडिंग केस की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। दरअसल, एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर देश भर के अलग-अलग हाईकोर्ट में पेंडिंग नीट से संबंधित याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की गुहार लगाई है। इसके साथ अलग-अलग हाई कोर्ट में होने वाली नीट की सुनवाई पर रोक की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों में नीट की सुनवाई पर रोक लगा दी लेकिन फिर कहा हैं कि वह काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएंगे। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि दाखिला प्रक्रिया इस याचिका के परिणाम पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने मामले में दाखिल ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस जारी किया।

इस दौरान एनटीए की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट में पेंडिग केस की सुनवाई पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। इस दौरान शुरुआत में सुप्रीम कोर्टने कार्यवाही पर रोक संबंधित आदेश पारित करने पर अनिच्छा जाहिर की थी। दरअसल, हाईकोर्ट ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस के बाद आमतौर पर सुनवाई नहीं करता है। हालांकि,एनटीए के वकील वर्धमान कौशिक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद भी हाई कोर्ट मामले को डील कर कर रहा है। तब सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में चल रहे इस मामले से संबंधित सुनवाई पर रोक लगाई। सुप्रीम कोर्ट में एनटीए की ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि इससे संबंधित एक मामला राजस्थान हाई कोर्ट, दो मामले कलकत्ता हाई कोर्ट और एक याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच में पेंडिंग है।

6 साल के बच्चे की हार्ट सर्जरी में देरी... एनएचआरसी ने दिल्ली एम्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकारी आयोग ने 6 साल के बच्चे के हार्ट सर्जरी में देरी पर दिल्ली एम्स को नोटिस भेजा है। बच्चे को 2019 से ही दिल की बीमारी है, तब से उसके माता-पिता दिल्ली एम्स के चक्कर काट रहे हैं। हर बार उन्हें सर्जरी की तारीख मिलती हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं होता। एनएचआरसी ने मामले को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक रिपोर्ट पर संज्ञान लेकर दिल्ली एम्स को नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट में 6 साल के एक बच्चे के दिल के ऑपरेशन में लगभग छह साल की अभूतपूर्व देरी का मामला सामने आया था। बेगूसराय का रहने वाला यह बच्चा 2019 में महज तीन महीने का था, तब बच्चे को दिल की बीमारी का पता चला था। बच्चे के माता-पिता का कहना है कि जब से उन्हें इस बीमारी के बारे में पता चला है, तब से लेकर अब तक वे कई बार एम्स का चक्कर लगा चुके हैं। हर बार उन्हें डॉक्टरों ने सर्जरी की नई तारीख दे दी, लेकिन ऑपरेशन नहीं हो सका। एनएचआरसी ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में जो कुछ भी कहा गया है, अगर वह सच है, तब यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। स्वास्थ्य और मेडिकल सुविधाएं हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। एम्स एक प्रतिष्ठित सरकारी हेल्थ संस्थान है, जहां देश भर से लोग अपने प्रियजनों का इलाज कराने के लिए आते हैं। आयोग ने माना कि देश के सरकारी अस्पतालों में कई तरह की बाधाएं हैं, लेकिन यह जानकर दुख होता है कि एक मासूम बच्चा गंभीर हालात के बावजूद छह साल से दिल की सर्जरी का इंतजार कर रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। एनएचआरसी ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव और एम्स के निदेशक को नोटिस जारी कर एक हफ्ते के अंदर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

प्राचार्य को ऑफिस में मारी गोली, दो संदिग्ध हिरासत में

नालंदा। नालंदा में एक सरकारी हाईस्कूल के प्राचार्य को उसके ऑफिस में घुसकर बदमाश ने गोली मारी दी। इससे घायल हो गए। घटना के बाद आनन-फानन में प्राचार्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। यह घटना एकंगरसराय प्रखंड के तेल्हाड़ा हाईस्कूल की है। प्राचार्य का नाम संतोष कुमार है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि एक बदमाश ऑफिस के गेट पर खड़े होकर कुछ कह रहा है लेकिन, प्राचार्य अपनी कुर्सी पर बैठे हैं। कुछ देर बाद बदमाश हाथ में पिस्टल लिए अंदर घुसता है और फायरिंग कर देता है। पहली गोली मिस हो जाती है। फिर दूसरी बार पैर पर गोली मारता है। बदमाश एक के बाद एक गोली चलाकर वहां से फरार हो जाता है। प्राचार्य के बाया पैर में गोली लगी है। घायल प्राचार्य को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां उनका इलाज जारी है। प्राचार्य ने पुलिस को बताया कि बदमाश उन्हें पहले बाहर बुला रहा था। जब बाहर नहीं निकले तो ऑफिस में घुसकर गोली मार दी। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी स्कूल परिसर के बाहर छात्रों के साथ मारपीट की थी। लेकिन पुलिस ने पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया था। हिलसा डीएसपी-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चार लोगों की भूमिका सामने आई है। प्राचार्य को गोली क्यों मारी इसका कारण पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस से मुठभेड़ में टिल्लू गैंग का शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रोहिणी से टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शूटर को पकड़ा है। इस शूटर की पहचान सुमित के रुप में हुई है। हत्या के एक मामले में सुमित पैरोल मिलने के बाद भाग गया था। इसके साथ ही अलीपुर पुलिस थाने में दर्ज हत्या के एक और मामले में वह वांछित घोषित है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोहिणी पुलिस के विशेष दल के साथ मुठभेड़ के बाद सुमित को गिरफ्तार किया गया है। बता दें खूंखार गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को पिछले साल तिहाड़ जेल के अंदर उसके विरोधी गुटों के सदस्यों ने पीट-पीटकर मार डाला था।

सिवनी में 50 से अधिक सिर कटी गायें मिलीं, ग्रामीण बोले नदी में बहकर भी आ सकती है

सिवनी। जिले में दो स्थानों पर गौवंश के गर्दन कटे शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पिंडरई के पास वैनगंगा नदी में 19 गौवंश के शव मिले हैं। वहीं धूमा क्षेत्र में लगभग 32 गौवंश की गर्दन कटी मिली। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस ने जानवरों के डॉक्टर को मौके पर बुलाकर मृत गायों के शवों का परीक्षण करवाया है। मौके पर ही शव दफना दिए गए। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किन लोगों ने ऐसा किया है। इस मामले में क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस तरह की घटना उनके क्षेत्र में पहली बार हुई है। गांव के लोगों के अनुसार आसपास के गांव से मवेशियों के शव नदी में बहकर आए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि इस मामले में पुलिस प्रशासन को जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस ने बताया कि पुलिस मवेशी तस्करों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पूरे जिले में मवेशी तस्करों पर नजर रखने के साथ मवेशियों का अवैध रूप से परिवहन करने वालों को पकड़ा जा रहा है। संभावना है कि मवेशी तस्करी करने वाले तस्करों ने पकड़े जाने के डर से मवेशियों को नदी में बहाया हो। इस मामले में हर पहलू पर नजर रख सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। जल्द ही घटना में शामिल आरोपितों का पता लगाकर उन्हें पकड़ा जाएगा। जानकारी मिलते ही धनौरा व पलारी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। धूमा थाना क्षेत्र लगभग 32 गायों की गर्दन का कुछ भाग काट कर जंगल मे फेंक दी गई थी। पुलिस ने समस्त गायों को दफनाकर जांच कार्यवाही शुरू कर दी है वैनगंगा नदी में गायों के शव को निकालने के लिए नदी में जेसीबी उतारने का प्रयास किया गया, लेकिन नदी में जेसीबी मशीन नीचे नहीं आ सकी। इसके बाद गांव के लोगों की मदद से नदी में मृत मिले मवेशियों के शव को रस्सी से बांध कर बाहर निकालने का काम देर शाम तक जारी रहा। अंधेरा होने तक मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस के साथ गांव के लोग मौजूद रहे। वहीं पशु डॉक्टर को भी मौके पर बुलाकर नदी से निकाले गए मवेशियों के शव को पोस्टमार्टम करने के बाद उन्हें दफना दिया गया।

एजुकेशन सिस्टम पर बीजेपी का कब्जा... पेपर लीक नहीं रोक पा रहे : राहुल गांधी

हमें पुरानी व्यवस्था बहाल करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने नीट यूजी 2024 और यूजीसी नेट 2024 परीक्षाओं में गड़बडी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि उन्होंने इजरायल, गाजा और रूस यूक्रेन की जंग रोक दी, लेकिन वे पेपर लीक नहीं रोक सके। उन्होंने कहा कि देश के एजुकेशन सिस्टम को सुनियोजित तरीके से कब्जे में कर लिया गया है। इस पर रोक लगानी होगा। हमें पुरानी व्यवस्था फिर से बहाल करनी होगी।

राहुल गांधी ने कहा, जिन लोगों ने भी पेपर लीक किया है, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पेपर लीक से पहले हमें सिस्टम की जांच करनी होगी। युवाओं के साथ खिलवाड़ हुआ है। नीट के पेपर लीक हुए हैं। यूजीसी नेट के पेपर में धांधली हुई है, सबकी जांच होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद सत्र शुरू हो रहा है, यह मुद्दा संसद में भी उठाएंगे। मध्य प्रदेश के व्यापमं का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश में ऐसा ही तंत्र बनाने की कोशिश हो रही है। हम लोगों को

इस तंत्र को खत्म करना होगा।

राहुल गांधी ने कहा, पेपर लीक राष्ट्र विरोधी गतिविधि है। मोदी सरकार इस गड़बड़ी पर रोक नहीं लगा पा रही है। हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है। इससे मेहनती छात्रों के साथ धोखा हुआ है। देश के शिक्षा तंत्र पर बीजेपी के लोगों का कब्जा है। जब राहुल गांधी से पूछा गया कि बिहार में कुछ लोगों पर आरोप लगे हैं कि वे पेपर लीक में शामिल हैं, इस पर आपका क्या कहना है? जवाब में राहुल गांधी ने कहा, जांच होनी चाहिए। जो भी शामिल है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एजेंसी एनटीए को खत्म करने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, ईमानदार लोगों को काम दिया जाएगा, तब पेपर लीक नहीं होगा। मोदी सरकार बेरोजगारी की समस्या के समाधान में विफल रही है।

प्रियंका गांधी वाड्रा का मोदी सरकार पर हमला

परीक्षा रद्द करने पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और ढिलाई युवाओं के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में घोटाले की खबर के बाद अब 18 जून को हुई नेट परीक्षा भी अनियमितताओं के डर से रद्द की गई है। क्या अब जवाबदेही तय हो जाएगी? क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस ढिलाई की जिम्मेदारी लेंगे? केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर चल रहे विवाद के बीच यूजीसी-नेट को रद्द करने का आदेश देकर मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

बिहार प्रदेश अध्यक्ष सिंह का बयान... असली हीरो राहुल गांधी

पटना । कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। केक कटकर राहुल गांधी की तस्वीर को केक खिलाया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि राहुल सक्षम हैं और उन्होंने इस बात को साबित किया है। साल 2024 की सफलता इसी कहानी को बयां करती है। उन्होंने कहा कि हमारी ख्वाहिश है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनें। उन्हें पीएम बनने से कोई रोक नहीं सकता। एक दिन वे निश्चित रुप से पीएम बनने वाले है। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी जोड़-तोड़ से पीएम बन गए, लेकिन असली हीरो राहुल गांधी हैं। हमें विश्वास है कि कांग्रेस की खोई गरिमा और प्रतिष्ठा को वे फिर से बहाल करने वाले हैं। प्रधानमंत्री के नालंदा यूनिवर्सिटी पहुंचने पर कांग्रेस नेता अखिलेश ने कहा कि पीएम के साथ मंच पर नीतीश कुमार हैं। क्या हुआ पटना यूनिवर्सिटी के केंद्रीय विश्वविद्यालय के दर्जे का? नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मांग की थी। उन्होंने सवाल किया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कब मिलेगा?

इस साल मई तक अमरावती में किसानों ने की सबसे ज्यादा आत्महत्या

-सरकारी आंकड़े जारी, पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने लगाया मौत को गले

नागपुर (एजेंसी)। देशभर के किसान अपनी मांगों को लेकर आए दिन धरना प्रदर्शन करते रहते हैं। कई किसानों ने तो आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया है। वहीं किसानों की आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र ने यवतमाल को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले कुछ सालों में कपास उत्पादक यवतमाल जिला महाराष्ट्र में नंबर वन पर जाना जाता रहा है। अब यवतमाल की जगह अमरावती जिले ने ले ली है। महाराष्ट्र के अमरावती में किसानों की आत्महत्या करने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। यहां जो आंकड़े सामने आए हैं वह डरावने हैं।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा किसानों ने आत्महत्या अमरावती टॉप पर है। यवतमाल की सीमा से लगा अमरावती कपास और सोयाबीन का उत्पादक क्षेत्र है। प्रसिद्ध नागपुर संतरे की खेती भी यहीं होती है। इस साल मई 2024 तक अमरावती में 143 किसानों ने आत्महत्या की है। यह आंकड़े महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी किए गए हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने आत्महत्या की है।

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के मामले में दूसरे नंबर पर यवतमाल है। हालांकि दोनों जिलों में किसानों की आंत्महत्या के आंकड़ों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। मई 2024 तक 132 आत्महत्याएं दर्ज की गई हैं। जून के आंकड़े अभी संकलित किए जाने बाकी हैं। अमरावती ने 2021 से आत्महत्या के मामले में यवतमाल को पीछे छोड़ दिया है। 2021 में यवतमानल में 370 किसानों ने आत्महत्या की थी। 2022 में 349 और 2023 में 323 किसानों ने आत्महत्या की। यवतमाल में 2021 से 2023 तक यह संख्या 290, 291 और 302 तक थी।

महाराष्ट्र सरकार की टास्क फोर्स के वसंतराव नाइक शेतकरी स्वावलंबन मिशन के पूर्व अध्यक्ष किशोर तिवारी ने इस पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमरावती में स्थिति विशेष रूप से कठिन है। किसानों ने सोयाबीन की खेती की और उपज में उल्लेखनीय गिरावट देखी। पिछले साल दरें गिरकर चार हजार रुपए प्रति क्विंटल हो गईं। बैंकिंग ऋण की कमी के चलते लोग छोटी वित्त कंपनियों या साहूकारों पर निर्भर हैं और उन्हें कठोर वसूली का सामना करना पड़ता है। 2001 से राज्य सरकार विदर्भ के छह जिलों अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम, बुलढाणा और वर्धा में किसानों की आत्महत्याओं का डेटा रख रही है। दो दशकों में इन जिलों में 22,000 से ज़्यादा आत्महत्याएं हुई हैं।

आत्महत्याओं को उन किसानों के बीच विभाजित किया जाता है जो राज्य सरकार से एक लाख रुपए के मुआवजे के पात्र हैं और जो नहीं हैं। जिला स्तरीय समिति यह जांच करती है कि आत्महत्या कृषि संकट या अन्य कारणों से हुई है या नहीं। मुआवजे के लिए पात्र होने के लिए, पीड़ित को ऋण, वसूली दबाव, फसल की विफलता और खेती से संबंधित अन्य संकटों का सामना करना पड़ा होगा। अमरावती में मई तक दर्ज 143 आत्महत्याओं में से 33 में कृषि संकट का मामला दर्ज है। दस मामले खारिज कर दिए गए हैं और 100 की जांच चल रही है। यवतमाल में मई तक 132 आत्महत्याओं में से 34 में कृषि संकट को आधिकारिक कारण बताया गया है। 66 मामलों की जांच चल रही है और जिला प्रशासन ने 32 को खारिज कर दिया है।

शिंदे गुट ने की 100 सीटों की मांग... टेंशन में भाजपा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। इस बात को लेकर मंथन का दौर जारी है। इतना ही नहीं महायुति में अजित पवार की एनसीपी के साथ तनाव की स्थिति बन गई है। इस बीच विधानसभा चुनाव भी 4 महीने के अंदर होने हैं, इसके लिए दबाव की राजनीति शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना गुट ने विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए 100 सीटों की मांग रख दी है। पार्टी के सीनियर नेता रामदास कदम ने कहा कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा की 288 सीट में से करीब 100 पर चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए।

शिवसेना एनडीए गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल है। राज्य में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पूर्व मंत्री कदम ने शिंदे गुट द्वारा आयोजित अविभाजित शिवसेना के 58वें स्थापना दिवस के मौके पर कहा, हमें लड़ने के लिए 100 सीट मिलनी चाहिए और हम उसमें से 90 पर जीत सुनिश्चित करने वाले हैं। वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा था कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीट मिलनी चाहिए।

वहीं एनसीपी के दावों पर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जवाब देकर कहा था कि राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। फडणवीस ने कहा था कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और राज्य में होने वाले चुनाव में ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ेगी। फडणवीस ने हालांकि कहा कि तीनों दलों के नेताओं की बैठक और चर्चा के बाद ही सीट बंटवारे पर फैसला होगा। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा को महज 9 सीटें मिलने के बाद उसकी स्थिति गठबंधन में कमजोर होगी। इसकारण भाजपा को साथी दलों का दबाव सहना पड़ेगा।

हालांकि एक चर्चा यह हैं, कि भाजपा अजित की एनसीपी का साथ छोड़कर चुनाव में उतर सकती है। लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट का प्रदर्शन अच्छा था। इस कारण भाजपा शिंदे गुट को साथ लेकर चलाना चाहेगी। एक वजह यह भी है कि शिंदे सेना के साथ उसकी वैचारिक समानता है, जबकि अजित के साथ स्थिति थोड़ा उलट है। बता दें कि संघ के नेताओं ने भी अजित पवार के साथ गठजोड़ पर सवाल उठाया था और लोकसभा चुनाव के खराब नतीजों के लिए जिम्मेदार बताया था।

भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों में दीपिका, कियारा और आलिया

मुंबई (एजेंसी)। वित्तीय और जोखिम सलाहकार फर्म क्रॉल की नई रिपोर्ट में भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की शीर्ष रैंक में बदलाव हुआ है। अभिनेत्री आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की सूची 2023 में अपनी जगह बनाने वाली शीर्ष तीन अभिनेत्रियाँ बनी हैं। रिपोर्ट में आलिया भट्ट को 101.1 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ पांचवें स्थान पर और दीपिका को 96 मिलियन के साथ छठे स्थान पर दिखाया गया है। दोनों अभिनेत्रियों की 2022 की रैंकिंग में मामूली गिरावट आई है। हालांकि, सबसे बड़ा बदलाव ये हैं कि कियारा आडवाणी, जो 2022 में 16वें स्थान पर थीं, 2023 में 60 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ 12वें स्थान पर पहुँच गईं। यह प्रभावशाली वृद्धि भारतीय बाजार में

उनके बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। रिपोर्ट में सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट ट्रेंड्स पर भी चर्चा की गई है। इसमें पाया गया कि पिछले साल शीर्ष 25 हस्तियों ने विभिन्न क्षेत्रों में 300 से अधिक ब्रांडों का समर्थन किया, जिसमें टीवी और डिजिटल दोनों तरह के विज्ञापनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कुल मिलाकर, क्रॉल रिपोर्ट एक गतिशील भारतीय सेलिब्रिटी परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है, जिसमें आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी जैसे स्थापित सितारे अपनी पहचान बना रहे हैं।

हनीट्रैप में फंसे युवक पर दागी 40 गोलियां, तिहाड़ प्रशासन पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजौरी गार्डन के एक मशहूर रेस्तरां में देर रात युवती के साथ बैठे एक युवक को दो बदमाशों ने 40 से ज्यादा गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के वक्त रेस्तरां स्टाफ सहित कई लोग मौजूद थे। गोलियां चलते ही सभी लोग टेबल के नीचे घुस गए और अपनी जान बचाई। घटना के बाद आरोपी पिस्तौल लहराते हुए मौके से फरार हो गए। बाद में युवक के साथ बैठी युवती भी उसका मोबाइल और पर्स लेकर वहां से चली गई। पुलिस मामला दर्ज कर दोनों बदमाश और युवती की तलाश कर रही है। पुलिस पूरे मामले में युवती की भूमिका को संदिग्ध मान रही है और आशंका जता रही है कि अमन को हनी ट्रैप में फंसाया गया था। युवती के इशारा करने के बाद ही दोनों शूटरों ने अमन पर फायरिंग शुरू कर दी। अमन की हत्या के बाद एक बार फिर तिहाड़ जेल प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना तिहाड़ जेल के अतिसुरक्षित वार्ड में बंद है। नीरज को सुरक्षा के मद्देनज़र अकेला रखा गया है और उसके पास किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है। अमन की हत्या में नीरज की भूमिका सामने आ रही है। हिमांशु भाऊ गैंग ने नीरज के कहने पर ही हत्या को अंजाम दिया है। सूत्रों ने बताया कि अमन की हत्या के लिए नीरज बवाना ने जेल से ही 2021 में भी प्लानिंग की थी। हमले के दौरान अमन के साथ उसका दोस्त और प्रधान गैंग का शूटर काला पहलवान मौजूद था। उस हमले में अमन बच गया था और काला मारा गया था।हिमांशु भाऊ गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। हिमांशु भाऊ ने पोस्ट में लिखा कि राजौरी गार्डन के रेस्तरां में हुई हत्या की जिम्मेदारी मैं और नवीन बाली भाई लेते हैं। अमन ने नीरज बवानिया के रिश्तेदार की 2020 में हुई हत्या में मुखबिरी की थी, जिसका बदला लिया गया है। हिमांशु भाऊ ने आगे लिखा कि जो भी बाकी रह गया है उसका नंबर भी जल्द आएगा।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि फाइनेंस का काम करने वाला अमन अपने परिवार के साथ हरियाणा के झज्जर में रहता था। रेस्तरां में युवती पहुंची और उसने अमन को फोन कर बुलाया। अमन के रेस्तरां पहुंचने के कुछ ही देर बाद भाऊ गैंग के दो शूटर वहां पहुंचे। दोनों ने अपना ऑर्डर दिया और फिर बर्गर लेकर अमन के पीछे वाली सीट पर जाकर बैठ गए। इसके बाद आरोपियों ने अपनी प्लेट टेबल पर रखी और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान अमन को करीब 40 गोलियां लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। करीब सात मिनट तक रेस्तरां में फायरिंग की आवाज गूंजती रही। वारदात के दौरान युवती वहां से हट गई थी। इधर, अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू होते ही रेस्तरां में चीख पुकार मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। वहां मौजूद ग्राहक के साथ ही कर्मचारी भी अपनी जान बचाने के लिए टेबल के नीचे छिप गए।

जाने क्यों तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण... बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा को ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना हाई कोर्ट ने बिहार की नीतीश सरकार को बड़ा झटका दिया है। पटना की अदालत ने 65 फीसदी के जातिगत आरक्षण को खारिज किया है। अदालत के फैसले के बाद नीतीश सरकार के आगे ओबीसी और अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को साधने की चुनौती है। इन वर्गों को जातिगत सर्वे कराने का बाद बढ़ा हुआ आरक्षण दिया गया था। हालांकि बिहार ऐसा पहला राज्य नहीं है, जहां इस तरह से आरक्षण की लिमिट बढ़ाने की कोशिश को अदालत से झटका लगा है। बिहार से पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ऐसा हुआ है।

फिर भी एक राज्य तमिलनाडु ऐसा है, जो अपवाद है। यहां 69 फीसदी आरक्षण बीते करीब 35 सालों से जारी है। दरअसल वर्ष 1992 के ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने इंदिरा साहनी मामले में जातिगत आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट तय की थी। अब यह सवाल उठता है कि फिर तमिलनाडु में क्यों 69 फीसदी का जातीय आरक्षण मिल रहा है। दरअसल इसके लिए 50 साल पीछे जाना होगा है। वर्ष 1971 तक तमिलनाडु में 41 फीसदी आरक्षण था। फिर जब अन्नादुरई के निधन के बाद करुणानिधि सीएम बने, तब उन्होंने सत्तानाथ आयोग का गठन किया। इस आयोग की सिफारिश पर उन्होंने 25 फीसदी ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 31 कर दिया। इसके अलावा एससी-एसटी के कोटे को 16 से बढ़ाकर 18 किया गया। इस तरह राज्य में कुल जातीय आरक्षण बढ़कर 49 फीसदी हो गया। इसके बाद 1980 में आई एआईएडीएमके सरकार ने पिछड़ा वर्ग का कोटा बढ़ाकर 50 फीसदी किया। एससी-एसटी का 18 प्रतिशत था ही। इस तरह कुल आरक्षण राज्य में 68 प्रतिशत हो गया। इसके बाद 1989 में करुणानिधि की जब सरकार आई, तब कोटे में ही 20 फीसदी आरक्षण अति पिछड़ा के लिए अलग से दिया गया। इसके बाद 1990 में मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के बाद 18 फीसदी एससी आरक्षण के अलावा एसटी कोटा 1 फीसदी अलग से दिया गया। इस तरह कुल कोटा तमिलनाडु में बढ़कर 69 फीसदी हो गया। इसके बाद 1992 में सुप्रीम कोर्ट से इंदिरा साहनी केस में फैसला आया। इसमें कहा गया कि जातिगत आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं हो सकता। अदालत ने संविधान के आर्टिकल 16(4) का जिक्र कर यह आदेश दिया। इसके बाद जब 1993-94 में शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले की बारी आई, तब की जयललिता सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस साल पुराने आरक्षण से एडमिशन ले सकते हैं, लेकिन अगले सत्र से 50 फीसदी लिमिट का नियम मानना होगा। इस पर जयललिता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी। यहां भी जयललिता

सरकार झटका लगा था।

अदालत से झटके पर जयललिता सरकार ने नवंबर 1993 में विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाकर प्रस्ताव पारित हुआ था। फिर इस प्रस्ताव को लेकर वह तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के पास गई थीं। तब राव सरकार ने तमिलनाडु वाले आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल दिया था। दरअसल यहां मसला यह है कि नौवीं अनुसूची में शामिल विषयों की अदालत में समीक्षा नहीं की जा सकती। इस तरह तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण निर्बाध चला रहा है।

कई देश डॉलर से बनाना चाहते हैं दूरी, गिरती जा रही हिस्सेदारी

- वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में दुनिया के सेंट्रल बैंक्स में डॉलर का शेयर 58.4 फीसदी रह गया

मुंबई ।

अमेरिका की करेंसी डॉलर करीब आठ दशकों से दुनिया की इकॉनामी पर एकछत्र राज करती आई है। आपसी कारोबार के लिए दुनिया डॉलर पर ही निर्भर रहा है लेकिन अब कई देश डॉलर से दूरी बनाना चाहते हैं। यही वजह है कि दुनिया के सेंट्रल बैंक्स के रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी लगातार गिरती जा रही है।` वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में दुनिया के सेंट्रल बैंक्स में डॉलर का शेयर 58.4 फीसदी रह गया है जो तीसरी तिमाही में 59.2 फीसदी था। साल 2000 में इसकी हिस्सेदारी 71 फीसदी थी। हालांकि यह अब भी दूसरे करेंसीज के मुकाबले कहीं आगे हैं। जैसे चीन की करेंसी युआन की हिस्सेदारी चौथी तिमाही में केवल 2.3 फीसदी थी जबकि यूरो की हिस्सेदारी करीब 20 फीसदी है। दूसरी ओर साल 2023 के अंत में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 17.6 फीसदी पहुंच गई। यह 27 साल में सबसे ज्यादा है। साल 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो अमेरिका ने उस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। पश्चिमी देशों ने रूस का करीब आधा विदेशी मुद्रा भंडार फ्रीज कर दिया। रूस के प्रमुख बैंको को` स्विफट से हटा दिया गया। यह सिस्टम सीमा पार इंटरनेशनल पेमेंट की सुविधा है। चीन का पहले से ही अमेरिका से तनाव चल रहा है। उसे लग रहा है कि अमेरिका उसके साथ भी यही हथियार चल सकता है। इसे देखते हुए रूस और चीन अपना वित्तीय ढांचा तैयार करने में जुट गए। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनामी है, जबकि रूस दुनिया का सबसे बड़ा उर्जा ` निर्यातक है। दोनों देश तेल के लिए युआन में भुगतान कर रहे हैं। सऊदी अरब भी कच्चे तेल के बदले में चीन से युआन में भुगतान लेने को तैयार है। बाकी देश भी डॉलर का विकल्प सोच रहे हैं। इसमें अमेरिका के करीबी दोस्त भी शामिल हो रहे हैं। इससे डॉलर को झटका लगा है। इस बीच साल की पहली तिमाही में दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने रेकॉर्ड 290 टन सोना खरीदा। केंद्रीय बैंकों के भारी मात्रा में सोना खरीदने के कारण सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है।

वोडाफोन ने इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बेचकर जुटाए 15,300 करोड़

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की दूरसंचार दिग्गज वोडाफोन पीएलसी ने टावर मैनेजमेंट कंपनी इंडस टावर्स के 48.47 करोड़ शेयर बेचकर 15,300 करोड़ रुपये जुटा लिए। जेपी मॉर्गन के अनुसार यह रा शि वोडाफोन समूह के मौजूदा लेनदारों के कर्ज भुगतान में जाएगी लेकिन इंडस टावर्स को खुद 4,250 करोड़ रुपये से कम रा शि मिलेगी। हिस्सेदारी बिक्री के बाद इंडस टावर्स में वोडाफोन पीएलसी की हिस्सेदारी 21.5 फीसदी से घटकर 3.1 फीसदी रह गई है।

भारती एयरटेल ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि उसने 2.89 करोड़ शेयर का अधिग्रहण किया है और कंपनी की कुल हिस्सेदारी अब करीब 49 फीसदी हो गई है। वोडाफोन पीएलसी ने कहा कि उसे कुल 153 अरब रुपये प्राप्त हुए हैं। इसका उपयोग वोडाफोन के मौजूदा लेनदारों के कर्ज को चुकाने में होगा जो वोडाफोन की भारतीय परिसंपत्तियों के बदले ली गई 1.8 अरब यूरो की उधारी से संबंधित है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि इंडस टावर्स का वोडाफोन पीएलसी की मूल 21 फीसदी हिस्सेदारी को इंडस टावर्स ने भी गिरवी रखा है। उन्होंने इंडस टावर्स के एक वे रिष्ठ अ धिकारी के साथ बैठक के बाद यह बात कही। विश्लेषक नोट में उसने कहा कि बिक्री के बाद वोडाफोन पीएलसी सबसे पहले प्राथमिक गिरवीदारों के बकाये का भुगतान करेगी और बाकी रकम इंडस टावर्स के बकाए में जाएगी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर अधिकतम 4,250 करोड़ रुपये हो सकती है। भारती इन्फ्राटेल और इंडस टावर्स के विलय के दौरान तय सिक्योरिटी पैकेज में इस बात पर सहमति थी कि वोडाफोन पीएलसी की इंडस टावर्स में 21 फीसदी हिस्सेदारी उसके लेनदारों की तरफ से प्राथमिक गिरवी थी, जो वोडाफोन पीएलसी की तरफ से 2019 में आइडिया के राइट्स इश्यू में भागीदारी के लिए लिए गए 1.4 अरब डॉलर के कर्ज के बदले थी।

जगुआर लैंड रोवर 1.9 लाख करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स की लक्जरी वाहन कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने वित्त वर्ष 2028 तक करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये लगाने की योजना बनाई है। इसका बड़ा हिस्सा नए उत्पाद बनाने में खर्च होगा। ब्रिटेन की यह कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक 10 फीसदी एबिटा प्राप्त करना चाहती है। अप्रैल 2023 में जेएलआर ने वित्त वर्ष 2028 तक के पांच साल में 15 अरब पाउंड निवेश की योजना बनाई थी। कंपनी ने 2030 तक खुद को इलेक्ट्रिक फर्स्ट लक्जरी कंपनी को प्राथमिकता देने वाली कंपनी बनाने की घोषणा भी की थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 3.3 अरब पाउंड निवेश किया और वित्त वर्ष 2025 के लिए 3.5 अरब पाउंड के निवेश का लक्ष्य रखा था। कंपनी द्वारा साझा की गई इन्वेस्टर डे 2024 की प्रस्तुति में कहा गया कि जेएलआर की नजर वित्त वर्ष 2025 में 8.5 फीसदी से अधिक एबिटा मार्जिन हासिल करने पर है। कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक उसे बढ़ाकर 10 फीसदी करना चाहती है। जेएलआर के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने पिछले साल कहा था कि कंपनी अपनी रीइमेजिन रणनीति के तहत 2030 तक इलेक्ट्रिक-फर्स्ट आधुनिक लक्जरी कार विनिर्माता के रूप में पहचान बनाएगी। उन्होंने कहा था कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 तक नकदी के मोर्चे पर शुद्ध रूप से सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगी और 2026 तक दो अंकों का एबिटा हासिल करने के अपने वित्तीय लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024 में 29 अरब पाउंड की रिकॉर्ड आय के साथ जेएलआर ने दमदार प्रदर्शन किया।

सेबी ने रिलिगेयर को दिया ओपन ऑफर के लिए आवेदन करने का आदेश

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) रिलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) को बर्मन पे रिवार की तरफ से ओपन ऑफर की वैधानिक मंजूरी के लिए 12 जुलाई से पहले आवेदन करने का निर्देश दिया है। पिछले साल सितंबर में बर्मन ग्रुप ने रेल में अतिरिक्त 5.7 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिससे उनकी हिस्सेदारी 26 फीसदी से ज्यादा हो गई और ओपन ऑफर की जरूरत पड़ गई। हालांकि रेल ने सेबी को लिखा कि अधिग्रहणकर्ता फिट और उचित नहीं हैं और बोर्ड ने ओपन ऑफर के लिए आवेदन नहीं किया। सूत्रों के अनुसार बाजार` नियामक द्वारा इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों की अलग से जांच कर रहा है और ओपन ऑफर के इस आदेश में उस मामले का कोई जिक्र नहीं किया है। बर्मन समूह ने आरोप लगाया कि रिलिगेयर बोर्ड ओपन ऑफर में रुकावट डाल रहे थे, जबकि उन्होंने शिकायत की थी कि बर्मन पे रिवार अधिग्रहण के लिए फिट और उचित नहीं थी। सेबी ने कहा कि रेल ने कथित अनियमितताओं को साबित करने वाले कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिए हैं। सेबी ने कहा कि शेयरहोल्डर्स द्वारा उक्त अधिकार के प्रयोग को टारगेट कंपनी के मौजूदा मैनेजमेंट के डिजाइनों के लिए बंधक नहीं बनाया जा सकता है, खासकर ऐसे मामलों में जहां मौजूदा मैनेजमेंट अधिग्रहण करने वालों के प्रति दुश्मनी जैसा व्यवहार कर रहा हो और अधिग्रहण की सुविधा में हितों के टकराव का सामना करना पड़ रहा हो। बाजार नियामक ने कहा कि नियंत्रण में प्रस्तावित बदलाव के कारण अधिग्रहणकर्ताओं द्वारा शेयरों या नियंत्रण को ओपन ऑफर में लाया जाएगा। नियम केवल कंपनी को ओपन ऑफर के लिए आवेदन करने और किसी यूनिट की हिस्सेदारी 26 फीसदी से पार होने पर मौजूदा शेयरहोल्डर्स को एग्जिट का विकल्प देने की अनुमति देते हैं।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने पिछले 4 साल में जोरदार रिटर्न दिया

- कंपनी के शेयरों ने दिया 350 फीसदी का रिटर्न, ब्रोकरेज ने कहा- अभी और ऊपर जाएगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी बजाज इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने पिछले चार साल में जोरदार रिटर्न दिया है। 4 साल में कंपनी के शेयर 358 फीसदी तक ऊपर चढ़े हैं। वहीं पिछले 8 साल में यह शेयर 430 फीसदी ऊपर जा चुका है। इस समय शेयर की कीमत 1050 रुपये हो गई है। बुधवार को बजाज इलेक्ट्रिकल्स का शेयर 1.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ लेकिन ब्रोकरेज अभी इस शेयर में दम देख रहे हैं। एक घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने कहा है कि इस शेयर में अभी बढ़त जारी रह सकती है। इलेक्ट्रिकल उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ कंपनी को मिलेगा। फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल गुड्स के बाजार में कंपनी की पकड़ अच्छी है। ब्रोकरेज के अनुसार कंपनी की ग्रामीण क्षेत्रों में उसके समकक्षों के मुकाबले अच्छी पकड़ है और वहां मांग में सुधार का कंपनी को फायदा मिलेगा। कंपनी के पास अच्छा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। साथ ही कंपनी की 80 साल पुरानी विरासत है जिससे इसे लोगों का भरोसा भी मिलता है। ब्रोकरेज का मानना है कि अभी भी ये शेयर अपने समकक्षों के मुकाबले काफी कम पर कारोबार कर रहा है। उनका कहना है कि इसका मौजूदा प्राइस वित्त वर्ष 27 के ईपीएस (प्रति शेयर अर्निंग) से 28 गुना अधिक है जो इसी सेगमेंट की अन्य कंपनियों के मुकाबले कम है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। कंपनी को बीते वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में 1211 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला था जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 1313 करोड़ रुपये था। मार्च तिमाही में कंपनी को 29 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था जो एक साल पहले की समान तिमाही में 52 करोड़ रुपये था। मौजूदा शेयर प्राइस पर कंपनी का मार्केट कैप 12251 करोड़ रुपये है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । ऑयल मार्केटिंग कंपनियां वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल के दाम तय करती है। हर दिन सुबह 6 बजे इनके दाम अपडेट होते हैं। गुरुवार को भी सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट हो गए हैं। देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं अगर मुंबई की बात करें तो पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये में मिल रहा है।

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली । ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने कहा कि आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा। एंकर निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे। ब्रोकिंग कंपनियों ने निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,860 करोड़ रुपये बताया गया है। आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है। इसके अलावा, प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है। नए निर्गम से प्राप्त 720 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कर्ज भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। दिसंबर, 2023 तक कंपनी के खातों पर कुल कर्ज करीब 808 करोड़ रुपये था।

सरकार ने दो देशों को 2,000 टन गैर-बासमती चावल निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । सरकार ने दो अफ्रीकी देशों मलावी और जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति प्रदान कर दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है। मलावी दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरुद्ध देश है, जबकि जिम्बाब्वे एक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्र है। अधिसूचना के अनुसार दोनों देशों को 1,000 टन गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी गई। डीजीएफटी ने कहा` कि एनसीईएल अधिसूचना के माध्यम से मलावी और जिम्बाब्वे को गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात की मंजूरी। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन समितियों में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) हैं। जीसीएमएमएफ को अमूल के नाम से जाना जाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ रिकार्ड 77,478 स्तर पर बंद

निफ़्टी भी उछलकर 23,567 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। विदेशी निवेशकों की खरीदारी से भी बाजार को बल मिला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77,643.09 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद आज फीसदी करीब 141.34 अंक बढ़कर 77,478.93 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.22 फीसदी तकरीबन 51 अंक बढ़कर 23,567 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील 1.67 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेण्ट, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर सनफार्मा का शेयर सबसे ज्यादा 2.24 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, विप्रो, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, टाइटन, मारुति, बजाज फिनसर्व, टीसीएस के शेयर नीचे आये। जानकारों के अनुसार आज दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक जैसे शेयरों में खरीदारी से बाजार को बल मिला

दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल और जापान का टोक्यो बढ़ा है जबकि शंघाई और हांगकांग के बाजार नीचे आये हैं। यूरोपीय बाजारों में भी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से कारोबारी ` दिन भारतीय शेयर बाजार में हल्की तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 77,400 के ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 50 23 अंक बढ़कर 23,539 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई लाइफ, एलएंडटी, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को, टाटा मोटर्स, और एमएंडएम बेंचमार्क पर शीर्ष बढ़त हासिल करने वाले शेयरों में शामिल थे, जो 1.7 फीसदी तक बढ़े। वहीं सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, डिविस लैब्स, नेस्ले इंडिया, और ओएनजीसी शीर्ष गिरावट वाले शेयरों में शामिल थे। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स अपरिवर्तित रहा, और बीएसई स्मॉलकैप ने 0.27 फीसदी की बढ़त हासिल की।

डीजीसीए ने समुद्री विमान परिचालन से जुडे नियम आसान बनाए

मुंबई । विमानन नियामक डीजीसीए ने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत समुद्री विमान परिचालन से जुड़े नियमों को आसान बना दिया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि संशोधित मानदंड बुनियादी ढांचा प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण जरूरतों और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे। इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक समुद्री विमान सेवाओं के पहुंचने का रास्ता साफ होगा। संशोधित विनियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताएं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल की जाएंगी। डीजीसीए ने कहा` कि डीजीसीए कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे को युक्तिसंगत बनाने और उसमें संशोधन की सिफारिश के बाद संशोधित विनियम लागू किए गए हैं। नए मानदंडों के तहत वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) वाले पायलट अब विश्व स्तर पर किसी भी आईसीएओ से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर सीप्लेन-रेटेड पायलट के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में समुद्री विमान केंद्रों पर रोजगार मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

महाराष्ट्र में नया बंदरगाह बनाने 76,200 करोड़ का प्रस्ताव मंजूर

महाराष्ट्र में नया बंदरगाह बनाने 76,200 करोड़ का प्रस्ताव मंजूर

बंदरगाह परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड करेगी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कई परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र के वधावन में नया बंदरगाह बनाने के लिए 76,200 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके साथ मंत्रिमंडल ने वाराणसी हवाई अड्डे के विकास के लिए 2,869 करोड़ रुपये और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 7,453 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। इस बंदरगाह परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) करेगी जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) की विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) है। इसमें जेएनपीए की 74 फीसदी और एमएमबी की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया है कि वधावन में बनने वाला यह बंदरगाह दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में से एक होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि इस परियोजना से 12 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं को व्यवहारिक बनाने के लिए 7,453 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी मिली है। इस योजना में एक गीगावाट की अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना और चालू करने के लिए 6,853 करोड़ रुपये का परिव्यय तथा अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की लॉजिस्टिक जरूरतों को पूरा करने के लिए दो बंदरगाहों के उन्नयन के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान शामिल है। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में हवाई अड्डे के विकास में नए टर्मिनल भवन का निर्माण, पार्किंग और हवाई पट्टी का विस्तार, समानांतर टैक्सी ट्रैक और अन्य कार्य शामिल हैं। इस पर 2,869.65 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

योगा दिवस पर दिया भरत ने खास संदेशः शेमारू उमंग

मुंबई : शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में सिद्धार्थ का किरदार निभा रहे भरत अहलावत न केवल अपने आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, बल्कि इंडस्ट्री में सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं। भरत ने कहा फिट रहना और अच्छा दिखना अक्सर आवश्यक होता है और योग दिवस पर, भरत ने कुछ बातें भी साझा की। अभिनेता भरत बताते हैं, एक कलाकार के तौर पर हमारे लिए फिट रहना साथ ही सकारात्मक मानसिक स्थिति बनाए रखना बहुत जरूरी है। साफ तौर पर कहा जाए तो शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। एक ओर जिम वर्कआउट हमारे शरीर को फिट बनाए रखने में मदद करता है जबकि योगा हमें मानसिक रूप से सुकून देता है। योगा का अभ्यास मेरे लिए बहुत लाभकारी रहा है। योगा एक प्राचीन प्रथा है जो कई तरीकों से लाभकारी सिद्ध हुई है।

आरबीआई ने द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाओं के अभाव के कारण द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द कर दिया। रिजर्व बैंक ने कहा कि महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने के लिए कहा गया है। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल पांच लाख रुपए की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने कहो ` कि बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 87 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 14 जून, 2024 तक बैंक के संबंधित जमाकर्ताओं से प्राप्त इच्छा के आधार पर कुल बीमित जमाराशियों में से 230.99 करोड़ रुपए का भुगतान पहले ही कर दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि मुंबई स्थित सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

टी20 विश्व कप सुपर आठ : दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड का मुकाबला आज

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ में शुक्रवार को इंग्लैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। इस मुकाबले में जीतकर दोनो ही टीमें सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करने उतरेंगी। इससे पहले इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका को हराया था। इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजी आक्रमण की टक्कर दक्षिण अफ्रीका के ताकतवर गेंदबाजी आक्रमण से होगी। इंग्लैंड की टीम ग्रुप में नेट रनरेट प्लस 1.34 के आधार पर शीर्ष पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका का नेट रनरेट उससे कम प्लस 0 . 90 है। ऐसे में अब दक्षिण अफ्रीका को हराने पर इंग्लैंड की सेमीफाइनल में जगह तकरीबन तय हो जाएगी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका को सुपर आठ चरण के पहले मैच में अमेरिका से बड़ी मुश्किल से 18 रन से जीत मिली जबकि इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया था। इंग्लैंड ने जीत के 181 रन के लक्ष्य को फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से 17.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था। साल्ट एक बार फिर कप्तान जोस बटलर के साथ इंग्लैंड को शानदार शुरूआत दिलाना चाहेंगे।

वहं जॉनी बेयरस्टो ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 48 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की है। इससे पहले वह कुल 46 रन ही बना सके थे। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हालांकि इस मैच में कगिसो रबाडा की रफ्तार और केशव महाराज की स्पिन से सावधान रहना होगा। इन दोनों ने अमेरिका के खिलाफ बीच के और डैथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की थी।

दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की बात ये है कि क्विंटोन डिकॉक फॉर्म में आ गये हैं। डिकॉक ने अमेरिका के खिलाफ 40 गेंद में 74 रन बनाए। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

टीम

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीका = एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

प्रशंसक मुझे मैच बदलने वाले खिलाड़ी के तौर पर याद करेंगे : वार्नर

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। इस विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कहने जा रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह अपने करियर में हमेशा ही आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। वार्नर के अनुसार को वाकई क्रिकेट को पसंद करते हैं वे उन्हें एक ऐसे आक्रामक बल्लेबाजी के तौर पर याद रखेंगे जो अपनी बल्लेबाजी से खेल को बदलने का प्रयास करता रहा है जिसमें वह कभी सफल तो कभी असफल हुआ है। वार्नर को साल 2018 के दक्षिण अफ्रीकी दौरे में गेंद से छेड़छाड़ मामले में भी फंसने के बाद एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया किया था हालांकि इसके बाद टीम में वापसी के करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

वार्नर ने कहा, 'वापसी करते हुए साल 2018 से मैं शायद अकेला ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जिसने बहुत आलोचना झेली है। उन्होंने कहा, 'जब मैं वापस आया तो मेरे लिए चीजें आसान नहीं थी और मुझे यह पता था। वार्नर ने सभी प्रारूपों में 49 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 19000 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से ही ऐसा व्यक्ति रहा हूं जिसने दबाव का सामना किया है। मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि मैंने बहुत से लोगों से बहुत दबाव कम किया है और मुझे लगता है कि मैं इसे झेलने में सक्षम रहा हूं। साथ ही कहा कि अब संन्यास के कारण मैं इस प्रकार के दबाव से बच जाऊंगा।

विदेशी लीग क्रिकेट खेलने विलियम्सन नहीं कर रहे केन्द्रीय अनुबंध

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने केन्द्रीय अनुबंध करने से इंकार कर दिया है। इससे पहले तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने भी लीग क्रिकेट खेलने के लिए अनुबंध ठुकरा दिया था। विलियमसन ने कहा है कि वह 2024-25 सीजन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि वह विदेशी लीग क्रिकेट खेलना चाहते हैं। विलियमसन विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं उनका इस प्रकार अनुबंध न करना कीवी क्रिकेट के लिए बड़ा झटका है। क्रिकेट बोर्ड ने भी विलियमसन के अनुबंध नहीं करने की बात मानी है। बोर्ड ने कहा है कि विलियमसन अगले सत्र के लिए सेंट्रल अनुबंध नहीं करना चाहते पर वह तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहेंगे।

विलियमसन पिछले एक दशक से न्यूजीलैंड क्रिकेट की बल्लेबाजी संभाले रहे हैं। वे न्यूजीलैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक है। विलियमसन ने 100 टेस्ट मैच में 32 शतकों की मदद से 8743 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय प्रारूप में उनके नाम 165 मैच में 6810 रन दर्ज हैं। उन्होंने 93 टी20 इंटरनेशनल मैच में 2575 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हर प्रारूप में आगे ले जाना चाहता हूं और इसके लिए हर मदद करूंगा पर मैं गर्मियों के दौरान मैं विदेशी लीग में खेलने के मौके तलाशना चाहता हूं। इसलिए अनुबंध नहीं कर रहा हूं।'

वहीं इससे पहले बोल्ट ने करार छोड़कर अलग-अलग देशों की टी20 और टी10 लीग क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था पर वह किसी बड़ी सीरीज और आईसीसी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहे हैं।

सितंबर से शुरू होगा टीम इंडिया का टेस्ट सीजन, 5 टेस्ट का शैड्यूल आया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट विश्व कप के बाद भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट सीजन के लिए तैयार होगी। विश्व कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मुकाबले होने हैं, बीसीसीआई यहां पर आईपीएल स्टार्स से भरी टीम भेजने की तैयारी में है। मुख्य प्लेयरों को इस जिम्बाब्वे के दौरे से दूर रखा जाएगा ताकि वह टेस्ट सीजन के लिए तैयारी कर सकें। आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत भारतीय टीम ने सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट खेलने हैं। पहला मुकाबला 19 सितंबर से शुरू होगा। चेन्नई और कानपुर में टेस्ट होंगे। इसके बाद धर्मशाला, दिल्ली और हैदराबाद में तीन टी20 मैच खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड का भारत का टेस्ट दौरा 16 अक्टूबर को बेंगलुरु में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। पुणे दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा जबकि अंतिम टेस्ट मुंबई में होगा। 5 मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने के बाद भारत 22 जनवरी से 12 फरवरी तक खेली जाने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करने के लिए स्वदेश लौटेगा जिसमें 5 टी20ई और 3 वनडे शामिल हैं। ञ20ड्ड चेन्नई, कोलकाता, राजकोट, पुणे और मुंबई में आयोजित किए जाएंगे। नागपुर, कटक और अहमदाबाद तीन वनडे मैचों की मेजबानी करेंगे।

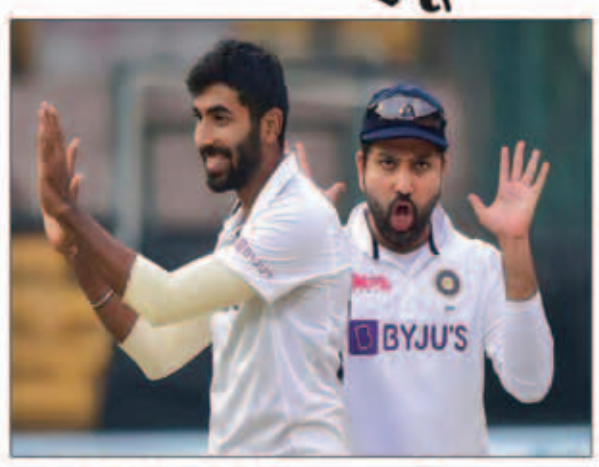

भारत का 2024-25 घरेलू सीजन

बांग्लादेश का भारत दौरा

पहला टेस्ट : चेन्नई : 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9:30 बजे

दूसरा टेस्ट : कानपुर : 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे

पहला टी-20 : धर्मशाला: 6 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

दूसरा टी20आई : दिल्ली : 9 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

तीसरा टी20आई : हैदराबाद :12 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

पहला टेस्ट : बेंगलुरु : 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे

दूसरा टेस्ट : पुणे : 24 अक्टूबर से 28 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे

तीसरा टेस्ट : मुंबई :1 नवंबर से 5 बजे, सुबह 9:30 बजे तक

इंग्लैंड का भारत दौरा

पहला टी-20: चेन्नई : 22 जनवरी, शाम 7:00 बजे

दूसरा टी20आई : कोलकाता : 25 जनवरी, शाम 7:00 बजे

तीसरा टी-20 : राजकोट : 28 जनवरी, शाम 7:00 बजे

चौथा टी-20 : पुणे : 31 जनवरी, शाम 7:00 बजे

5वां टी20आई : मुंबई : 2 फरवरी, शाम 7:00 बजे

पहला वनडे : नागपुर : 6 फरवरी, दोपहर 1:30 बजे

दूसरा वनडे : कटक : 9 फरवरी दोपहर 1:30 बजे

तीसरा वनडे : अहमदाबाद : 12 फरवरी दोपहर 1:30 बजे

हंगरी को हराकर जर्मनी ने यूरो कप के नॉकआउट चरण में किया प्रवेश

लीपजिग । जर्मनी ने जमाल मुसियाला के शानदार गोल की बदौलत यूरो कप के ग्रुप ए के मुकाबले हंगरी को 2-0 से हराकर नॉकआउट चरण मे प्रवेश कर लिया है। बुधवार की रात खेले गये मुकाबले में अपने घरेलू मैदान मे खेल रहे मुसियाला ने पहले हाफ के 22वें मिनट मे गोल दाग कर जर्मनी को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में जर्मनी के कप्तान इल्के गुंडोगन ने 67वें मिनट में एक आसान गोल कर बढ़त को दो गुना कर दिया। यूरो कप के दो मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए। क्रोएशिया और अल्बानिया के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा। वही स्कॉटलैंड और स्विट्जरलैंड के बीच खेला गया मुकाबला भी 1-1 से ड्रॉ रहा।

अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं श्रेयस

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी करीब है। अगर गौतम गंभीर मुख्य कोच बनते हैं तो उन्हें टीम में जगह मिलना तय है। ऐसे मे श्रेयस जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। श्रेयस को 5 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी चुना जा सकता है पर श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उन्हें जगह मिलने की ज्यादा उम्मीदें हैं। गंभीर आईपीएल में केकेआर के मेंटोर थे जबकि श्रेयस कप्तान। ऐसे में दोनों मे अच्छा तालमेल है। श्रेयस को रणजी ट्रॉफी खेलने से आनाकानी करने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया गया था पर अब वह भी उन्हें दिया जा सकता है। जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की श्रृखला के लिये टीम की घोषणा अगले सप्ताह होगी। ऐसी संभावना है कि श्रेयस को श्रीलंका में 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृखला के लिए भी शामिल किया जा सकता है। उसने विश्व कप मे 500 से अधिक रन बनाए थे और उसका औसत 50 के करीब है। वही माना जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी अब एकदिवसीय और टेस्ट पर ही ध्यान देंगे।

भारत/जिम्बाब्व टी20 सीरीज में वीवीएस लक्ष्मण होंगे कोच, गंभीर श्रीलंका दौरे से संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीवीएस लक्ष्मण और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उनका सहयोगी स्टाफ छह जुलाई से शुरू हो रही 5 मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा कर सकता है जबकि गौतम गंभीर के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल श्रीलंका दौरे से शुरू करने की उम्मीद है। जिम्बाब्वे श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा इस हफ्ते के अंत में होगी जो 22 या 23 जून को हो सकती है। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (ड्डष्ट्ठ) के 'टारगेट% सूची वाले खिलाड़ी इस समय एनसीए में लक्ष्मण की देखरेख में शिविर में हिस्सा ले रहे हैं।

गंभीर महिला टीम के पूर्व मुख्य कोच डब्ल्यूवी रमन को पछाड़कर इस समय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच बनने के प्रबल दावेदार हैं। घोषणा महज औपचारिकता होगी और इसकी घोषणा अगले कुछ दिन में हो सकती है। गंभीर को बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच सहित अपना सहयोगी स्टाफ चुनने का मौका भी मिलेगा। समझा जा सकता है कि गंभीर अपना कार्यकाल जुलाई के मध्य से शुरू कर सकते हैं जब भारतीय टीम सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए श्रीलंका दौरा करेगी जिसमें उसे तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे खेलने हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि ऐसी संभावना है कि लक्ष्मण एनसीए के कुछ कोच के साथ युवा चेहरों से भरी टीम के साथ जिम्बाब्वे की यात्रा कर सकते हैं। राहुल द्रविड़ और अन्य कोच जब अपने कार्यकाल के दौरान ब्रेक लेते थे तो लक्ष्मण और एनसीए की टीम ने हमेशा उनकी जिम्मेदारी उठायी है। यह भी तय है कि युवा टीम को ही जिम्बाब्वे भेजा जाएगा लेकिन इसमें टी20 विश्व कप दल के 6 से 7 सदस्य शामिल होंगे। पर रियान पराग, अभिषेक शर्मा और आल राउंडर नितीश रेड्डी को चुनना निश्चित लग रहा है लेकिन यश दयाल और हर्षित राणा को भी पहली दफा मौका मिल सकता है।

टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या हो सकते हैं, अगर उन्होंने आराम देने की मांग नहीं की, वर्ना सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है जिन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैच और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हुई श्रृंखला में टी20 टीम की अगुआई की थी।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण विजेता एथलीटों पर बरसेगा धन

पेरिस । पेरिस ओलपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलपिक खेलो में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय ओलपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा। '' इसके अलावा रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीटों को ही शामिल किया जाएगा।

टी20 क्रिकेट के लायक नहीं बाबर : सहवाग

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट के लायक नहीं हैं। उनके पास वह तेजी नहीं है जो इसके लिए जरुरी है। टी20 विश्वकप मे पाक टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही आजम आलोचना का शिकार हुए है। पाक टीम टी20 विश्वकप मे सुपर आठ मे भी नहीं पहुच पायी है। उसे अमेरिका से भी हार झेलनी पड़ी है। इस टूर्नामेंट के दौरान बाबर अपने कम स्ट्राइक रेट को लेकर भी निशाने पर रहे हैं। इसी को लेकर सहवाग ने कहा कि बाबर टी20 टीम के योग्य नहीं हैं। बाबर ने चैंपियंस 2017 ट्रॉफी 2017 और टी20 विश्व कप में 2022 में अच्छा खेल दिखाया पर अब उनका फार्म चला गया है। सहवाग ने एक शो के दौरान कहा कि बाबर उस तरह के बल्लेबाज नहीं हैं जो छक्के मार सकें। वह ऐसा तभी करते है जब वह सेट होते हैं और स्पिन गेंदबाजी का सामना करते हैं। मैंने उन्हें कभी भी पिच पर आगे बढ़ते या तेज गेंद मारते नहीं देखा। यह उसका खेल नही है। वह सुरक्षित क्रिकेट खेलता है, इसलिए वह लगातार रन बनाता है पर उसका स्ट्राइक रेट अच्छा नही है। एक कप्तान के रूप में आपको यह देखना होगा कि क्या यह खेल टीम के लिए अहम है। यदि नही, तो उन्हें निचले क्रम पर उतरते हुए किसी और को भेजना चाहिये जो पावरप्ले मे बड़े शॉट मार सके और टीम को 50-60 रन दे सके।

न्यूजीलैंड के लिये तीनों प्रारूपों में खेलने हमेशा तैयार हूं : विलियमसन

वेलिंगटन (एजेंसी)। टी20 विश्वकप के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने वाले बल्लेबाज केन विलियमसन ने कहा है कि वह अब लीग क्रिकेट खेलेंगे पर जब भी देश को जरुरत होगी वह राष्ट्रीय टीम से खेलने के लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलना उनकी पहली पसंद और प्राथमिता बनी रहेगी। विलियमसन ने कहा है कि अगले साल एसए 20 लीग खेलने के लिए ही उन्होंने केंद्रीय अनुबंध नहीं किया है पर कहा कि वह न्यूजीलैंड के लिये तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए कभी भी तैयार रहेंगे। एसए 20 नौ जनवरी से आठ फरवरी 2025 के बीच खेली जायेगी और इसी दौरान न्यूजीलैंड में सुपर स्मैश भी होना है।

न्यूजीलैंड के नियमों के अनुसार केंद्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने की दिशा में सुपर स्मैश में खेलना अनिवार्य रहता है। विलियमसन ने टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद स्वदेश लौटने पर कहा, 'मैं जब तक खेल सकता हूं, खेलना चाहता हूं। उस दौरान कई बेहतरीन टूर्नामेंट है पर एसए 20 अभी अच्छा लग रहा है। इसके लिए मुझे केंद्रीय अनुबंध ठुकराना होगा। विलियमसन ने सीमित ओवरों की कप्तानी भी छोड़ दी है लेकिन यह कहा कि अभी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मेरी प्राथमिकता न्यूजीलैंड के लिए खेलना बना रहेगा । तीन सप्ताह के दौरान में कुछ मैचों से बाहर रह सकता हूं। इससे साफ है कि वह जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 श्रृंखला नहीं खेलेंगे। वह हालांकि सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।

भारतीय तीरंदाज विश्व कप में पदक से चूके, ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने पर निगाहें

अंताल्या (तुर्की) (एजेंसी)। भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जिससे दोनों बृहस्पतिवार को यहां विश्व कप के तीसरे चरण में पदक से चूक गयीं लेकिन अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने के करीब हैं। विश्व कप के तीसरे चरण में भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम अंतिम 16 तक पहुंची। अब दोनों टीमों को सोमवार तक का इंतजार करना होगा जब विश्व तीरंदाजी द्वारा रैंकिंग के आधार पर आधिकारिक सूची की घोषणा की जाएगी।

नए नियम के अनुसार रैंकिंग से उन दो शीर्ष देशों को ओलंपिक कोटा दिया जाता है जो ओलंपिक क्वालीफायर के जरिए कोटा हासिल नहीं कर सके। इस विश्व कप से पहले अंताल्या में फाइनल ओलंपिक क्वालीफायर कराया गया था। भारत ने धीरज बोम्मादेवरा और भजन कौर की बदौलत क्रमश- पुरुष और महिला वर्ग का ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। क्वालीफाई नहीं करने वाले देशों में भारत को शीर्ष दो रैंकिंग में बने रहने के लिए टीम स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी ताकि वे कट हासिल कर सकें।

टीम कोटे से भारत अगले महीने पेरिस ओलंपिक में सभी पांच स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पधा) में हिस्सा लेने में सफल रहेगा। भारतीय पुरुष टीम रैंकिंग में दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे नंबर पर है। दक्षिण कोरिया पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय महिला टीम रैंकिंग में आठवें नंबर पर है जबकि शीर्ष सात देश दक्षिण कोरिया, चीन, जर्मनी, फ्रांस, मेक्सिको, अमेरिका और चीनी ताइपे पहले ही क्वालीफायर से ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

विश्व कप का तीसरा चरण रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करने के लिए अंतिम मौका था। भजन कौर, दीपिका कुमारी और अंकिता भकत की महिला तिकड़ी ने यूक्रेन को 5-3 (53-52, 53-54, 57-54, 53-53) से हराया और अपना स्थान पक्का करने के लिए उन्हें एक और जीत की दरकार थी। पर सेमीफाइनल में उन्हें ओलंपिक के मेजबान देश फ्रांस से शूटऑफ में 4-5 (52-59, 56-57, 58-55, 57-53) (25-28) से पराजय मिली। कांस्य पदक के प्लेऑफ में भारतीय तिकड़ी जापान से सीधे सेट में 0-6 (51-55, 53-54, 53-54) से हार गयी। धीरज, तरुणदीप राय और प्रवीण जाधव की पुरुष तिकड़ी प्री क्वार्टरफाइनल में नीदरलैंड से 1-5 (58-58, 53-54, 57-58) से पराजित हुई।

सऊदी अरब में मरने वाले 900 से अधिक हाजियों में 35 पाकिस्तानी

रियाद। सऊदी अरब में इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण हज यात्रा के दौरान दुनिया भर से आए 900 से अधिक हज यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें कम से कम 35 पाकिस्तानी तीर्थयात्री शामिल हैं। सरकार ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस वर्ष अत्यधिक गर्मी और खराब मौसम के कारण हज यात्रा चुनौतीपूर्ण थी, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि सोमवार को मक्का की मस्जिद-ए-हरममें तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पाकिस्तान हज मिशन के महानिदेशक अब्दुल वहाब सूमरो ने बुधवार को बताया कि खबर के अनुसार 18 जून तक कुल 35 पाकिस्तानी हज यात्रियों की मौत हुई हैं। डॉन अखबार में सूमरो के हवाले से कहा गया कि मक्का में 20, मदीना में छह, मीना में चार, अराफात में तीन और मुजदलिफा में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सऊदी सरकार ने हरमैन में दफनाने की व्यवस्था की है और अगर कोई पाकिस्तानी हजयात्री मांग करे तो उसके शव को उसके उत्तराधिकारियों के माध्यम से वापस देश भेजने के भी प्रबंध किए गए हैं। सऊदी अरब ने आधिकारिक तौर पर मौतों की जानकारी नहीं दी है, हालांकि उसने सिर्फ रविवार को ही ''भीषण गर्मी'' से निढाल होने वालों के 2700 से अधिक मामलों की सूचना दी है। सूमरो ने आम नागरिकों से हज यात्रियों की कठिनाइयों के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही पोस्टों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यह वास्तविक नहीं है।

मलेशिया जा रही फ्लाइट.... अचानक क्यों हैदराबाद लौटी

कुआलालंपुर। मलेशिया की ओर जा रही एक फ्लाइट ने हैदराबाद से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही समय के बाद फिर से हैदराबाद एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा। फ्लाइट फिर से कुछ ही समय में हैदराबाद लौट आई। मलेशिया एयरलाइंस ने गुरुवार को पुष्टि की कि हैदराबाद से कुआलालंपुर जाने वाली एक उड़ान को 'इंजन में समस्या के कारण' वापस राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटना पड़ा। मलेशिया एयरलाइंस का बयान एक वीडियो के बाद आया है, जिसे एक यात्री ने रिकॉर्ड किया था, जिसमें विमान के इंजन से चिंगारी निकलती दिखाई दे रही थी, और यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। हालांकि, बयान में घटना की वास्तविक प्रकृति पर कोई टिप्पणी नहीं की गई, जिसके कारण पायलटों को हैदराबाद लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मलेशिया की सेपांग स्थित ध्वजवाहक कंपनी ने कहा, विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 3:21 बजे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा, सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित रूप से उतर गए। इसमें कहा गया है, प्रभावित यात्रियों को उनकी यात्रा जारी रखने के लिए अन्य उड़ानों में भेजा जाएगा। विमान को आगे की जांच के लिए फिलहाल जमीन पर रखा गया है। मलेशिया एयरलाइंस के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उड़ान भरने वाले विमान में 138 यात्री सवार थे। सूत्रों के अनुसार, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैदराबाद में आपातकालीन प्रोटोकॉल के साथ विमान को उतारा गया। हाल ही में, न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न जा रहे वर्जिन ऑस्ट्रेलिया के एक यात्री विमान को न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि आग लगने के बाद उसके एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया था। हालांकि आग लगने का सटीक कारण ज्ञात नहीं हो सका है, लेकिन वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि यह घटना संभावित पक्षी के टकराने के कारण हुई।

चीन ने फिलीपीन के साथ दोहराया गलवान...चाकू और कुल्हाड़ी से किया हमला

मनीला। दूसरे देशों की जमीन पर बुरी निगाह रखने वाले चीन ने दक्षिणी चीन सागर में गलवान जैसी घटना फिर की है। चीनी सैनिकों पर अपने पड़ोसी राष्ट्र फिलीपीन की नौसेना पर चाकू और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने और जमकर लूटपाट करने का आरोप लगा है। फिलीपीन सेना ने चीनी सैनिकों की करतूत के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। फिलीपीन अधिकारियों ने चीन को लताड़ लगाकर समुद्री लूट करार दिया। वीडियो में चीनी सैनिकों की लूटपाट देखी जा सकती है। वे फिलीपीन सैनिकों पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर रहे हैं। फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने मांग की कि चीन विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाए और हमले में हुए नुकसान की भरपाई करे। फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। इतना ही नहीं चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को दक्षिण चीन सागर में अपनी नावों से रोक दिया। इन क्षेत्रों पर चीन अपना दावा करता आया है। चीनी सैनिकों ने पहले फिलीपीनो सैनिकों की नावों को टक्कर मारी और फिर वे हथियार लहराते हुए उनकी नावों में कूद गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर फिलीपीन सैनिकों पर हमला किया। चीनी सैनिक उनकी सेना के कई उपकरणों, आठ एम4 राइफलें भी अपने साथ लूटकर ले गए। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने कहा, चीनी सेना ने जो किया जो भुलाया नहीं जा सकता। यह दक्षिण चीन सागर में एक प्रकार की लूट थी। इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए थी। हम चीन से अपने हथियार वापस करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने चाकुओं से हमारे जहाजों पर हमला किया। हथौड़े से जहाजों को नुकसान पहुंचा।

कंगाल पाकिस्तान ने बकरीद में 12 लाख से ज्यादा पशुओं की बलि दी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईद उल अजहा से जुड़ी एक नई रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ हैं कि पूरे पाकिस्तान में 12 लाख से ज्यादा पशुओं की बलि दी गई। इनकी कीमत 500 अरब पाकिस्तानी रुपए है। रिपोर्ट के मुताबिक बलि देने वाले जानवरों में 290,000 गायें, 330,000 बकरियां, 385,000 भेड़ और 98000 ऊंट शामिल हैं। इसके अलावा 165000 भैसों की भी बलि दी गई। बलि दिए गए जानवरों का कुल्य वित्तीय मूल 500 अरब रुपये से ज्यादा था। अनुमान के मुताबिक सिर्फ खाल की कीमत 85 अरब रुपये है। रिपोर्ट में भीषण गर्मी और जलवायु परिवर्तन के कारण 40 फीसदी खाल के संभावित नुकसान के बारे में भी चिंता जाहिर की है। आमतौर पर पाकिस्तान का चमड़ा उद्योग बकरीद के दौरान खाल की वार्षिक मांग का 20 फीसदी पूरा कर लेता है। हालांकि इस साल माना जा रहा है कि मौजूदा आपूर्ति 20 फीसदी से ज्यादा कम हो सकती है। पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के कम से कम 36 सदस्यों को ईद-उल-अजहा पर जानवरों की कुर्बानी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अहमदिया समुदाय को देश में गैर-मुस्लिम घोषित किया गया है, जिसके मद्देनजर उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई। देश में अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के पदाधिकारी आमिर महमूद ने बताया कि समुदाय के कम से कम 36 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अधिकतर पंजाब प्रांत से हैं। पाकिस्तान के आर्थिक संकट के बीच ईद-उल-अजहा का त्यौहार मनाया।

दुनिया में पहला एआई ब्यूटी पेजेंट्स....भारत की जारा शतावरी भी शामिल

लंदन। मिस वर्ल्ड और मिस यूनिवर्स जैसे ब्यूटी पेजेंट्स के बाद अब दुनिया में पहला एआई ब्यूटी पेजेंट होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई मॉडल्स के बीच हो रही प्रतियोगिता को ब्रिटेन की फैनव्यू कंपनी वर्ल्ड एआई क्रिएटर अवॉर्ड्स के साथ मिलकर आयोजित कर रही है।

इस प्रतियोगिता में 2 एआई जजों के अलावा पीआर एडवाइजर एंड्रयू ब्लोच और बिजनेसमान सैली ऐन-फॉसेट भी बतौर जज मौजूद रहने वाले हैं। पेजेंट के पहले चरण में 1500 प्रतिभागियों के बीच से टॉप 10 एआई मॉडल्स का चयन किया गया है। अब इनमें शुरुआती 3 पायदान पर जीत हासिल करने वाली मॉडल्स को प्राइज दिया जाएगा। मिस एआई बनने वाली मॉडल को 10.84 लाख रुपए के अलावा उस बनाने वाले क्रिएटर को पब्लिक रिलेशंस के लिए 4.17 लाख रुपए दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के टॉप 10 प्रतिभागियों में भारत की एआई मॉडल जारा शतावरी भी शामिल हैं। जारा को एक मोबाइल ऐड एजेंसी के सह-संस्थापक राहुल चौधरी ने बनाया है। जारा एक हेल्थ और फिटनेस इन्फ्लूएंसर हैं। उनका सोशल मीडिया पेज भी है, जहां वह हेल्थ और फैशन से जुड़ी टिप्स देती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 8 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अपनी ज्यादातर तस्वीरों में जारा योग के साथ हेल्दी खाने से जुड़ी बातें बता रही हैं। जारा इस ब्यूटी एजेंट में एशिया से चुनी गईं 2 मॉडल्स में से एक हैं।

कुवैत में बिजली की कमी के कारण कई इलाके अंधेरे में डूबे नजर आ रहे। यहां गर्मी बढने के साथ ही बिजली की मांग बढ़ने के बाद ग्रिड पर दबाव काफी बढ़ गया है।

सुनीता विलियम्स अब 26 जून को पृथ्वी पर लौटेंगी

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 26 जून तक टल गई है। बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल में थ्रस्टर से जुड़े इश्यू और शेड्यूल्ड स्पेसवॉक के कारण इसे टाला गया है। ये तीसरा मौका है जब विलियम्स और विल्मोर की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि लैंडिंग को 18 जून तक आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके बाद वापसी को बढ़ाकर 22 जून किया गया। दोनों एस्ट्रोनॉट स्टारलाइनर कैप्सूल और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे।

रूस एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम करेगा तैनात, अमेरिका चिंतित

-अमेरिकी एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ लड़ाकू विमानों को रोकने में सक्षम

मास्को (एजेंसी)। रूसी सेना की ओर से लेटेस्ट जेनेरेशन की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम एस-500 की तैनाती की घोषणा की है। रूसी एयर डिफेंस अमेरिकी एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए खतरा है। यह रूसी एस-500 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली एफ-35 और एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ लड़ाकू विमानों को रोकने में सक्षम होगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एस-500 की तैनाती परीक्षण के बाद की गई है। रूस ने एस-500 को इसके पूर्ववर्ती एस-400 से अपग्रेड करते हुए तैयार किया है। इसकी तैनाती यूक्रेन के खिलाफ महत्वपूर्ण स्थान पर की है। रूस ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में उसके एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान हुआ है। एस-500 सिस्टम हाइपरसोनिक मिसाइलों, विमानों और यहां तक कि कम-कक्षा के उपग्रहों को भी टारगेट कर सकता है।

रूस ने क्रीमिया में इस एयर सिस्टम की तैनाती की है, जो रणनीतिक महत्व को रूसी सैन्य रसद पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण गलियारा है। यूक्रेन और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच एस-500 की उपस्थिति वायु रक्षा शक्ति के संतुलन में बड़ा बदलाव है। ये अत्याधुनिक अमेरिकी लड़ाकू जेटों से जुड़ी हवाई गतिविधियों को भी रोकेगा। एस-500 एयर डिफेंस के रडार और टारगेट सिस्टम दुनिया में सबसे अच्छे माने जाते हैं, जो 600 किलोमीटर तक अपने लक्ष्य को पहचान सकते हैं। यह लंबी दूरी की क्षमता सिस्टम को अपने जुड़ाव क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले लक्ष्यों को अच्छी तरह से पहचानने और ट्रैक करने की इजाजत देती है। मारक क्षमता के संदर्भ में एस-500 कई लक्ष्यों के लिए तैयार की और कई मिसाइलों से सुसज्जित है। ये मिसाइलें 200 किलोमीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं, जिससे एस-500 अपने मध्य-चरण के दौरान बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और कम-कक्षा उपग्रहों को संलग्न करने में सक्षम है।

अमेरिकी वायुसेना के लिए बेहद अहम एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लाइटनिंग ढूढ्ढ जैसे स्टील्थ विमानों को लक्षित करने की प्रणाली की क्षमता एस-500 के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एस-500 उन्नत रडार तकनीक का इस्तेमाल करता है जो उन विमानों का पता लगा सकता है, जिन्हें पारंपरिक रडार प्रणालियों से बचने के लिए डिजाइन किया है। इसके अलावा एस-500 एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। यह इसे ऐसे खतरे वाले माहौल में प्रभावी बनाता है, जहां आने वाले कई खतरों को कुशलता से संबोधित कर सकता हो।

चीनी सेना भष्ट्राचार में डूबी... नाराज जिनपिंग ने दी चेतावनी

-सेना कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति पूरी तरह से वफादर रहे

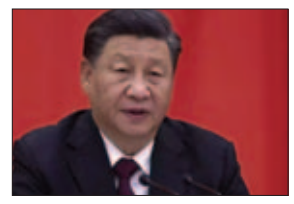

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की सेना पीएलए में व्याप्त व्यापक भ्रष्टाचार पर बुरी तरह से नाराज हो गए हैं। शी जिनपिंग ने कहा कि सेना में किसी भ्रष्ट व्यक्ति के लिए छिपने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि सेना चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति पूरी तरह से निष्ठा दिखाए। उन्होंने कहा कि चीनी सेना के राजनीति, विचारधारा, काम की शैली और अनुशासन में बहुत गहराई तक समस्याएं हैं। जिनपिंग ने संकेत दिया कि अभी सेना के अंदर भ्रष्टाचार के खिलाफ और ज्यादा सख्त कार्रवाई होगी। इससे पहले चीनी राष्ट्रपति ने 12 से ज्यादा सीनियर जनरल और रक्षा उद्योग के अधिकारियों को पद से बर्खास्त कर दिया था। जिनपिंग ने पीएलए के शीर्ष कमांडरों से कहा कि वे भ्रष्टाचार को पैदा करने वाली परिस्थितियों खत्म करें। उन्होंने कमांडरों से कहा कि वे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए अपने अभियान को दोगुना करें। शी के बयान के बाद चीनी सेना की क्षमता पर सवाल खड़े हो रहे है। जिनपिंग ने बार-बार सैन्य कमांडरों को चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार से दूर रहें। उन्होंने कहा कि अगर सेना में अनुशासन नहीं रहता है,तब उनकी पश्चिमी देशों की सेना से मुकाबला करने की योजना को पलीता लग जाएगा।

दरअसल चीनी सेना पिछले साल से ही भ्रष्टाचार निरोधक अभियान चला रही है। चीनी सेना के 9 जनरल और रक्षा उद्योग के कम से कम 4 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें रणनीतिक रूप से अहम पीएलए की रॉकेट फोर्स भी शामिल है जो देश के रणनीतिक और परमाणु मिसाइलों की देखरेख करती है। इसके अलावा चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को भी उनके पद से हटा दिया गया था। उन्हें हटाने की चीन ने कोई वजह नहीं बताई थी। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक ली शांगफू के खिलाफ सैन्य उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है। चीन ने हथियारों की खरीद पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं ताकि साल 2050 तक देश की सेना को विश्वस्तरीय बना दिया जाए। चीन की नजर ताइवान से लेकर भारत तक पर है और बड़े पैमाने पर सैन्य तैयारी कर रहा है।

उत्तर कोरिया के बाद वियतनाम पहुंचे पुतिन

हाओई (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उत्तर कोरिया के साथ रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद गुरुवार को वियतनाम पहुंचे। पुतिन का वियतनामी उप प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा और पार्टी के शीर्ष राजनयिक ले होई ट्रुंग ने रेड कार्पेट पर स्वागत किया।

वियतनाम, जो आधिकारिक तौर पर विश्व शक्तियों के साथ अपने संबंधों में एक तटस्थ विदेश नीति का पालन करता है, जिसे वह बांस कूटनीति कहता है, ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने से परहेज किया है, एक ऐसा रुख जिसे पश्चिमी देश क्रेमलिन के बहुत करीब मानते हैं। यूक्रेन युद्ध पर वियतनाम के संतुलित रुख की

हालाँकि उत्तर कोरिया और रूस दोनों को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है, वियतनाम ने अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सावधानीपूर्वक गठबंधन बनाए हैं। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल अकादमी में वियतनाम सुरक्षा के विशेषज्ञ कार्ल थायर ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन की उत्तर कोरिया और वियतनाम की यात्रा यह प्रदर्शित करने के लिए है कि रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी प्रयास काम नहीं कर रहे हैं और रूस के एशिया में साझेदार हैं। मई में पाँचवें कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद से, चीन और उत्तर कोरिया के बाद पुतिन द्वारा दौरा किया जाने वाला दक्षिण-पूर्व एशियाई देश तीसरा देश होगा।

प्रमुख भागीदार अमेरिका, जिसने पिछले साल हनोई के साथ राजनयिक संबंधों को उन्नत किया और जो वियतनाम का शीर्ष निर्यात बाजार है, ने पुतिन की यात्रा का विरोध किया।

हनोई में अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, किसी भी देश को पुतिन को उनके आक्रामक युद्ध को बढ़ावा देने और अन्यथा उनके अत्याचारों को सामान्य बनाने का मंच नहीं देना चाहिए। रूस ऐतिहासिक रूप से वियतनाम का प्रमुख सैन्य आपूर्तिकर्ता रहा है, इसलिए किसी भी संभावित हथियार सौदे पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

पाकिस्तानी आवाम की आवाज, एटम बम नहीं... हमें रोटी, अस्पताल और स्कूल चाहिए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वैश्विक हथियार ट्रैकर रिपोर्ट के अनुसार भारत का परमाणु हथियार भंडार 25 वर्षों में पहली बार पाकिस्तान से बड़ा हुआ है। भारत के पास अब 172 हथियार हैं। एसआईपीआरआई की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल अपने जखीरे में आठ परमाणु हथियार जोड़े हैं, जिससे उसके हथियारों की संख्या 164 से बढ़कर 172 हो गई। वहीं पाकिस्तान का परमाणु भंडार 170 पर स्थिर है। 1999 के बाद यह पहली बार है कि भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु हथियार हैं। इस खबर के बाद पाकिस्तानियों ने जमकर अपनी सरकार और सेना को सुनाया है।

पाकिस्तानी राजनेता और फौज के लोग अक्सर ही अपने परमाणु हथियारों की चर्चा करते रहे हैं। इस लेकर पाकिस्तानी खुद ही अपनी तारीफ करते हैं। अब पाकिस्तान इस मामले में भी भारत से पिछड़ गया है। इस पर

पाकिस्तानी आवाम का कहना है कि दशकों से नेता बम की रट लगाते रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान के नेताओं को समझना चाहिए कि देश लोगों के मजबूत होने से होता है ना कि बम से ये होगा। मलिक हारुन ने कहा कि सरकार वे कदम उठने चाहिए कि आम लोगों की माली हालत ठीक हो, यहीं से तरक्की के रास्ते खुल सकते है। उन्होंने कहा कि परमाणु बम के बिना भी दुनिया के बहुत से देश बेहद खुशहाल हैं, इसके बाद बम के बजाय हमें इकॉनमी पर ध्यान देना चाहिए।

गुलफाम ने कहा, ये एटम बम फिजूल की चीज है, ये कभी नहीं चलने हैं। इनकी किसी को जरूरत नहीं है। हमें जरूरत रोटी, अस्पताल और स्कूल की है। हम तो ऐसा समझते हैं कि पाकिस्तान के लोग इस चक्कर में ना पड़ें बल्कि भारत के लोग भी इस दौड़ में ना पड़ें। ये किसी काम के नहीं हैं। हमारे देश से ही अलग हुए बांग्लादेश के पास एटम बम नहीं है लेकिन वहां मुल्क बीते कुछ सालों में भारत और पाकिस्तान दोनों से आगे बढ़ा है। इसी तरह से अरब और यूरोप के कई मुल्कों के पास बहुत छोटी सी फौज है, लेकिन वहां खुशहाली पाकिस्तान, भारत और दूसरे कई परमाणु हथियार वाले देशों से बहुत ज्यादा है। कमर मुनीर ने कहा, भारत से मुकाबला करने की बातें ही बेवजह की हैं। पाकिस्तान के जो हालात आज के वक्त में हैं, वे इसतरह के नहीं हैं कि किसी से लड़ सकें। आवाम महंगाई से मरी जा रही है। किसानों को सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं।

कौन हैं नैंसी पेलोसी..... जो चीन को फूटी आंख नहीं भाती

- पहले ताइवान अब दलाईलामा से मुलाकात

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद का एक ताकतवार प्रतिनिधिमंडल इन दिनों भारत दौरे पर है। प्रतिनिधमंडल में अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी शामिल हैं, जिन्होंने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की। लेकिन चीन को ये मुलाकात पंसद नहीं आई। नाराजगी में चीन ने अमेरिकी डेलिगेशन को चेतावनी तक दे डाली। नैंसी पेलोसी सहित अमेरिकी प्रतिनिधियों ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की है। लेकिन मुलाकात का असल मकसद उस बिल पर चर्चा करना है, जिस पर जल्द अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन हस्ताक्षर कर सकते हैं। बिल का उद्देश्य चीन पर दबाव बनाना है ताकि वह तिब्बत के साथ चल रहे विवाद को निपटा सके। यह बिल 12 जून को अमेरिकी संसद में पारित हुआ था। बिल में अमेरिका, तिब्बत के इतिहास, लोगों और संस्थाओं के बारे में चीन की ओर से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार से निपटने के लिए फंड मुहैया कराएगा।

अब सवाल हैं कि नैंसी पेलोसी क्यों चिढ़ता है चीन?

नैंसी पेलोसी का ताल्लुक राजनीतिक परिवार से रहा है। 84 साल की नैंसी पेलोसी 5 बच्चों की मां और नौ बच्चों की दादी हैं। पेलोसी अक्सर कहती हैं कि उनका इरादा कभी राजनीति में आने का नहीं था। नैंसी के पिता थॉमस डीएलेसेंड्रो जूनियर ने बाल्टीमोर के मेयर के रूप में काम किया है। उन्होंने पांच बार कांग्रेस में शहर का प्रतिनिधित्व किया। नैंसी के भाई थॉमस डीएलेसेंड्रो-3 ने भी बाल्टीमोर के मेयर के तौर पर काम किया। पेलोसी अक्सर अपने पिता के चुनावी अभियानों में भाग लेती थीं। उन्हें वोट बटोरने में महारत हासिल है।

ओबामा के पूर्व मुख्य रणनीतिकार डेविड एजेलरोड ने नैंसी से पूछा था कि उन्होंने अपने पिता से क्या सीखा। इसके जवाब में पेलोसी ने कहा कि मैंने उनसे वोट इकट्ठे करना सीखा है।

पेलोसी पहली बार 1987 में सदन के लिए चुनी गई थीं। उन्होंने अमेरिकी राजनीति में सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में कार्यकाल पूरा किया है। डेमोक्रेटिक नेता पेलोसी ने 2007 में पहली महिला स्पीकर बनकर इतिहास रचा था। फिर 2019 में उन्होंने स्पीकर का पद हासिल किया। स्पीकर के तौर पर उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में पूरा हुआ था।

पेलोसी डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़े होने वालीं आखिरी शख्स थीं। पेलोसी ने सुनिश्चित किया था कि ट्रंप दो बार महाभियोग चलाने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति बनें। दूसरा प्रयास उनके कार्यकाल की समाप्ति से केवल सात दिन पहले किया गया था, जहां एक तरफ उनके उग्र व्यक्तित्व ने उन्हें हमेशा विरोध के निशाने पर रखा, तब वहीं दूसरी तरफ उन्हें पसंद करने वाले लोगों की भी कमी नहीं रही है। बीते साल अगस्त में नैंसी तब चर्चा में आई थीं, जब वे अमेरिका की हाउस स्पीकर के पद पर रहते हुए ताइवान के दौरे पर गई थीं। उनके इस दौरे का चीन ने जबरदस्त विरोध किया था। दरअसल, ताइवान को चीन अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। इसके बाद चीन ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जानें योग की संपूर्ण जानकारी

योग का उद्भव भारत से ही माना जाता है। भारत में योग का इतिहास लगभग 2000 वर्ष पुराना बताया गया है। भारत में स्वामी विवेकानंद ने योग की शुरुआत बहुत पहले कर दी थी। स्वामी जी ने अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में योग का संदेश संपूर्ण विश्व को दिया था। योग पर आधारित पुस्तकों का संग्रह आज भी भारत के राष्ट्रीय संग्राहलयों में मिलता है। योग भारत के पास प्रकृति की एक अमूल्य वस्तु है।

योग का महत्व

आज के समय में सभी के जीवन में योग का बहुत अधिक महत्व है। वर्तमान में बढ़ती बीमारियों से निपटने के लिए योग बहुत जरुरी है। जिस प्रकार डाईबिटीज के मरीज के लिए दवा जरुरी है, ठीक उसी प्रकार जीवन में योग बहुत आवश्यक है।

प्रात: काल का समय, योग करने का सही समय माना जाता है। सुबह के समय योग करने से व्यक्ति के मस्तिष्क की सभी इंद्रियां भलीभंति गतिमान होती हैं, जिससे व्यक्ति का मन एकाग्र होकर कार्य करता है। योग एक ऐसी साधना है, जिसका जीवन में होना बहुत जरुरी है। योग एक ऐसी दवा है, जो बगैर खर्च के रोगियों का इलाज करने में सक्षम है। वहीं यह शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, यही कारण हैं कि युवाओं द्वारा बड़े पैमाने पर जिम और एरोबिक्स को छोड़कर योग अपनाया जा रहा है।

योग के फायदे

मानसिक तनाव से छुटकारा

सुबह के समय योग करने का सबसे ज्यादा असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर होता है। प्रात: योग करने से दिन भर के मानसिक तनाव से छुटकारा मिल जाता है एवं सभी कार्य आसानी एवं सरलता से हो जाते हैं।

वजन कम करने में सहायक

योग वजन घटाने में अत्यधिक सहायक है। सूर्य नमस्कार, योग का ऐसा अंग है जो वजन कम करने में अत्यंत सहायक है। प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने से व्यक्ति का 10 ग्राम तक वजन कम होता है।

डाईबिटीज रोगियों के लिए जरुरी

कहा जाता है कि डाईबिटीज एक ऐसी बीमारी है जो कभी ठीक नहीं होती। लेकिन ऐसा नहीं है, योग और प्राणायाम से इस बीमारी का इलाज भी संभव है। योग के नियमित अभ्यास से डाईबिटीज जैसी बीमारी से राहत पाई जा सकती है।

मन प्रसन्न

प्रतिदिन सुबह के समय योग करने से मन दिन भर प्रसन्न रहता है, साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है। मानसिक रोगों को दूर कर प्रसन्न रहने के लिए यह एक बेहतरीन उपाय है।

आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी

योग से मस्तिष्क सक्रिय होता है और शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि होती है, जिससे व्यक्ति का मन किसी भी कार्य में व्यवस्थित रूप से लगा रहता है एवं उसके सभी काम समय पर होने से उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

योग की सावधानियां

- योग सुबह या शाम के समय करना ज्यादा बेहतर होगा।
- योग हमेशा खाली पेट करें।
- योग अपने शरीर के हिसाब से करें। जो आसन आप कर सकते हैं वही आसन करें।

योग का भविष्य

भारत के लिए बहुत गर्व की बात है की संपूर्ण विश्व में अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है। आज के समय में योग का उज्जवल भविष्य सामने है। वर्तमान में योग के प्रति लोगों की रुचि बढ़ती जा रही है, जिससे आने वाले समय में योग का स्तर और व्यापक होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। योग अब विदेशों में भी अपनाया जा चुका है जो यह दर्शाता है कि योग अब अंतराष्ट्रीय स्तर विकसित हो चुका है।

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विशेष

योग से सकारात्मकता की ओर

हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है। इस साल पूरे विश्व में तृतीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। भारत देश में योग दिवस का एक अपना ही अलग महत्व है। योग भारतीय प्राचीन संस्कृति की परम्पराओं को समाहित करता है। भारत देश में योग का प्राचीन समय से ही अहम स्थान है। पतंजलि योग दर्शन में कहा गया है कि – योगश्चित्तवृत्त निरोध: अर्थात चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हरदय की प्रकृति का संरक्षण ही योग है। जो मनुष्य को समरसता की और ले जाता है।

योग मनुष्य की समता और ममता को मजबूती प्रदान करता है। यह एक प्रकार का शारारिक व्यायाम ही नहीं बल्कि जीवात्मा का परमात्मा से पूर्णतया मिलन है। योग शरीर को तो स्वस्थ्य रखता ही है इसके साथ-साथ मन और दिमाग को भी एकाग्र रखने में अपना योगदान देता है। योग मनुष्य में नए-नए सकारात्मक विचारों की उत्पत्ति करता है। जो कि मनुष्य को गलत प्रवृति में जाने से रोकते हैं। योग मन और दिमाग की अशुद्धता को बाहर निकालकर फेंक देता है। योग व्यक्तिगत चेतना को मजबूती प्रदान करता है। योग मानसिक नियंत्रण का भी माध्यम है। हिन्दू धर्म, बौध्द धर्म और जैन धर्म में योग को आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाता है। योग मन और दिमाग को तो एकाग्र रखता है ही साथ ही साथ योग हमारी आत्मा को भी शुध्द करता है। योग मनुष्य को अनेक बीमारियों से बचाता है और योग से हम कई बीमारियों का इलाज भी कर सकते हैं। असल में कहा जाते तो योग जीवन जीने का माध्यम है।

श्रीमद्भागवत गीता में कई प्रकार के योगों का उल्लेख किया गया है। भगवद गीता का पूरा छठा अध्याय योग को समर्पित है। इसमें योग के तीन प्रमुख प्रकारों के बारे में बताया गया है। इसमें प्रमुख रूप से कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग का उल्लेख किया गया है। कर्म योग- कार्य करने का योग है। इसमें व्यक्ति अपने स्थिति के उचित और कर्तव्यों के अनुसार कर्मों का श्रद्धापूर्वक निर्वाह करता है। भक्ति योग- भक्ति का योग। भगवान के प्रति भक्ति। इसे भावनात्मक आचरण वाले लोगों को सुझाया जाता है। और ज्ञान योग- ज्ञान का योग अर्थात ज्ञान अर्जित करने का योग। भगवत गीता के छठे अध्याय में बताए गए सभी योग जीवन का आधार है। इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भगवद्गीता में योग के बारे में बताया गया है कि – सिद्दध्यसिद्दध्यो समोभूत्वा समत्वंयोग उच्चते। अर्थात दु:ख-सुख, लाभ-अलाभ, शत्रु-मित्र, शीत और उष्ण आदि द्वन्दों में सर्वत्र समभाव रखना योग है। दुसरे शब्दों में कहा जाए तो योग मनुष्य को सुख-दु:ख, लाभ-अलाभ, शत्रु-मित्र, शीत और उष्ण आदि परिस्थितियों में सामान आचरण की शक्ति प्रदान करता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में एक स्थल पर कहा है 'योग: कर्मसु कौशलम' अर्थात योग से कर्मो में कुशलता आती हैं। वास्तव में जो मनुष्य योग करता है उसका शरीर, मन और दिमाग तरोताजा रहता है और मनुष्य प्रत्येक काम मन लगाकर करता है।

27 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में अपने पहले संबोधन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की जोरदार पैरवी की थी। इस प्रस्ताव में उन्होंने 21 जून को ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस'' के रूप में मान्यता दिए जाने की बात कही थी। मोदी की इस पहल का 177 देशों ने समर्थन किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में इस आशय के प्रस्ताव को लगभग सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। और 11 दिसम्बर 2014 को को संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्यों द्वारा 21 जून को ''अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम समय है। पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया और पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया गया। इस दिन करोड़ों लोगों ने विश्व में योग किया जो कि एक रिकॉर्ड था।

योग दिवस में 'सूर्य नमस्कार' व 'ओम' उच्चारण का कुछ मुस्लिम संगठन विरोध करते रहे हैं। असल में कहा जाए तो 'ओम' शब्द योग के साथ जुड़ा हुआ है। इसे विवाद में तब्दील करना दुर्भागयपूर्ण है। लेकिन इसे हर किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता। इसलिए योग करते समय लोगों को 'ओम' उच्चारण को अपनी धार्मिक मान्यता की आजादी के अनुसार प्रयोग करना चाहिए। अगर किसी का धर्म ओम उच्चारण की आजादी नहीं देता तो उन्हें बिना ओम जाप के योग करना चाहिए। लेकिन योग को किसी एक धर्म से जोडकर विवाद पैदा नहीं करना चाहिए। आज के समय में योग को भारत के जन-जन तक योग को पहुंचाने में योग गुरु बाबा रामदेव, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर सहित अनेकों ऐसे महापुरुषों का अहम योगदान है। इनके योग के क्षेत्र में योगदान की वजह से ही आज भारत के घर-घर में प्रतिदिन योग होता है।

भगवद्गीता के अनुसार – तस्माद्दयोगायायुज्यस्व योग: कर्मसु कौशलम। अर्थात्कर्त्व्य कर्म बंधक न हो, इसलिए निष्काम भावना से अनुप्रेरित होकर कर्त्तव्य करने का कौशल योग है। योग को सभी लोगों को सकारात्मक भाव से लेना चाहिए। कोई भी धर्म-संप्रदाय योग की मनाही नहीं करता। इसलिए लोगों को योग को विवाद में नहीं घसीटना चाहिए। योग बुध्दि कुशाग्र बनाता है और संयम बरतने की शक्ति देता है। योग की जितनी धार्मिक मान्यता है। उतना ही योग स्वस्थ्य शरीर के लिए जरूरी है। योग से शरीर तो स्वस्थ्य रहता है ही साथ ही साथ योग चिंता के भाव को कम करता है। और मनोबल भी मजबूत करता है। योग मानसिक शांति प्रदान करता है और जीवन के प्रति उत्साह और ऊर्जा का संचार करता है। योग मनुष्य में सकारात्मकता तो बढाता है ही, साथ ही साथ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढाता है। इसलिए लोगों को इस तनाव भरे जीवन से मुक्ति पाने के लिए योग करना चाहिए। और दूसरे लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए। जिससे कि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

मन की बेचैनी दूर कर लीजिए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर

चिंता, तनाव या किसी शारीरिक समस्या के कारण मन में बहुत बेचैनी रहती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि दिमागी झंझावतों की वजह से आप रातभर करवटें बदलते रहते हों। मन की बेचैनी को दूर करके मन को शांत रखना चाहते हैं तो योग दिवस पर आपके लिए हम लाए हैं मात्र 5 ऐसे उपाय जो आपकी मन की शांति को बढ़ा देंगे।

- **ये तीन प्राणायाम करें** – चंद्रभेदी, सूर्यभेदी और भ्रामरी प्राणायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। इन्हें आसानी से सीखा जा सकता है।
- **योगासन** – योगासनों में जानुशिरासन, सुप्तवज्रासन, पवनमुक्तासन, पश्चिमोत्तानासन, उष्ट्रासन, ब्रह्ममुद्रा या फिर रोज सूर्य नमस्कार करें।
- **ध्यान करें** – यदि उपरोक्त में से कुछ भी नहीं कर सकते हैं तो प्रतिदिन 10 मिनट का ध्यान करें।
- **श्वास प्रश्वास** – यदि उपरोक्त में से कुछ भी नहीं कर सकते हैं तो श्वास प्रश्वास की ये स्टेप करें। सबसे पहले पेट तक गहरी श्वास लें। फिर उससे दोगुने समय तक रोककर रखें और अंत में जितनी देर तक छोड़ते सकते हैं छोड़े। ऐसा कम से कम 10 बार तक करें।
- **योग निद्रा** – प्राणायाम में भ्रामरी और प्रतिदिन पांच मिनट का ध्यान करें। आप चाहें तो 20 मिनट की योग निद्रा लें जिसके दौरान रुचिकर संगीत पूरी तन्मयता से सुनें और उसका आनंद लें। यदि आप प्रतिदिन योग निद्रा ही करते हैं तो यह रामबाण साबित होगी।

विश्व योग दिवस पर कर सकते हैं 10 बहुत सरल आसन

विश्व योग दिवस के अवसार पर जानिए 10 ऐसे सरल योगासन जिन्हें करने से हर तरह के शारीरिक रोग और मानसिक रोग में लाभ मिलता है। यदि आपको शरीर में किसी भी प्रकार की कोई गंभीर समस्या नहीं है तो आप इन आसनों को आजमा सकते हैं।

पादहस्तासन (खड़े होकर)

यह आसन खड़े होकर किया जाता है। इसमें हम दोनों हाथों से अपने पैर के अँगूठे या टखने को पकड़कर सिर को घुटनों से टिका देते हैं। पहले कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएँ। फिर दोनों हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाया जाता है। हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा-थोड़ा कंधों को आगे की ओर प्रेस करते हुए फिर हाथों को सिर के ऊपर तक उठाया जाता है। ध्यान रखें की कंधे कानों से सटे हुए हों।

त्रिकोणासन (खड़े होकर)

त्रिकोण या त्रिभुज की तरह। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। सबसे पले सावधान की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर उठाकर दूसरे से डेढ़ फुट के फासले पर समानांतर ही रखें। मतलब आगे या पीछे नहीं रखना है। अब श्वास भरें। फिर दोनों बाजुओं को कंधे की सीध में लाएं। अब धीरे-धीरे कमर से आगे झुके। फिर श्वास बाहर निकालें। अब दाएं हाथ से बाएं पैर को स्पर्श करें। बाईं हथेली को आकाश की ओर रखें और बाजू सीधी रखें। इस दौरान बाईं हथेली की ओर देखें। इस अवस्था में दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। इसी तरह श्वास निकालते हुए कमर से आगे झुके। अब बाएं हाथ से दाएं पैर को स्पर्श करें और दाईं हथेली आकाश की ओर कर दें। आकाश की ओर की गई हथेली को देखें। दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। यह पूरा एक चरण होगा। इसी तरह कम से कम पांच बार इस आसन का अभ्यास करें।

उष्ट्रासन (बैठकर)

ऊंट के समान दिखाई देने के कारण उष्ट्रासन। वज्रासन की स्थिति में बैठने के बाद घुटनों के ऊपर खड़े होकर पगथलियों के ऊपर एक-एक कर क्रम से हथेलियां रखते हुए गर्दन को ढीला छोड़ देते हैं और पेट को आसमान की ओर उठाते हैं। ये उष्ट्रासन है।

भुजंगासन (लेटकर)

भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शवासन (लेटकर)

शवासन को करना सभी जानते हैं। यह संपूर्ण शरीर के शिथिलीकरण का अभ्यास है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। समस्त अंग और मांसपेशियों को एकदम ढीला छोड़ दें। चेहरे का तनाव हटा दें। कहीं भी अकड़न या तनाव न रखें। अब धीरे-धीरे गहरी और लंबी श्वास लें। महसूस करें की गहरी नींद आ रही है। इसका अभ्यास प्रतिदिन 10 मिनट तक करें।

ताड़ासन (खड़े होकर)

इससे शरीर की स्थिति ताड़ के पेड़ के समान हो जाती है, इसीलिए इसे ताड़ासन कहते हैं। ताड़ासन और वृक्षासन में फर्क होता है। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। पंजे के बल खड़े रहकर दोनों होथों को उपर ले जाकर फिर फिंगर लॉक लगाकर हाथों के पंजों को ऊपर की ओर मोड़ दें और अर्थात हथेलियां आसमान की ओर रहें। गर्दन सीधी रखें। यह ताड़ासन है।

भुजंगासन (पेट के बल लेटकर)

भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शयन पाद संचालन (पीठ के बल लेटकर)

लेटी हुई अवस्था में पैरों का संचालन करना ही शयन पाद संचालन आसन है। यह ठीक उसी तरह है जबकि कोई बच्चा लेटे-लेटे साइकल चला रहा हो। यह आसन दो तरह से किया जा सकता है। पहला तरीका बहुत ही साधारण है और दूसरा तरीका स्टेप बाई स्टेप है। पीठ के बल भूमि पर लेट जाएं। हाथ जंघाओं के पास। पैर मिले हुए। अब धीरे से पैर और हाथ एकसाथ उठाकर हाथ-पैरों से साइकल चलाने का अभ्यास करें। थक जाएं तो कुछ देर शवासन में विश्राम करके पुन: अपनी सुविधा अनुसार यह प्रक्रिया करें।

नौकासन (पेट और पीठ के बल लेटकर)

नियमित रूप से यह आसन न सिर्फ पेट की चर्बी कम करने में मददगार है बल्कि शरीर को लचीला बनाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं में यह काफी फायदेमंद साबित हुआ है। यह आसन पेट के बल और पीठ के बल लेटकर किया जाता है। पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसन को विपरीत नौकासन कहते हैं। यह दोनों ही आसन करना चाहिए।

आंजनेयासन (घुटने और पंजों के बल)

हनुमान जी का एक नाम आंजनेय भी है। यह आसन उसी तरह किया जाता है जिस तरह हनुमानजी अपने एक पैर का घुटना नीचे टिकाकर दूसरा पैर आगे रखकर कमर पर हाथ रखते हैं। अंजनेय आसन में और भी दूसरे आसन और मुद्राओं का समावेश है। सर्वप्रथम वज्रासन में आराम से बैठ जाएँ। धीरे से घुटनों के बल खड़े होकर पीठ, गर्दन, सिर, कूल्हों और जांघों को सीधा रखें। हाथों को कमर से सटाकर रखें सामने देंखे। अब बाएं पैर को आगे बढ़ाते हुए 90 डिग्री के कोण के समान भूमि कर रख दें। इस दौरान बायां हाथ बाएं पैर की जंघा पर रहेगा। फिर अपने हाथों की हथेलियों को मिलाते हुए हृदय के पास रखें अर्थात नमस्कार मुद्रा में रखें। श्वास को अंदर खींचते हुए जुड़ी हुई हथेलियों को सिर के ऊपर उठाकर हाथों को सीधा करते हुए सिर को पीछे झुका दें। इसी स्थिति में धीरे-धीरे दाहिना पैर पीछे की ओर सीधा करते हुए कमर से पीछे की ओर झुके। इस अंतिम स्थिति में कुछ देर तक रहे। फिर सांस छोड़ते हुए पुन: वज्रासन की मुद्रा में लौट आए। इसी तरह अब यही प्रक्रिया दाएं पैर को 90 डिग्री के कोण में सामने रखते हुए करें।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com